रायपुर। शुक्रवार, 04 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष सप्तमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 33/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
# विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ विचार छत्तीसगढ़ में जन्माष्टमी का लोक रूप : आठे कन्हैया | @ खेल चाइना मास्टर्स: सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल का... | @ व्यापार सेंसेक्स 417 अंक फिसला...

## विश्व केसरी खबर झरोखा

### ईरान युद्ध में नागरिकों पर कहर

ईरान युद्ध में अचानक बढ़े तनाव ने एक बार फिर नागरिकों पर पड़ने वाली इसकी भयावह मार की ओर दुनिया का ध्यान खींचा है। ईरान ने बताया कि अमेरिका के हालिया हमलों में 18 लोगों की मौत हुई है, जिनमें एक शादी समारोह के दौरान मारे गए चार लोग भी शामिल हैं। हमले में दर्जनों लोग घायल हुए हैं। ईरानी रेड क्रिसेंट ने बताया कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य के तट के पास एक शादी समारोह में हुए हमले में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 67 लोग घायल हुए। हालिया घटनाक्रम ने ईरान में युद्ध के बढ़ते मानवीय नुकसान और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है।

### बिहार में गंगा उफान पर, बाढ़ की आशंका बढ़ी

बिहार में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच गंगा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को गंगा के बढ़ते जलस्तर का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए।

आपदा प्रबंधन विभाग ने एक बयान में कहा कि गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और गुरुवार रात पटना के गांधी घाट पर नदी का पानी 'उच्चतम बाढ़ स्तर' (Highest Flood Mark) को पार कर सकता है।

विभाग ने नदी के किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है। भोजपुर, पटना, सारण, वैशाली, नालंदा, बेगूसराय, लखीसराय और जहानाबाद जिलों के लोगों से घाटों और तटबंधों के आसपास अनावश्यक आवाजाही से बचने को कहा गया है।

### जग मोहन बने आईबी के विशेष निदेशक

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी जग मोहन को गुरुवार को इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) का विशेष निदेशक नियुक्त किया गया। जग मोहन 1995 बैच के बिहार कैडर के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। वह फिलहाल आईबी में अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने जग मोहन की आईबी के विशेष निदेशक पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी है। उनका कार्यकाल 30 जून 2031, यानी उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख तक रहेगा। जग मोहन की नियुक्ति को खुफिया तंत्र में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

### 10 हजार की रिश्वत लेते प्राचार्य और लिपिक गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में एंटी करप्शन ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सरकारी स्कूल की प्राचार्य और लिपिक को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। मामला शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरारी का है। जानकारी के मुताबिक, प्राचार्य अंजुलता सोनी और लिपिक विकास मसीह ने स्कूल के बाबू मनीष राठौर से उनके 80 हजार रुपए के वेतन वृद्धि एरियर की राशि निकालने के एवज में रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद, एसीबी बिलासपुर की टीम ने मामले की जांच की और आरोपियों को पकड़ने के लिए ट्रैप कार्रवाई की। तय योजना के तहत जैसे ही दोनों ने 10 हजार रुपए की रिश्वत की रकम स्वीकार की, एसीबी की टीम ने उन्हें मौके पर गिरफ्तार कर लिया।

# सात दशमलव आठ का जादू?

सुजीत कुमार
प्रधान संपादक - विश्व केसरी

**अप्रैल-जून** 2026 में भारत की वास्तविक GDP वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही। सरकार के लिए यह बड़ी उपलब्धि है—और अर्थव्यवस्था में विनिर्माण, सेवाओं, बैंकिंग तथा सरकारी निवेश की मजबूती इसके पीछे वास्तविक आधार भी देती है।

लेकिन लोकतंत्र में आंकड़ा जारी कर देना बहस खत्म नहीं करता। असली सवाल वहीं से शुरू होता है।

अगर अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है, तो आमदनी, रोजगार, छोटे कारोबार और घरेलू बचत में वही रफ्तार क्यों नहीं दिख रही?

GDP पर सवाल उठाना देश की अर्थव्यवस्था पर सवाल उठाना नहीं है। यह पारदर्शिता, जवाबदेही और भरोसे की मांग है।

सरकार का तर्क है कि नई GDP श्रृंखला में 2022-23 का नया आधार वर्ष, बेहतर प्रशासनिक आंकड़े, Producer Price Index और विनिर्माण क्षेत्र में double-deflation जैसी आधुनिक पद्धतियां शामिल की गई हैं। सरकार यह भी कहती है कि पुरानी और नई श्रृंखला के आंकड़ों की सीधी तुलना सांख्यिकीय रूप से उचित नहीं है। यह तर्क गंभीर है और इसे खारिज नहीं किया जा सकता।

लेकिन संदेह भी हवा में पैदा नहीं हुआ। नई श्रृंखला में पिछले वर्ष की पहली तिमाही की मौजूदा कीमतों वाली GDP करीब 86.05 लाख करोड़ रुपये से घटकर लगभग 80 लाख करोड़ रुपये रह गई। इतना बड़ा संशोधन जनता को स्वाभाविक रूप से पूछने पर मजबूर करता है—आखिर बदला क्या, क्यों बदला और इसका असर वृद्धि दर पर कितना पड़ा?

GDP deflator को लेकर भी यही समस्या है। सरकार सही कहती है कि यह CPI या WPI से अलग चीज मापता है। लेकिन परिवार अपनी आर्थिक हालत deflator से नहीं, भोजन, किराये, शिक्षा, इलाज और ईंधन की कीमतों से मापता है। जब सरकारी आंकड़े और बाजार का अनुभव अलग-अलग कहानी सुनाएं, तो भरोसा कमजोर होता है।

7.8 प्रतिशत को पूरी तरह 'कागजी' कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन इसे बिना सवाल स्वीकार कर लेना भी उतना ही गलत है। बड़ी कंपनियों का उत्पादन बढ़ सकता है, बैंक क्रेडिट मजबूत हो सकता है और सरकारी निवेश तेज हो सकता है—फिर भी छोटे दुकानदार, असंगठित श्रमिक और नौकरी तलाशता युवा पीछे छूट सकते हैं।

इसलिए सरकार को नई-पुरानी श्रृंखला के हर बड़े बदलाव, deflator की गणना और डेटा स्रोतों का सरल, सार्वजनिक और स्वतंत्र परीक्षण योग्य विवरण देना चाहिए। मजबूत आंकड़े सवालों से नहीं डरते।

आखिर GDP की असली परीक्षा प्रेस विज्ञप्ति में नहीं, नौकरी, वेतन, खपत, कारोबार और परिवार की बचत में होगी।

आंकड़े उपलब्धि बता सकते हैं; जनता का अनुभव उसकी सच्चाई की गहराई तय करता है।

# भारत और बेल्जियम के बीच द्विपक्षीय व्यापार 5 साल में दोगुना करने पर बनी सहमति

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर, बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर 2 से लेकर 4 सितंबर तक भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं। बेल्जियम के प्रधानमंत्री के साथ वहां के रक्षा और विदेश व्यापार मंत्री थियो फ्रैंकेन और अधिकारियों और बिजनेस लीडर्स का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद है। फरवरी 2025 में पद संभालने के बाद यह प्रधानमंत्री डी वेवर का पहला भारत दौरा है।

पीएम मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों नेताओं ने पहले विश्व युद्ध के दौरान फ्लैंडर्स फील्ड्स में 9,000 से ज्यादा भारतीय सैनिकों के सबसे बड़े बलिदान को याद किया।

दोनों नेताओं ने यह भी याद किया कि बेल्जियम 1947 में भारत के साथ राजनयिक संबंध बनाने वाले पहले यूरोपीय देशों में से एक था। उन्होंने कहा कि तब से यह पार्टनरशिप साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आपसी भरोसे, आर्थिक पूरकता और लोगों के बीच मजबूत संबंधों की नींव पर फली-फूली है। नेताओं ने इस कई तरह के संबंधों को बढ़ाने और गहरा करने की इच्छा जताई। 2027 में बेल्जियम-भारत राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ दोनों देशों को आपसी संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का जश्न मनाने का एक और ऐतिहासिक मौका देगी। डायलॉग ने व्यापार और निवेश, ग्रीन ट्रांजिशन, तकनीक, संपर्क, रक्षा, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए नियमित और व्यापक सिस्टम बनाया है। दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर को सेंटर में रखकर सुधार वाले और प्रभावी बहुपक्षवाद की अपनी बात दोहराई। इसके साथ ही उन्होंने खास तौर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की तुरंत जरूरत पर जोर दिया। बेल्जियम ने सुधार वाली और बड़ी यूएनएससी की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी को फिर से अपना समर्थन दिया।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत-बेल्जियम संबंधों के लिए भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी की अहमियत की फिर से पुष्टि की। भारत और यूरोपीय संघ के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के मकसद से ईयू-भारत निवेश संरक्षण समझौता और भौगोलिक संकेत पर समझौते को लेकर बातचीत को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की गई। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने इसे समय पर लागू करने की मांग भी की।

### यूक्रेन ने भारत को 'ग्लोबल सुपरपावर' बताया

**कीव।** भारत को 'वैश्विक महाशक्ति' बताते हुए यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने गुरुवार को कहा कि कीव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया आह्वान का स्वागत करता है, जिसमें अंतहीन युद्ध से युद्ध के अंत की ओर बढ़ने की बात कही गई थी।

विदेश मंत्री सिबिहा ने यह टिप्पणी विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ अपनी बैठक के दौरान की, जो किसी भारतीय विदेश मंत्री की यूक्रेन की पहली समर्पित द्विपक्षीय यात्रा है। यूक्रेनी विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कीव में अपने भारतीय सहयोगी एस. जयशंकर का स्वागत करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

### रोहित के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को बीसीसीआई ने किया खारिज

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को अनुभवी सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर चल रही तमाम तरह की अटकलों को खारिज कर दिया। मुंबई में अपने हेडक्वार्टर में हुई हाई-लेवल परफॉर्मेंस रिव्यू मीटिंग के बाद बोर्ड ने कहा कि रोहित की फॉर्म अभी भी शानदार बनी हुई है।

बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने साफ किया कि हाल के विदेशी दौरों का विश्लेषण करने और वनडे वर्ल्ड कप 2027 के लिए रणनीति बनाने के लिए बोर्ड की बैठक के बाद पूर्व कप्तान की जगह सुरक्षित है। इस अहम रिव्यू मीटिंग में भारत के टी20 इंटरनेशनल कप्तान श्रेयस अय्यर, टेस्ट और

### एसटीपी घोटाला: पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को कोर्ट से जमानत, 2 लाख रुपये के मुचलके पर मिली राहत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को गुरुवार को जमानत दे दी। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) दिग्विनय सिंह ने जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें दो लाख रुपये के मुचलके और इतनी ही राशि के दो श्योरिटी जमा करने की शर्त पर जमानत दी। सत्येंद्र जैन को दिल्ली जल बोर्ड की एसटीपी परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने 18 अगस्त को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जमानत पर सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन ने दलील दी कि मामले में एफआईआर दर्ज होने के करीब 27 महीने बाद उनकी गिरफ्तारी की गई।

# विवादों के बीच मंत्री कोंडा सुरेखा कैबिनेट से बर्खास्त, चिन्ना रेड्डी भी पद से हटाए गए

एजेंसी ■ हैदराबाद

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को अनुशासनहीनता के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए वन, पर्यावरण और बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा को तत्काल प्रभाव से मंत्रिमंडल से हटा दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस संबंध में राज्यपाल को अपनी सिफारिश भी भेज दी है।

मुख्यमंत्री ने इसी के साथ तेलंगाना योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. जी. चिन्ना रेड्डी की नियुक्ति भी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। उनकी जगह गडवाल विजयलक्ष्मी को योजना बोर्ड का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा, नेरेला शारदा को तेलंगाना राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सदस्य जी. सुधा रानी को काकतिया अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (कुडा) का अध्यक्ष नियुक्त करने को भी मंजूरी दे दी गई है। सरकार ने इन नियुक्तियों से संबंधित आदेश जारी कर दिए हैं। कोंडा सुरेखा और चिन्ना रेड्डी पर कार्रवाई कांग्रेस की राज्य अनुशासन समिति की सिफारिश के बाद की गई। पार्टी नेतृत्व ने दोनों के खिलाफ अनुशासनहीनता के आरोपों को गंभीर मानते हुए सख्त कदम उठाने का फैसला किया। कोंडा सुरेखा अपनी बेटी सुष्मिता के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ दिए गए बयानों के बाद विवादों में घिर गई थीं। उन्हें जारी कारण बताओ नोटिस पर भी उन्होंने आपत्ति जताई थी और कहा था कि बेटी के व्यक्तिगत विचारों के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

यह फैसला कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल की सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ हुई अहम बैठक के बाद लिया गया। पिछले तीन दिनों से राज्य कांग्रेस नेतृत्व के साथ लगातार बैठकों का दौर चल रहा था।

बुधवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कोंडा सुरेखा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने अलग-अलग पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी।

### तीर तेवर — सागर कुमार

# मायावती ने आकाश आनंद को बताया अपरिपक्व, यूपी में नहीं दी कोई बड़ी जिम्मेदारी

एजेंसी ■ लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को पार्टी की आल इंडिया बैठक में पिछले दिये गये कार्यों की समीक्षा व उनकी कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही, हर वर्ष के सालाना होने वाली गतिविधियों के बारे में भी पार्टी के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों को दिये गये जरूरी दिशा-निर्देशों का पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ अनुपालन करने की भी सख्त हिदायत दी।

इस दौरान मायावती ने कहा कि बसपा बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर के 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' के आदर्श सिद्धांतों व उच्च आदर्शों को लेकर चलने वाली उनके 'आत्म-सम्मान व स्वाभिमान' के कारवां को सत्ता की मंजिल तक पहुंचाने के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समर्पित पार्टी एवं मूवमेंट है।

इसे लेकर कांशीराम ने उच्च वैज्ञानिक पद की अपनी सरकारी नौकरी भी छोड़ दी थी।

मायावती ने कहा कि कांशीराम ने अपने मां-बाप का घर, परिवार, रिश्तों-नातों को छोड़कर और अपना सब कुछ त्यागकर पूरा जीवन कड़ा संघर्ष करते रहे और मुझे भी खासकर शोषितों को जागरुक करने के लिए देश के कोने-कोने में भेजकर इस योग्य बनाया कि मैं उन्हीं के नक्शेकदम पर चलते हुए उनके अधूरे रहे कारवां को आगे बढ़ाने की पूरी त्याग व तपस्या में लगी रहूं। अन्तत: उन्होंने मुझे बसपा व बहुजन मूवमेंट का राजनीतिक उत्तराधिकारी भी बनाया। मैंने भी उनके जीते-जी ही काफी हद तक अच्छा रिजल्ट लाकर भी दिखाया और उनके संघर्ष को विनम्र श्रद्धांजलि के रूप में यूपी में पूर्ण बहुमत की बसपा सरकार बनाकर बहुजन मूवमेंट के मान-सम्मान को ऐतिहासिक व गौरवशाली भी बनाया, जो सबकी जुबान पर होने के साथ-साथ तथा यहां इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में भी दर्ज है।

# नए आपराधिक कानूनों को लागू करने में असम का सबसे अच्छा प्रदर्शन : सीएम सरमा

विश्व केसरी

**गुवाहाटी।** मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को कहा कि नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के मामले में असम सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक बनकर उभरा है। राज्य का अनुपालन स्कोर 92.16 प्रतिशत रहा, जबकि राष्ट्रीय औसत 74.86 प्रतिशत है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर, सीएम सरमा ने 1 जुलाई, 2024 को लागू हुए नए आपराधिक कानूनों ('न्याय संहिता') के बाद से असम के प्रदर्शन पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए कानूनी ढांचे को लागू करने में असम लगातार देश के अग्रणी राज्यों में शामिल रहा है। सीएम सरमा के अनुसार, राज्य ने नई आपराधिक न्याय प्रणाली को लागू करने से जुड़े कई अहम पैमानों पर 100 प्रतिशत अनुपालन हासिल किया है। उन्होंने बताया कि इनमें 'न्याय संहिता' को लागू करना और 'मॉडल नियमों' को अपनाना शामिल है।

असम ने 'इंटर-ऑपरेबल क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम' (आईसीजेएस) डेटा शेयरिंग मैट्रिक्स में भी पूर्ण अनुपालन दर्ज किया है, जो विभिन्न एजेंसियों और प्रणालियों के बीच आपराधिक न्याय से जुड़ी जानकारी के आदान-प्रदान को आसान बनाता है।

सीएम सरमा ने कहा कि राज्य ने 'नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम' (एनएएफआईएस) और 'मेडिको-लीगल एग्जामिनेशन एंड पोस्ट-मॉर्टम रिपोर्टिंग सिस्टम' में भी 100 प्रतिशत अनुपालन हासिल किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रगति तकनीक के अधिक उपयोग, एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और नए कानूनों के प्रावधानों का पालन करके आपराधिक न्याय वितरण प्रणाली को मजबूत करने के राज्य के प्रयासों को दर्शाती है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि पीड़ितों पर उचित ध्यान दिया जाए और मामलों को उनके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जाए।

सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए सीएम सरमा ने कहा, 'हर पीड़ित की बात सुनी जाती है, हर मामले को अंत तक आगे बढ़ाया जाता है, और हर नागरिक को समय पर न्याय मिलता है। तीन नए आपराधिक कानूनों; भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम; ने क्रमश: 1 जुलाई, 2024 से भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है, जो भारत के आपराधिक न्याय ढांचे में एक बड़ा बदलाव है।

असम सरकार का यह नवीनतम प्रदर्शन मूल्यांकन ऐसे समय में आया है, जब विभिन्न राज्यों में पुलिसिंग, जांच, अभियोजन और न्यायिक प्रक्रियाओं को नए कानूनी प्रावधानों के अनुरूप बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

# पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था को लेकर टीएमसी ने राष्ट्रपति और राज्यपाल से मांगा मिलने का समय

विश्व केसरी

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और राज्यपाल आर.एन. रवि से मुलाकात के लिए समय मांगा है। पार्टी ने गुरुवार को दोनों संवैधानिक पदों पर पत्र भेजकर मुलाकात का समय देने का अनुरोध किया।

टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि राष्ट्रपति और राज्यपाल को भेजे गए पत्र में राज्य में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और पार्टी कार्यालयों पर कथित हमलों की जानकारी देने के लिए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात का आग्रह किया गया है।

टीएमसी नेता के मुताबिक, राष्ट्रपति और राज्यपाल से समय मिलने के बाद पार्टी का प्रतिनिधिमंडल राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति और पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं पर कथित हमलों के मामलों को उनके सामने रखेगा। पार्टी का आरोप है कि इस साल विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सत्ता संभालने के बाद से इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

राष्ट्रपति और राज्यपाल से मिलने के लिए समय मांगने का फैसला टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के गुरुवार को किए गए सोशल मीडिया पोस्ट के बाद आया। अभिषेक बनर्जी ने अपने सेंट्रल कोलकाता स्थित कैमैक स्ट्रीट कार्यालय पर गुरुवार सुबह कथित तौर पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमले का वीडियो भी साझा किया। इसके कुछ देर बाद अभिषेक बनर्जी ने एक और सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि पिछले एक महीने के दौरान उनके दो कार्यालयों में तोड़फोड़ और सामान की लूटपाट की गई। इनमें पहला कार्यालय दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत अमतला में और दूसरा कैमैक स्ट्रीट स्थित कार्यालय है।

अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि पुलिस और भाजपा से जुड़े लोग न तो कानून की परवाह कर रहे हैं और न ही न्यायपालिका की। उन्होंने कहा कि यह अब केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं रह गया है, बल्कि कानून के शासन को खुली चुनौती देने जैसा है।

## संक्षिप्त खबरें

### बिहार में कोसी समेत आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर, बाढ़ से 13 जिले प्रभावित

विश्व केसरी

**पटना।** बिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। गुरुवार को आठ प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही थीं। गंगा, सोन, पुनपुन, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती और घाघरा नदियों में जल स्तर बढ़ गया है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। बाढ़ से 13 जिले प्रभावित हुए हैं और कई क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर के कारण लोगों को व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। पटना प्रशासन हाई अलर्ट पर है, क्योंकि गंगा, सोन और पुनपुन नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है। पटना में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। गांधी घाट पर गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 127 सेंटीमीटर ऊपर बह रहा है, जबकि दीघा घाट पर गंगा का जलस्तर 61 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। इससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है।श्रीपालपुर में पुनपुन नदी खतरे के निशान से लगभग 2.01 मीटर ऊपर बह रही है ।

### एसीबी ने तलाशी के बाद टीटीडी के उप कार्यकारी अधिकारी को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी

**तिरुपति।** आंध्र प्रदेश के भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के उप कार्यकारी अधिकारी (ईओ) मेंडू लोकनाथम को टीटीडी को आपूर्ति किए गए घी में कथित मिलावट की जांच के सिलसिले में उनसे जुड़े परिसरों की तलाशी के बाद गिरफ्तार कर लिया। एसीबी ने गुरुवार को लोकनाथम के घर, कार्यालय और अन्य परिसरों में तलाशी पूरी करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। टीटीडी अधिकारी को बाद में एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा। लोकनाथम वर्तमान में तिरुमाला मंदिर के उप कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। खबरों के अनुसार, उन्होंने पूर्व वाईएसआरसीपी सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया था। एसीबी अधिकारियों ने बुधवार को तिरुपति जिले में लोकनाथम से जुड़े चार परिसरों पर एक साथ छापेमारी की। उन्होंने संपत्ति संबंधी दस्तावेज, 12 लाख रुपये नकद, 2 किलो सोना, 6.5 किलो चांदी और अन्य सामग्री सहित सबूत जब्त किए। तिरुपति के पेद्दाकापु लेआउट स्थित लोकनाथम के आवास, उनकी पत्नी के भाइयों मुनिकृष्णा और रमेश के आवासों और येरपेडु मंडल में उनके छोटे भाई के घर पर तलाशी ली गई।

# चेन्नई में 20 लाख वर्गफूट में बनेगा नया सचिवालय, सी एम विजय

विश्व केसरी

**चेन्नई।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की ओर से चेन्नई में 20 लाख वर्गफुट में नया सचिवालय बनाने की घोषणा की गई है। विधानसभा में बोलते हुए सीएम ने कहा कि अगली सदी की प्रशासनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए चेन्नई में विधानसभा और सचिवालय वाला एक नया बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत 1,200 करोड़ रुपए होगी।

उन्होंने कहा कि फोर्ट सेंट जॉर्ज का निर्माण शुरू हुआ और 1644 में पूरा हुआ। 1652 में इसे प्रेसीडेंसी का दर्जा मिला और यह ब्रिटिश शासन के दौरान सत्ता का आधिकारिक केंद्र रहा। आजादी के बाद से इस भवन को लगातार तमिलनाडु सरकार के सचिवालय के तौर पर जाना जाता है। लगभग 400 साल से यह तमिलनाडु सरकार के प्रशासनिक केंद्र और राज्य की शासन विरासत के प्रतीक के तौर पर खड़ा है। लगभग 12 एकड़ में फैले इस कैंपस में सचिवालय के कामकाज के लिए तमिलनाडु सरकार के सीधे नियंत्रण में केवल 4 एकड़ जमीन उपलब्ध है।

सीएम विजय ने कहा कि क्योंकि बाकी हिस्सा भारत के रक्षा मंत्रालय और आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) के नियंत्रण में आता है, इसलिए सुविधाओं का विस्तार या अपग्रेड करना संभव नहीं है। अभी सचिवालय दो इमारतों से काम करता है। मुख्य सचिवालय की इमारत, जिसे मूल रूप से गवर्नर के आवास के तौर पर बनाया गया था, में अभी विधानसभा, मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के कार्यालय, वित्त विभाग और प्रशासन के अन्य महत्वपूर्ण विभाग स्थित हैं।

# जिला प्रमुख के पद बढ़े पर ओबीसी सीटें क्यों नहीं? राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

विश्व केसरी

**जयपुर।** राजस्थान हाईकोर्ट ने आगामी पंचायती राज चुनावों में जिला प्रमुख पदों के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षित सीटों की संख्या को चुनौती देने वाली याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है।

राधेराम गोदारा द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस अनूप ढांड की अध्यक्षता वाली बेंच ने राज्य सरकार और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सवाल उठाया कि जिला प्रमुख पदों की कुल संख्या बढ़ने के बावजूद ओबीसी के लिए आरक्षित जिला प्रमुख पदों की संख्या क्यों नहीं बढ़ी।

कोर्ट ने कहा कि 2020 में 33 जिला प्रमुख पदों में से 5 पद ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित थे, लेकिन कुल पदों की संख्या बढ़कर 41 होने के बाद भी ओबीसी आरक्षित पदों की संख्या 5 पर ही बनी हुई है। कोर्ट ने सरकार से स्पष्टीकरण मांगा कि ओबीसी प्रतिनिधित्व को आनुपातिक रूप से क्यों नहीं बढ़ाया गया।

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील को पंचायती राज विभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे एडिशनल एडवोकेट जनरल और सरकारी वकील को याचिका की एक कॉपी देने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। याचिकाकर्ता के वकील अरविंद शर्मा और आनंद शर्मा ने दलील दी कि जिलों के पुनर्गठन और नए जिलों के बनने के बाद जिला प्रमुख पदों की संख्या 33 से बढ़कर 41 हो गई है। कुल पदों की संख्या में वृद्धि के साथ लागू नियमों के तहत ओबीसी आरक्षण की फिर से गणना होनी चाहिए थी।

# पितृसत्ता की वकालत और महिला अधिकारों का ढोंग कर रहे राहुल गांधी: सीएम धामी

विश्व केसरी

**देहरादून।** उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने केरल के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबू बकर अहमद के बयान को महिला विरोधी बताते हुए उस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

सीएम धामी ने कहा कि हमारे देश में, संस्कृति में और हमारे शाष्त्रों में नारी को देवी का रूप कहा गया है। जहां नारियों का सम्मान होता है, जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवताओं का वास होता है। लेकिन कांग्रेस पार्टी के युवराज बार-बार कभी मनुस्मति की बात करते हैं तो कभी सनातन के विरूद्ध बोलते हैं। वह हर तरीके से सनातन को नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग सनातक की तुलना डेंगू और मलेरिया से करते हैं। राहुल गांधी अपनी पार्टी के नेताओं के ऐसे बयानों पर कोई स्पष्टीकरण नहीं देते हैं। अबू बकर के बयान को लेकर सीएम धामी ने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को इस तरह के बयानों पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने चुप्पी साध रखी है।

# किसान आत्महत्याओं पर जवाब दे सरकार, विजयेंद्र

विश्व केसरी

**रायचूर (कर्नाटक)।** भाजपा की 'बेल्लारी चलो' पदयात्रा गुरुवार को तीसरे दिन में प्रवेश कर गई। इसमें राज्य भाजपा अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कर्नाटक सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि दलितों के कल्याण के लिए आवंटित धनराशि को गारंटी योजनाओं के वित्तपोषण में लगाया जा रहा है और सरकार किसानों के बीच बढ़ती परेशानी को दूर करने में विफल रही है।

विजयेंद्र ने रायचूर में तीसरे दिन की पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा का अभियान पूरे राज्य में ध्यान आकर्षित कर रहा है और इसका उद्देश्य सरकार की विफलताओं और भ्रष्टाचार के साथ-साथ किसानों और आम लोगों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं को उजागर करना है।

विजयेंद्र ने आरोप लगाया, 'कांग्रेस दलितों और शोषित समुदायों का इस्तेमाल सिर्फ वोट बैंक के तौर पर कर रही है। दलितों के विकास के लिए आवंटित एससीएसपी-टीएसपी निधि का इस्तेमाल गारंटी योजनाओं के लिए किया जा रहा है।'

विजयेंद्र ने कहा कि उन्होंने बुधवार को दलित नेताओं के साथ एक बैठक की थी ।

, जिसमें शोषित समुदायों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई थी और मांग की थी कि दलित विकास के लिए आवंटित धनराशि का उपयोग विशेष रूप से उनके कल्याण के लिए किया जाए।

# बिहार छात्र आंदोलन के घायलों से मिले राहुल गांधी

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को बिहार छात्र आंदोलन में घायल हुए युवाओं से मुलाकात की। इस दौरान राहुल गांधी ने युवाओं के साथ खड़े रहने और उनकी हर संभव मदद करने का आश्वसन भी दिया।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार के उन छात्रों और युवाओं से मिला, जिन्होंने सिर्फ परीक्षा व्यवस्था में धांधली के खिलाफ आवाज उठाने पर भयंकर पुलिस बर्बरता झेली। उन्होंने कहा कि पुलिस की लाठियों, एके-47 और पिस्तौल से चली गोली ने कई छात्रों को घायल कर दिया। सेना में जाकर देश की सेवा करने की ख्वाहिश रखने वाले एक युवा का पैर एके-47 से गोली मारकर तोड़ दिया, साथ ही उनकी जिंदगी का सपना भी।

राहुल गांधी ने कहा कि ये युवा सिर्फ निष्पक्ष अवसर, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और अपने अधिकार मांग रहे थे। ऐसी मांग पर लाठियां और गोलियां चलाने की क्या जरूरत थी और इतनी बड़ी बर्बरता की जिम्मेदारी सिर्फ कुछ छोटे अधिकारियों पर डालकर सरकार बच नहीं सकती। यह कार्रवाई या तो ऊपर के आदेश का नतीजा है या फिर सत्ता की घोर नाकामी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि बिहार सरकार कुछ भी कर ले, मैं इन युवाओं के साथ खड़ा हूं। इनकी हर संभव मदद करने को तैयार हूं। भाजपा याद रखे, युवाओं की आवाज दबाने वाली हर सत्ता को एक दिन जनता के सामने जवाब देना पड़ता है। वह दिन अब दूर नहीं है।

वहीं, बिहार कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि आज नेता विपक्ष राहुल गांधी ने बिहार के उन छात्रों और युवाओं से मुलाकात की, जिन्होंने परीक्षा व्यवस्था में धांधली के खिलाफ आवाज उठाई और पुलिस की बर्बरता झेली। छात्रों की पीड़ा सुनी, उनके संघर्ष को समझा और हर कदम पर उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिया। बिहार के युवाओं की आवाज अब दबेगी नहीं। न्याय, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और युवाओं के अधिकार की लड़ाई जारी रहेगी।


**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर**
(जोन क्रं - 6)
-: : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID-rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35044./ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 35044**
**वार्ड का नाम 63 ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 63 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR455100078** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **BHIM LAL YADAV/RAM BHAROSA YADAV, SANTOSHI YADAV** पिता/पति श्री श्रीमती **UMEND YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **DURGA AGRAWAL** पिता/पति श्री श्रीमती **DINESH BIHARI AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPATH PATRA AND SHAHMATI PATRA** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर**
(जोन क्रं - 7)
: मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : :
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....35048 / न. पा. नि. जोन क्रं - 7/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 35048**
**वार्ड का नाम - 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715G00151** जो कीनिगम अभिलेख श्री / श्रीमती दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **UJ-BELANAND** के नाम से ने मृत्यु पिता / पति श्री / श्रीमती **LATE SUNDAR ATMANAND SURESH NAND** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LT. SUNDAR ATMA NAND** प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मलमा बिक्रीनामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी । जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर**
(जोन क्रं7)
: : मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : :
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....35047 / न. पा. नि. जोन क्रं -7/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 35047**
**वार्ड का नाम -38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715G00131** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **UJ BELANAND** पिता / पति श्री/श्रीमती **LT SUNDAR ATMANAND** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती फिरोन नन्द पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. सुंदर आत्मानन्द** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मलमा बिक्रीनामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दाबा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

**कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर**
(जोन क्रं - 1)
-:: संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर::-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....34949..../ न. पा. नि. जोन क्र 1/2026
रायपुर, दिनांक 02-09-2026

**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 34949**
**वार्ड का नाम 17-ठक्कर बापा वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR107D00263** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KANTA MANALI** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE SAN-TOSH MALANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **PUSHPA SHRI-VAS** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O RUPESH KUMAR SHRIVAS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

# दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए अधिक प्रयास जरूरी : राज्यपाल

## वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज

विश्व केसरी

**रायपुर ( संवाददाता )।** राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ में अभी और बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री सहज रूप से उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। तकनीक के माध्यम से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों तक शिक्षा पहुंचाने का वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ का प्रयास सराहनीय और अनुकरणीय है।

राज्यपाल डेका से आज लोक भवन में वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम छत्तीसगढ़ के सदस्यों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल ने टीम के सभी सदस्यों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। टीम की उपलब्धि को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किए जाने पर उन्होंने सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

### शारदा ने 1,800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कर चुकी

वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम द्वारा दृष्टिबाधित एवं सामान्य विद्यार्थियों के लिए 11 हजार से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस अभिनव अभियान की शुरुआत 5 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षिका सुश्री के. शारदा के नेतृत्व में हुई। शारदा स्वयं अब तक 1,800 से अधिक ऑडियो बुक्स तैयार कर चुकी हैं। उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के 30 शिक्षक-शिक्षिकाएं अपने नियमित शैक्षणिक दायित्वों के साथ इस कार्य में योगदान दे रहे

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए ऑडियो के माध्यम से अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और शिक्षा के समान अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों को और व्यापक बनाने की जरूरत है, ताकि अधिक से अधिक दृष्टिबाधित विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकें। वर्ल्ड ऑडियो बुक चैनल पर 107 से अधिक प्लेलिस्ट उपलब्ध हैं और इसे अब तक 8 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। टीम द्वारा विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम आधारित एवं उपयोगी अध्ययन सामग्री तैयार की जा रही है। इस अवसर पर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की छत्तीसगढ़ हेड डॉ. सोनल राजेश शर्मा सहित वर्ल्ड ऑडियो बुक टीम के सभी सदस्य उपस्थित थे।

# वीर छत्रपति शिवाजी स्कूल में विद्यार्थियों के अभिभावक हुए सम्मानित

विश्व केसरी

**रायपुर ( संवाददाता )।** किसी भी विद्यार्थी के परीक्षा में प्रावीण्य सूची में आने पर उनकी कड़ी मेहनत होती है, किन्तु उनके अभिभावक का भी बहुत योगदान व समर्पण होता है। अभिभावकों के इस योगदान व उनके प्रयासों को ध्यान में रखते हुए वीर छत्रपति शिवाजी स्कूल द्वार एक नवीन प्रयोग करते हुए बीते सत्र में वार्षिक परीक्षा में प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए अग्रसेन भवन, पुरानी बस्ती में 'अभिभावक सम्मान समारोह आयोजित किया

गया । माता पिता की मेहनत को समर्पित इस समारोह में डेढ़ सौ पालकों को सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाकर पालकों को अपने बच्चों के लिए और ज्यादा मेहनत करने की प्रेरणा मिली, इस अवसर पर मंच से बच्चों पर ध्यान देने

संबंधी विचार रखते हुए पालकों की आँखे छलक उठी।अपने वक्तव्य में अभिभावकों ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह पहला मौका है जब उनके बच्चों की उपलब्धियों के लिए पहली बार उन्हें सभी पालकों के

सामने सम्मानित किया जा रहा है। इस गरिमामयी समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता सच्चिदानंद उपासने थे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक व समाज सेवी डॉ. दिनेश मिश्रा ने की।

अतिथियों ने अपने संबोधन में सम्मानित होने वाले पालकों को बधाई देते हुए शिवाजी स्कूल द्वारा प्रारंभ की गई इस नवीन परंपरा को प्रशंसनीय बताया। उन्होंने कहा कि इससे पालक अपने बच्चों की पढ़ाई हेतु और ध्यान देंगे तथा अन्य विद्यार्थियों व पालकों को भी इससे और ज्यादा मेहनत करने की प्रेरणा मिलेगी। समारोह की खास बात यह रही कि पालकों ने जब मंच पर अपनी बात रखी तब उनकी आँखें यह कहते हुए भर आई कि उनके बच्चों के मेहनत के कारण पहली बार उन्हें इतने गौरवपूर्ण क्षण नसीब हुए हैं कि सभी पालकों के सामने इतना सम्मान प्राप्त हो रहा है। विद्यार्थियों मयंक मिश्रा, आमना रंगरेज़, अविका तिवारी, योग्या खंडेतमेहर, प्रियल यदु, हर्षिता सोनी, आयशा परवीन, हिमांशु सोनी, ऋषिकेश सोनी, हर्षिता गुप्ता, अनन्या यदु व लावन्या सिदार के अभिभावकों ने मंच से अपने विचार रखे। समारोह में स्कूल संचालक मुकेश शाह ने कार्यक्रम का उद्देश्य बताया जबकि स्वागत भाषण दिया प्राचार्या नफीसा रंगवाला ने। शिक्षिकाओं वैशाली शुक्ला, प्रीति शर्मा ने संपूर्ण कार्यक्रम का शानदार संचालन कर समां बांध दिया। स्कूल की प्रोफेसर कॉलोनी शाखा की प्राचार्या रशीदा फज़ली ने आमंत्रितो के प्रति आभार व्यक्त किया।

# शिक्षक दिवस पर मंत्री बंगले के बाहर 'न्याय सत्याग्रह' करेंगे टेट टीचर

विश्व केसरी

**रायपुर ( संवाददाता )।** छत्तीसगढ़ में टीईटी उत्तीर्ण 40,000 शिक्षकों का सब्र अब टूटने लगा है। टीईटी अर्हता के आधार पर चल रही शिक्षक पदोन्नति प्रक्रिया को बिना लिखित आदेश के मौखिक रूप से रोके जाने और सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रामक अफवाहों के खिलाफ टीईटी उत्तीर्ण शिक्षक कल्याण संघ ने मोर्चा खोल दिया है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश मिश्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने स्कूल शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव और संचालक लोक शिक्षण को ज्ञापन सौंपा। मांगें पूरी न होने पर तो शिक्षक दिवस के दिन नवा रायपुर स्थित शिक्षा मंत्री के बंगले के सामने प्रदेशभर के 40,000 शिक्षक न्याय सत्याग्रह' करेंगे।

**संघ की ये हैं 3 बड़ी मांगें : -**

अफवाहों पर आधिकारिक खंडन: सोशल मीडिया पर कुछ संगठनों द्वारा पदोन्नति प्रक्रिया रुकने का झूठा प्रचार किया जा रहा है, जिससे शिक्षकों का मनोबल गिर रहा है और प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। शासन इसका तत्काल आधिकारिक खंडन जारी करे।

मौखिक रोक हटे: बिना किसी सक्षम लिखित आदेश के संभागीय संयुक्त संचालकों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा वरिष्ठता सूची, दावा-आपत्ति एवं काउंसलिंग की प्रक्रिया को अटका कर रखा गया है, जो कि सेवा नियमों के सर्वथा विपरीत है।

समयबद्ध पदोन्नति: विभाग के सभी तय मापदंडों को पूर्ण करने वाले योग्य शिक्षकों को समय-सीमा तय कर तत्काल पदोन्नति आदेश जारी किए जाएं।

# जन्माष्टमी पर छत्तीसगढ़ में 750-800 करोड़ रुपए के कारोबार का अनुमान : कैट

विश्व केसरी

**रायपुर ( संवाददाता )।** देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर छत्तीसगढ़ के बाजारों में इस वर्ष व्यापक व्यापारिक गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) छत्तीसगढ़ के आकलन के अनुसार जन्माष्टमी के अवसर पर प्रदेश में लगभग 750 रुपए से 800 करोड़ रुपए के कारोबार की संभावना है। इसमें पूजा सामग्री, मिठाई एवं डेयरी उत्पाद, फूल एवं सजावट सामग्री, फल-सूखे मेवे, पारंपरिक परिधान, लड्डू गोपाल की मूर्तियां एवं श्रृंगार सामग्री, उपहार, धार्मिक आयोजन, होटल, परिवहन तथा अन्य सेवाओं से जुड़ा कारोबार शामिल है।

कैट के राष्ट्रीय वाईस चेयरमेन अमर पारवानी ने कहा कि जन्माष्टमी केवल आस्था और भक्ति का पर्व नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ के व्यापार और स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस पर्व के साथ बाजारों में खरीदारी बढ़ती है और इसका सीधा लाभ छोटे एवं मध्यम व्यापारियों, कारीगरों, स्थानीय उत्पादकों, दुग्ध व्यवसायियों, मिठाई कारोबारियों, फूल विक्रेताओं, परिवहन एवं सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को मिलता है। पारवानी ने कहा कि जन्माष्टमी के अवसर पर माखन-मिश्री, दूध, दही, पनीर एवं अन्य डेयरी उत्पादों तथा मिठाइयों की मांग विशेष रूप से बढ़ती है। इसके साथ ही फल, सूखे मेवे, प्रसाद सामग्री, पूजा सामग्री, धूप-अगरबत्ती, पंचामृत, पूजा किट, फूल-मालाएं, बंदनवार, झूले, लड्डू गोपाल की मूर्तियां, मुकुट, बांसुरी, मोरपंख, आभूषण तथा विशेष परिधानों की बिक्री में भी तेजी आती है।

जन्माष्टमी का कारोबार केवल बाजारों तक सीमित नहीं रहता। प्रदेशभर में मंदिरों, धार्मिक स्थलों और सामाजिक संस्थाओं द्वारा आयोजित झांकियों, भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं अन्य आयोजनों से भी बड़ी आर्थिक गतिविधि उत्पन्न होती है।

# जन्माष्टमी पर भक्ति में डूबेगा दुर्गूकोदल

विश्व केसरी

**दुर्गूकोदल ( सीताराम शर्मा )।** भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने वाला पावन पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इस वर्ष 4 सितंबर को पूरे दुर्गूकोदल अंचल में उत्साह, उमंग और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। जन्माष्टमी को लेकर क्षेत्र के मंदिरों, धार्मिक स्थलों और घरों में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर विशेष उत्साहित नजर आ रहे हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि के समय हुआ था। इस कारण जन्माष्टमी के पर्व पर अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का विशेष महत्व माना जाता है। इस वर्ष भी जन्माष्टमी के अवसर पर अष्टमी तिथि के साथ रोहिणी नक्षत्र का संयोग बनने के कारण पर्व को धार्मिक दृष्टि से विशेष एवं शुभ माना जा रहा है।

पंडित तामेश्वर प्रसाद तिवारी ने बताया कि जन्माष्टमी के दिन श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के प्रति आस्था रखते हुए व्रत एवं उपवास करते हैं। दिनभर धार्मिक अनुष्ठान और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की जाती है। इसके बाद रात्रि में शुभ मुहूर्त पर भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जाता है। मध्यरात्रि में जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का समय होता है, मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर 'नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठता है। जन्माष्टमी को लेकर अंचल में लोग अपने-अपने स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं। घरों में भगवान श्रीकृष्ण की झांकियां सजाने, पूजा स्थल को आकर्षक रूप देने तथा बाल गोपाल के लिए विशेष श्रृंगार की तैयारियां की जा रही हैं। मंदिरों में भी साफ-सफाई, सजावट और पूजा-अर्चना की तैयारियां चल रही हैं। कई स्थानों पर भजन-कीर्तन, धार्मिक कार्यक्रम एवं कृष्ण जन्मोत्सव से जुड़े आयोजन किए जाने की तैयारी है।

# छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के मामले बढ़े, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर

विश्व केसरी

**रायपुर ( संवाददाता )।** छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के बढ़ रहे मामले, रायपुर सबसे ज्यादा छत्तीसगढ़ में H1N1 स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। प्रदेश में संक्रमित मरीजों की संख्या अब करीब 170 तक पहुंच गई है। पिछले 24 घंटे के दौरान ही 7 नए मरीजों की पहचान हुई है। संक्रमण का दायरा लगातार बढ़ने के बाद स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन ने अस्पतालों को सतर्क रहने तथा इलाज की तैयारियां मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। राजधानी रायपुर इस समय स्वाइन फ्लू से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में शामिल है। जिले में अब तक 73 लोगों में संक्रमण की पुष्टि होने की जानकारी सामने आई है। प्रदेश के कुल 19 जिलों तक संक्रमण पहुंचने के बाद स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है।

### रायपुर में बढ़ाई जा रही अस्पतालों की तैयारी

राजधानी में बढ़ते मामलों को देखते हुए जिला अस्पताल सहित स्वास्थ्य संस्थानों में व्यवस्थाएं मजबूत करने की तैयारी की जा रही है। जरूरत पड़ने पर संक्रमित मरीजों को अलग रखकर उपचार देने के लिए आइसोलेशन वार्ड और बेड की संख्या बढ़ाई जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग का फोकस संक्रमण की जल्द पहचान, मरीजों की निगरानी और गंभीर मामलों के लिए पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने पर है।

# कैलाश खेमानी को फाडा जनरल काउंसिल मेंबर की मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

विश्व केसरी

**रायपुर ( संवाददाता )।** रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) के उपाध्यक्ष एवं सिटी होंडा, रायपुर के संचालक कैलाश खेमानी जी को फाडा का जनरल काउंसिल मेंबर बनाया गया है।

एफएडीए के जनरल काउंसिल में कुल 40 सदस्य होते हैं फाडा में छत्तीसगढ़ के फोर व्हीलर, कमर्शियल व्हीकल एवं ट्रेक्टर डीलर्स मिला कर कुल 257 सदस्य है और रायपुर में राडा के 97 सदस्य हैं जिनका प्रतिनिधित्व करने के लिए रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसियेशन ने कैलाश खेमानी का नाम फाडा के जनरल काउंसिल मेंबर के लिए प्रस्ताव भेजा था। कैलाश खेमानी रायपुर के प्रतिष्ठित होंडा टू व्हीलर व्यवसायी होने के साथ-साथ राडा के सक्रिय एवं समर्पित पदाधिकारी हैं। एसोसिएशन में बोर्ड सदस्य एवं उपाध्यक्ष के रूप में उन्होंने ऑटोमोबाइल

व्यवसायियों के हितों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सक्रियता से कार्य किया है। उनके योगदान की सराहना रायपुर के ऑटोमोबाइल व्यवसायियों द्वारा लगातार की जाती रही है।

राडा द्वारा आयोजित ऑटो एक्सपो के सफल आयोजन में भी कैलाश खेमानी जी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने आयोजन की तैयारियों, डीलर्स के समन्वय तथा विभिन्न व्यवस्थाओं में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए ऑटो एक्सपो को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके इस समर्पण एवं कार्यकुशलता के लिए राडा द्वारा उन्हें कई अवसरों पर सराहा गया है। खेमानी सदैव नए कार्यों एवं नवाचारों के माध्यम से ऑटोमोबाइल व्यवसायियों के हितों को प्राथमिकता देते रहे हैं। वे एसोसिएशन एवं व्यवसायियों से जुड़े विषयों को संबंधित विभागों एवं शासन-प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने तथा सरकार और ऑटोमोबाइल व्यवसायियों के बीच एक सशक्त सेतु एवं समन्वयक की भूमिका निभाने के लिए जाने जाते हैं। राडा को विश्वास है कि फाडा जनरल काउंसिल में कैलाश खेमानी जी की सहभागिता से छत्तीसगढ़ एवं विशेष रूप से रायपुर के ऑटोमोबाइल डीलर्स की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी। उनके अनुभव, सक्रियता एवं नेतृत्व क्षमता का लाभ फाडा तथा देशभर के ऑटोमोबाइल डीलर्स को मिलेगा। रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कैलाश खेमानी को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी।

# डिजिटल युग में सुरक्षित रहने के लिए जागरूकता एवं सतर्कता अत्यंत आवश्यक : रामविचार नेताम

विश्व केसरी

**रायपुर ( संवाददाता )।** इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आज यहां छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा साइबर क्राइम के संबंध में जन जागरूकता उत्पन्न करने हेतु संचालित 'साइबर जागृति अभियान' के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ शासन में कृषि विकास, किसान कल्याण तथा आदिम जाति मंत्री रामविचार नेताम इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे तथा पुलिस कमिश्नर रायपुर डॉ. संजीव शुक्ला ने

कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यशाला के दौरान छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारियों द्वारा कृषि विश्वविद्यालय के प्रध्यापकों एवं विद्यार्थियों को साइबर क्राइम के विभिन्न पहलुओं, साइबर ठगी के विविध रूपों तथा इनसे सुरक्षा हेतु अपनाए जाने वाले एहतियातों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा राज्य में साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण हेतु 15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026 तक 'साइबर जागृति अभियान' संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत स्कूल कॉलेजों के विद्यार्थियों, बैंक खाता धारकों, आम नागरिकों, वरिष्ठ नागरिकों आदि को साइबर अपराध तथा उससे बचाव हेतु जागरूक किया जा रहा है।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रामविचार नेताम ने कहा कि पूरे देश में साइबर अपराध एवं साइबर ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा प्रदेश के नागरिकों को साइबर अपराध में प्रति सचेत करने के लिए 'साइबर जागृति अभियान' चलाया जा रहा है। उन्होंने इसके लिए छत्तीसगढ पुलिस की तारीफ की तथा अभियान की सफलता हेतु शुभकामनाएं दीं।

# आपात स्थिति में कार्रवाई के लिए पुलिसकर्मियों एवं कर्मचारियों को किया गया प्रशिक्षित

विश्व केसरी

**रायपुर ( संवाददाता )।** पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भापुसे) के निर्देशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री योगेश साहू के मार्गदर्शन में पुलिस पेट्रोल पंप कांकेर में अग्नि सुरक्षा एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के संबंध में विशेष मॉकड्रिल कार्यक्रम आयोजित किया गया। पेट्रोल पंप जैसे संवेदनशील एवं ज्वलनशील पदार्थों से संबंधित स्थानों पर अग्नि सुरक्षा को लेकर कर्मचारियों की सतर्कता एवं तैयारियों को मजबूत करना इस प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य

रक्षित निरीक्षक एवं यातायात प्रभारी दीपक साव के नेतृत्व में यातायात शाखा, वाहन शाखा एवं पुलिस पेट्रोल पंप के कर्मचारियों को नगर सेना की फायर सेफ्टी टीम कांकेर एवं बरखा फायर एंड सेफ्टी सर्विस, दुर्ग की टीम द्वारा अग्नि सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी दी गई।

**अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण के दौरान दी गई महत्वपूर्ण जानकारी:-** अचानक आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय तत्काल स्थिति का आकलन कर सुरक्षित तरीके से कार्रवाई करने के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। आग के स्रोत की पहचान, आग के प्रकार एवं उपलब्ध अग्निशमन संसाधनों के अनुसार आग पर नियंत्रण पाने के उपाय बताए गए।फायर एक्सटिंग्विशर के सही उपयोग की विधि का प्रायोगिक प्रदर्शन कर कर्मचारियों से आवश्यक अभ्यास कराया गया। आग लगने की स्थिति में आसपास मौजूद लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाने तथा अनावश्यक भीड़ एकत्रित नहीं होने देने के संबंध में जानकारी दी गई।पेट्रोल, डीजल एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थों के कारण आग तेजी से फैलने की संभावना को देखते हुए सुरक्षित दूरी बनाए रखने, आग के क्षेत्र को खाली कराने एवं तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना देने के संबंध में समझाइश दी गई।

## संपादकीय

# छत्तीसगढ़ में जन्माष्टमी का लोक रूप: आठे कन्हैया

आचार्य ललित मुनि

'आठें कन्हैया' नाम सुनते ही कृष्ण जनमाष्टमी की मन में एक सहज-सी तस्वीर उभरती है। घर की साफ की गई दीवार पर बनी नाव खेती हुई आठ छोटी छोटी मानवाकृतियाँ । कहीं चार-चार की दो कतारें, कहीं एक ही पांत में आकृतियां। उनके आसपास रंगों की हल्की सजावट और सामने पूजा की तैयारी। ये चित्र किसी बड़े कलाकार की कूची से नहीं बनते। गांव की महिलाएं इन्हें अपने हाथों से बनाती हैं। यही इनकी सबसे बड़ी खूबसूरती है।

जन्माष्टमी देश के दूसरे हिस्सों में भी पूरे उत्साह से मनाई जाती है। मंदिर सजते हैं, झांकियां निकलती हैं, कृष्ण को झूला झुलाया जाता है और आधी रात उनके जन्म का उत्सव होता है। 'आठें कन्हैया' नाम की अपनी सरल व्याख्या है। कृष्ण देवकी की आठवीं संतान थे और उनका जन्म भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी को हुआ था। आठवीं संतान और अष्टमी, दोनों का संबंध लोक की स्मृति में इस तरह जुड़ा कि कृष्ण के जन्म का यह पर्व 'आठें कन्हैया' कहलाने लगा। लोक ने पौराणिक कथा को अपने शब्द दिए और फिर उसे अपने जीवन का हिस्सा बना लिया।

लेकिन इस नाम को अर्थ देने वाली चीज केवल शब्द नहीं, वे आठ आकृतियां हैं जो दीवार पर बनाई जाती हैं। कभी-कभी किसी परंपरा को समझने के लिए उसके बड़े अनुष्ठानों से ज्यादा उसके छोटे संकेतों को देखना पड़ता है। आठें कन्हैया में भी यही बात है। दीवार पर बनी आकृतियां कृष्ण जन्म की कथा को दृश्य रूप देती हैं। बच्चे उन्हें देखकर पूछते हैं, बड़े उन्हें कथा सुनाते हैं और इस तरह त्योहार एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचता रहता है। यहीं से लोक और पुराण का मिलन होता है।

कृष्ण की जन्मकथा अपने आप में बड़ी मार्मिक है। मथुरा के कारागार में देवकी और वसुदेव, कंस का भय, सात संतानों की मृत्यु और आठवीं

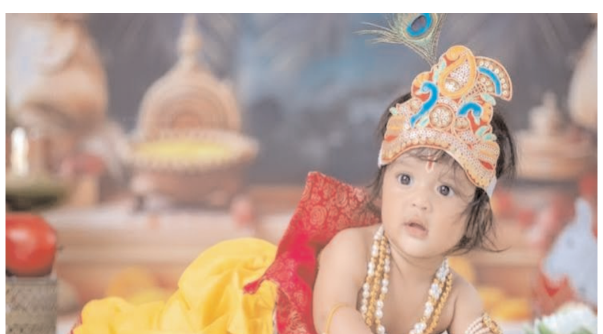

संतान के रूप में कृष्ण का जन्म। फिर आधी रात वसुदेव का नवजात कृष्ण को लेकर यमुना पार करना और गोकुल पहुंचना। यह कथा शास्त्रों में अपने विस्तार के साथ मौजूद है, लेकिन लोक उसे अपने अनुभव के करीब ले आता है।

छत्तीसगढ़ी लोकगीतों में कृष्ण जन्म की रात का अपना ही चित्र मिलता है। कहीं देवकी की ममता है, कहीं वसुदेव की चिंता, कहीं कारागार का अंधेरा और कहीं बाहर बरसती वर्षा। संस्कृत के श्लोकों में कही गई कथा जब छत्तीसगढ़ी बोली में गाई जाती है तो वह सुनने वाले के घर की कथा लगने लगती है। यही लोक की विशेषता है। वह किसी कथा को केवल सुरक्षित नहीं रखता, उसे अपने जीवन में फिर से रचता है।

आठें कन्हैया की एक खास बात उसके चित्रों में इस्तेमाल होने वाले रंग भी हैं। परंपरागत रूप से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री से रंग तैयार करने की बात मिलती है। चूड़ी रंग एवं वनस्पतियों के पत्तों के निकले रंग से चित्र बना दिये जाते हैं। बाजार से रंग खरीदने की सुविधा नहीं थी, इसलिए आसपास की प्रकृति ही रंगों का स्रोत बनती थी।

यह केवल रंग बनाने की तरकीब नहीं थी। इसके पीछे अपने परिवेश को पहचानने का अनुभव था। कौन-सी चीज से रंग निकलेगा, किसे पीसना है, किसे घोलना है, कौन-सा रंग दीवार पर टिकेगा, यह सब किताब से नहीं सीखा जाता था। घर की बड़ी महिलाएं जानती थीं और अगली पीढ़ी उनके हाथ देखकर सीखती थी। इसलिए आठें कन्हैया को लोकभित्तिचित्र की परंपरा के साथ-साथ लोक ज्ञान के रूप में भी देखा जा सकता है।

इन चित्रों में कहीं-कहीं नाव और पतवार भी दिखाई देती हैं। इसकी संगति कृष्ण जन्म की उस कथा से बैठती है जिसमें वसुदेव नवजात कृष्ण को लेकर यमुना पार करते हैं। लोक ने कथा के इस प्रसंग को भी अपनी चित्रभाषा में जगह दी। लिखित शब्दों के बिना कहानी कह देने की यह क्षमता लोकचित्रों की अपनी विशेषता है।

कृष्ण का छत्तीसगढ़ी लोकजीवन से रिश्ता यहीं खत्म नहीं होता। कृष्ण यहां केवल देवकी-वसुदेव के पुत्र या मथुरा के राजकुमार नहीं हैं। वे ग्वालबालों के साथी हैं। गाय-बछड़ों के बीच रहने वाले कन्हैया हैं। दूध-दही और माखन की बाललीला वाले कृष्ण हैं। ग्रामीण जीवन में यह रूप अधिक सहजता से समाहित हो जाता है।

# दिल्ली को पूरा देश समझने की भूल

अनिल विभाकर

जो सिर्फ दिल्ली को ही पूरा देश समझते हैं उनका हश्र बहुत बुरा होता है। जेन- जी के स्वयंभु नेताओं ने ऐसी ही भूल की जिसका खामियाजा अब उन्हें जगह- जगह भुगतना पड़ रहा है। राजस्थान की राजधानी जयपुर के पास बगरू के रामपुरा गांव में स्कूल का निरीक्षण करने गये काकरोच जनता पार्टी के नेता आशुतोष रांका और उसके समर्थकों को वहां के ग्रामीणों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा और गांव से खदेड़ दिया। अपने 'स्कूल ठीक करो ' अभियान के तहत वे सब वहां स्कूल का निरीक्षण करने गये थे। महाराष्ट्र सहित कुछ अन्य राज्यों में भी अभिजीत दीपके और उसके समर्थकों को इसी तरह भारी जनविरोध और आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है। काकरोच नेताओं के विरुद्ध देश में यह जनाक्रोश दिल्ली को ही पूरा देश समझ लेने की उनकी भूल का दुष्परिणाम है। दिल्ली में नीट पेपर लीक के बहाने युवकों को भड़का कर जेन -जी नेताओं ने भीड़ जुटा कर जिस तरह की हिंसा और अराजकता का प्रदर्शन किया , देश के आम लोगों को यह न्यायोचित नहीं लगा। जंतर-मंतर पर अभिजीत दीपके और उसके समर्थकों के सामने अराजकता का खुला प्रदर्शन , अश्लील और देश विरोधी लगे नारे की आम जनता में तीखी प्रतिक्रिया हुई। जंतर-मंतर पर आतंकवादी और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल शर्जील इमाम और उमर खालिद की रिहाई तथा जम्मू - कश्मीर में धारा 370 की पुनर्बहाली के लगे नारे भी आमजन के गले नहीं उतरे। यह आंदोलन तो नीट पेपर लीक के विरोध में था मगर ऐसे नारों से देश भर में यह संदेश गया कि नीट पेपर लीक के बहाने भीड़ जुटा कर काकरोच जनता पार्टी भारत को बंगलादेश और नेपाल बनाना चाहती है। नीट पेपर लीक के नाम पर दिल्ली में हजारों की भीड़ जुटाने में मिली सफलता से अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को यह भ्रम हो गया कि दिल्ली ही पूरा देश है। जेन -जी के इन स्वयंभु नेताओं को यह आभास ही नहीं हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी को दी गई अश्लील गालियों, देशविरोधी नारों, उपद्रव और अराजकता की देश भर में तीखी प्रतिक्रिया हो रही है। दिल्ली में जुटी अराजक भीड़ से उत्साहित काकरोच नेताओं को यह लगा कि वे रातोंरात जननेता हो गये मगर महीना भी नहीं बीता कि उनके चेहरे का नकाब उतर गया। देश के बहुसंख्य लोगों को बहुत जल्द यह समझ में आ गया कि नीट पेपर लीक तो सिर्फ एक बहाना है। काकरोच नेता वास्तव में अमेरिका और डीप स्टेट के मोहरे हैं और वे देश विरोधी अंतर्राष्ट्रीय साजिश में शामिल हैं। आश्चर्य तो यह कि आम चुनावों में लगातार मात खा रहे यहां के विपक्षी दल और उनके छात्र संगठन भी इसमें उनके साथ हो गये।

दरअसल कोकरोच जनता पार्टी को छात्रों और जेन- जी से कोई लेना-देना है नहीं। वह तो जेन- जी का इस्तेमाल कर देश को अराजकता की आग में झोकना चाहती है। झारखंड की राजधानी रांची में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में धांधली के विरोध में छात्र लगभग महीने भर अनशन और शांतिपूर्ण धरना - प्रदर्शन करते रहे मगर इन स्वयंभु जेन- जी नेताओं ने इस ओर झांकने की जरूरत तक नहीं समझी। केरलम , पंजाब और कर्नाटक में भी पेपर लीक के विरोध

में युवा आंदोलन करते रहे , दीपके और उसकी मित्र मंडली इनमें से किसी राज्य में नहीं गई । इस सम्बंध में मीडिया के सवालों से दीपके सहित सभी कोकरोच नेता लगातार पल्ला झाड़ते नजर आये। इसकी वजह यह है कि इन राज्यों में गैर भाजपा दलों की सरकारें हैं वे दल जंतर-मंतर पर सीजेपी के आंदोलन में संसद से लेकर सड़क तक शामिल थे। इससे स्पष्ट है कि कोकरोच जनता पार्टी के नेता दीपके को जेन- जी और छात्रों की समस्या से कोई मतलब नहीं। उसे तो सिर्फ किसी न किसी बहाने केन्द्र की मोदी सरकार को अस्थिर करना है।

झारखंड की राजधानी रांची में छात्रों के शांतिपूर्ण धरना - प्रदर्शन पर 10 अगस्त को पुलिस ने जिस तरह सख्त कार्रवाई की , हेमंत सरकार की पुलिस ने कंटीले तार से घेराबंदी कर निहत्थे प्रदर्शनकारियों पर जिस तरह लाठीचार्ज किया , पानी की बौछार और आंसू गैस छोड़ी यह पूरे देश ने देखा। संसद में घुसने की कोशिश कर रहे हिंसक प्रदर्शनकारियों पर दिल्ली में सुरक्षा बलों ने जैसी कार्रवाई की , रांची में पुलिस कार्रवाई उससे भी सख्त थी। दिल्ली में प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए कंटीले तार की घेराबंदी नहीं की गई थी मगर रांची में तो कंटीले तार से घेराबंदी कर शांतिपूर्ण छात्रों और प्रदर्शन करने वालों को बेरहमी से पीटा गया। रांची पुलिस ने अब तक छह सौ प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की है जिनमें सौ छात्रों पर तो नामजद एफआईआर है। हद तो यह कि इस आंदोलन के समर्थन में महीने भर से अनशन कर रहे देवेन्द्र नाथ महतो को कांग्रेस के समर्थन से चल रही झामुमो सरकार ने सदर अस्पताल के आईसीयू में कैद कर उनकी पिटाई भी की। देवेन्द्र महतो का अपराध बस इतना था कि वे स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को हाथ में तिरंगा ले अस्पताल से तिरंगा रैली में शामिल होना चाहते थे। उन्होंने अस्पताल से बाहर जाने की कोशिश की तो पुलिस ने बाहर जाने से रोक दिया और वहां आईसीयू में ही लात-घूंसे और लाठी से उनकी पिटाई की। सरकार और पुलिस का ऐसा कृत्य तो दमनात्मक कार्रवाई की पराकाष्ठा है। झारखंड से आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज की अब भी रह- रह कर खबरें आ रही हैं। वहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राहुल गांधी का पुतला तक उन्हें फूंकने नहीं दिया जा रहा। दीपके और उसके समर्थन में खड़ी पार्टियां इस पर चुप हैं। उनसे सवाल पूछने पर वे तरह - तरह के कुतर्क दे हेमंत सोरेन सरकार के बचाव करते नजर आते हैं। काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी ) के नेता उन राज्यों में अब तक नहीं गये जहां कांग्रेस, झामुमो और आम आदमी पार्टी की सरकारें हैं। सीजेपी अपना ' स्कूल ठीक करो ' अभियान भी भाजपा शासित राज्यों में ही चला रही है। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, झारखंड और केरलम की ओर तो अब तक उसने झांकने की जरूरत नहीं समझी। 'स्कूल ठीक करो ' अभियान के तहत काकरोच नेता स्कूलों का निरीक्षण करने वैसे पहुंचते हैं जैसे वे कोई सरकारी अधिकारी हों। पहली बात तो यह कि बिना सरकारी अनुमति के स्कूल का निरीक्षण करने का किसी को अधिकार नहीं। बावजूद इसके वे स्कूलों में निरीक्षण करने जा रहे और अधिकारियों जैसा तेवर दिखा रहे। इसलिए जगह- जगह उन्हें आम लोगों का विरोध झेलना पड़ रहा है।

सीजेपी ने अब जंतर-मंतर सीजन -2 शीघ्र शुरू करने की घोषणा की है । मगर लगता है कि सीजेपी नेताओं को बहुत जल्द यह सद्बुद्धि आ गई और उन लोगों ने दिल्ली में 05 सितंबर को इंडिया गेट पर प्रदर्शन करने का कार्यक्रम रद्द कर दिया। दरअसल काकरोच नेताओं ने इंडिया गेट पर प्रदर्शन के लिए 05 सितंबर की तारीख दिल्ली में अव्यवस्था उत्पन्न कर दुनिया में भारत की छवि धूमिल करने के लिए तय की थी। दिल्ली में 12-13 सितंबर को ब्रिक्स देशों का सम्मेलन होने वाला है जिसमें रूस के राष्ट्रपति पुतिन, चीन के राष्ट्रपति सी जिन पिंग सहित कई देशों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री आने वाले हैं। सीजेपी इस दौरान दिल्ली में अव्यवस्था उत्पन्न कर दुनिया में भारत की छवि खराब करना चाहती थी। कुछ वर्ष पहले दिल्ली के शाहीनबाग में इसी तरह भारत की छवि खराब करने के लिए धरना - प्रदर्शन किया गया था। उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप नई दिल्ली की यात्रा पर थे। शाहीनबाग में महीनों चले धरना - प्रदर्शन में जो लोग शामिल थे, सीजेपी के जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन में वही लोग सक्रिय थे। जेन -जी के स्वयंभु नेताओं में से दीपके सहित अधिकतर नेता अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी में सक्रिय रहे हैं। आम आदमी पार्टी की छवि जनता में बहुत खराब हो चुकी है। दिल्ली के लोगों ने अरविंद केजरीवाल को दस साल से अधिक समय तक आजमा कर देख लिया। आम आदमी पार्टी से दिल्ली की जनता काफी निराश हुई। इसलिए दिल्ली विधान सभा चुनाव में केजरीवाल भी हार गए और उनकी पार्टी भी। काठ की हांडी दुबारा चढ़ती नहीं। पंजाब में इस समय आम आदमी पार्टी की सरकार है जहां अगले साल चुनाव होने वाला है। इसलिए आम आदमी पार्टी सीजेपी को आगे कर यह जेन- जी आंदोलन करवा रही है ताकि पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को इसका लाभ मिल सके और भाजपा वहां चुनाव जीतने न पाये।

# एससी एसटी अत्याचार अधिनियम के तीन दशक बाद कितने बदले हालात

डॉ.संजीव कुमार

आज़ादी पूर्व भारत में किस प्रकार से अस्पृश्य जातियां के साथ बर्ताव किया जा रहा था इस बात का जिक्र करने की आवश्यकता नहीं है. फिर भी जिन्हें खोखले बयान बाजी करनी है उन्हें चाहिए कि एक बार गोलमेज सम्मेलन जरूर पढ़ें . आज बहुत से बेतुके लोग सोशल मीडिया तथा समाज में बयान बाजी करते फिरते हैं कि जब दलितों को हजारों साल पानी नहीं मिला तो वह जिंदा कैसे हैं मेरी सलाह है की इतिहास का ज्यादा पन्ना पलटने की उन्हें जरूरत नहीं वे बस गोलमेज सम्मेलन में शामिल तत्कालीन राजनीतिज्ञों को पढ़े .यह वही गोलमेज सम्मेलन है जहां डॉ. अंबेडकर ने अस्पृश्यता पर सब की बोलती बंद कर दी थी और विश्व भर में आपके झूठे हिंदूत्ववाद की धज्जियाँ उड़ा दी थी. हिंदुओं के बीच छुपे हुए झूठे सड़ांध दुनिया के सामने खोलकर रख दिया था.

आजाद भारत में समानता लाने के लिए कानून में बहुत सारे प्रावधान किए गए जिससे पिछड़े और शोषित समाज को मुख्य धारा में लाया जा सके. कानून के इन्हीं मुख्य धाराओं और प्रावधानों की वजह से सामंतवादियों का वह जत्था जो शोषण करना, जुल्म करना और दूसरों पर अत्याचार करना अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझता था. जो दूसरों के सुदखोरी और बेगारी पर जातीय दम्भ के कारण शासन करता था अब उसे कानून की यह नीतियां नागवार गुजर रही थी. उसे यह बर्दाश्त नहीं था कि जो समाज उसके आगे घुटने टेके हुए जिंदा गिड़गिड़ा रहा था अब वह उनके आंखों में आंखें मिलाकर बात करना चाहता है. अब तक वे मजदूर जातियों को जैसे रखना चाहते थे वैसे रखने में कामयाब थे लेकिन आजाद भारत में संवैधानिक अधिकारों की वजह से उन्हें अपनी जमींदारी, सामंती, वर्णवादी व्यवस्था टूटती हुई दिखाई दे रही थी जिसे वे आसानी से अपने हाथ से निकलता हुआ नहीं देख सकते थे. और फिर शुरू होती है मुफ्तखोर तथा कामगार जातियों के बीच संघर्ष.इस संघर्ष के कुछ उदाहरण यहाँ रख रहा हूँ .

एक-इसका सबसे बड़ा उदाहरण तमिलनाडु में हुए 1968 का वह नरसंहार हैं जिसने आजाद भारत की आत्मा को लहू -लुहान कर दिया था. जिसे दुनिया भर में आज किलवेनमणि नरसंहार के नाम से जाना जाता है.बात मात्र कुछ रुपए मजदूरी बढ़ाने की थी. पर यह जमींदारों को इतना नागवार गुजरा कि उन्होंने दलितों के इस 'जुर्रत' की ऐसी भयानक सजा देने की ठानी ताकि देश का कोई गरीब कभी भी किसी सामंती के खिलाफ आवाज ना उठा सके.200 बंदूकधारी,लठैत 25 दिसंबर की आधी रात में पूरी झोपड़ियों की बस्ती को घेर लेते हैं और सबको घसीटकर- पीटकर जिंदा जलाकर मार देते हैं. दो--आपातकाल के बाद बिहार की राजधानी पटना के समीप बेलछी गांव में 27 मई 1977 को भूमि विवाद के चलते गांव के सामंती और जमींदार लोगों ने 11 दलितों को भूमि विवाद में हाथ पैर बांधकर जिन्दा जला दिया था. इस घटना ने तत्कालीन राजनीति में भूचाल ला दिया था. माना जाता है कि इसी घटना की वजह से इंदिरा गांधी फिर राजनीति में वापसी कर पाई थी. तीन-इस घटना के 3 साल बाद 18 नवम्बर 1981 उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के दिहुली गाँव में 24 से ज्यादा दलितों को डकैतों की एक टीम ( जिसमें सभी उच्च वर्ग के लोग शामिल थे ) ने अपने खिलाफ कुछ जाटवों के गवाही देने की वजह से दिनदहाड़े गोलियों से छलनी कर हत्या कर दी थी. बता दूँ कि फूलन देवी के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना भी इसी दौर में हुई थी और ओमप्रकाश वाल्मीकि की मशहूर कविता ठाकुर का कुआं भी इसी दौर में लिखी गई थी। चार- आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में करमचेडू नाम का एक गांव है जिसमें तथाकथित उच्च जातियां एवं दलित जातियां समान रूप से रहते थे. जैसा कि देशभर का इतिहास है इस गांव की भी सारी जमीने यहां की उच्च जातियों जिनमे कम्मा प्रमुख तौर से हावी थे उन्हीं का दबदबा था.मजदूरी और तालाबों में पानी के लिए दोनों समुदाय में हमेशा संघर्ष होता रहता था. 17 जुलाई 1985 को कम्मा (सवर्ण )जातियों के कुछ युवक दलितों की बस्तियों से लगे हुए उस तालाब में अपनी भैंस धोने लगे जहां से वह पानी पीते थे. जब इसका विरोध कुछ लड़कों और महिलाओं ने किया तो वे बुरा मान गए. और इस प्रकार रात में सुनियोजित तरीके से कई गांव के लोगों को इकट्ठा कर दलितों की बस्ती पर हमला किया, उनकी पत्नियों के साथ बलात्कार किया तथा दर्जनों लोगों की हत्या की।

## बोध कथा

# जीवन का सत्य

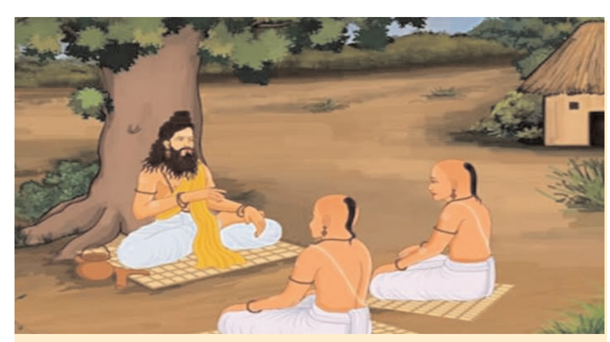

एक व्यक्ति आध्यात्मिक ज्ञान की आशा में एक संत के पास पहुंचा। संत ने उसे एक राजा के पास जाने को कहा। वह व्यक्ति राजा के पास पहुंचा। राजा उसे अपने दरबार में ले गया। वहां का दृश्य देखकर वह व्यक्ति दंग रह गया। वहां नर्तकियां नृत्य कर रही थीं। लोग बैठकर मदिरा का सेवन कर रहे थे। वह घबराकर राजा से बोला- महाराज, मैं गलत जगह आ गया हूं। अब यहां मैं एक पल नहीं रुक सकता। मैं तो कुछ जिज्ञासा लेकर आया था पर आप तो स्वयं ही भटके हुए हो तो मुझे क्या मार्ग दिखाओगे।

राजा ने कहा- मैं भटका हुआ नहीं हूं। आपने मेरा बाहरी रूप देखा है। आंतरिक देखोगे तो शायद आपकी राय बदल जाएगी। आप एक दिन रुक जाएं। वह व्यक्ति वहां रुक गया। उसे एक शानदार कमरे में ठहराया गया। उसमें काफी गद्देदार बिस्तर लगा था। वह व्यक्ति सकुचाता हुआ उस पर सोया। तभी उसकी नजर ऊपर की ओर गई। एक चमचमाती तलवार ठीक उसके सिर पर एक सूत से लटकी थी। अचानक उसके मन में ख्याल आया कि अगर धागा टूट गया तो । वह रात भर इस चिंता में सो नहीं पाया।

सुबह राजा खुद उसके कमरे में पहुंचा। उसने पूछा- अच्छी नींद आई न? इस पर उस व्यक्ति ने कहा- खाक नींद आती। आपने तो ऐसी तलवार टांग रखी है कि नींद उड़ गई।

## कविता

# यशुमति नंदलाला

मोनिका डागा 'आनंद'

मोर मुकुट शीश धरे श्यामल
कृष्ण कन्हाई,
यदुनंदन की मुरली की तान
हर मन को भाई ।
वृंदावन की गलियों में घूमें
है यशुमति नंदलाला,
मधुर-मधुर मुरलिया बजा?
काली कमली वाला,
गोरी-गोरी राधिका से करें
हँसी-ठिठोली लड़ाई,
यदुनंदन की मुरली की तान
हर मन को भाई ।
गईयन को है प्यारो नटखट
गोविंद गोपाला,
वाकी दीवानी भईन सारी
ग्वालिन बृजबाला,
हॉंडी़ दूध-दही की फोड़े खावे है दूध
मलाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को
भाई ।
गोप-गोपीयों संग खेले खेल जग का
रखवाला,
भक्तो ने पहनाई कृष्ण को प्रेमी मन की
माला,
धरा पर हरि ने 'आनंद' अद्भुत
लीला? दिखाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को
भाई ।
मोर मुकुट शीश धरे श्यामल कृष्ण
कन्हाई,
यदुनंदन की मुरली की तान हर मन को
भाई ।

## व्यंग्य केसरी

# हिचकोले खाता सरकारी सेवक

विनोद कुमार विक्की

सरकारी नौकरी वालों की भी अपनी व्यथा-कथा है। ऐसी व्यथा जो न तो बांची जा सकती है और ना ही आत्मसात किया जा सकता। बेरोजगार योनि से रोजगार योनि में प्रवेश करने के साथ ही परिवार, समाज और कार्यस्थल पर बंदे के व्यक्तित्व के प्रति ढ़ेर सारी धारणाएं जन्म ले लेती है। समय और स्थान के अनुसार सरकारी सेवक के प्रति लोगों के मस्तिष्क में क़िस्म-क़िस्म की सोच, दृष्टि कोण और धारणा रक्त-बीज की तरह पनपता रहता है।

नौकरी प्राप्त बंदे के परिवार में यह खुशफहमी फैल जाती है कि सरकारी नौकरी के पुण्य प्रताप से जल्द ही उनके परिवार की अर्थव्यवस्था अमेरिकी अर्थव्यवस्था की तरह शीर्ष पर पहुंचने वाली है। रिश्तेदारों के मन में यह विचार घुसपैठ कर जाता है कि खानदान के अन्य निठल्ले बेरोजगारों का काया कल्प होने वाला है। रिश्तेदारों में ऐसी उम्मीद की वाय-फाय कनेक्टिविटी जोर पकड़ लेती है, कि सरकारी बंदे की अनुशंसा, पैरवी अथवा सेटिंग के सौजन्य से अन्य रिश्तेदारों को भी सरकारी नौकरी का सुख प्राप्त होने वाला है।

समाज के लोगों के मन मस्तिष्क में विराजमान विवेक यह संकेत देने लगता है कि सरकारी नौकरी के नाम पर बंदे की लॉटरी लग गई है। सरकारी कुर्सी पर बैठ कर बंदा माल छाप रहा है और गबन, रिश्वत एवं अंधाधुंध ऊपरी कमाई के कालाधन से रिजर्व बैंक आफ फैमिली की स्थापना करने में लगा हुआ है।

घर में सरकारी सेवक की स्थिति दिल्ली के आवारा कुत्तों वाली और कार्य स्थल पर धोबी घाट के गधे वाली होती है। बॉस और उच्च अधिकारियों की नज़र में वह इडियट और निकम्मा होता है, जो अटेंडेंस बनाकर सिर्फ दिन काट रहा है और वेतन का लाभ ले रहा है। दूसरी ओर अधीनस्थ कर्मचारी के दिमाग में बंदे के प्रति हिटलर की छवि बनी रहती है,जो सरकारी कुर्सी पर बैठे-बैठे सिर्फ हुक्म और फरमान जारी करता है। मजे की बात यह है कि यदि बंदा टेंशन मुक्त मजाकिया माहौल में काम करें तो सहकर्मी का हीमोग्लोबिन स्तर यह सोचकर घटने लगता है कि बंदे के पास कार्यभार या प्रभार अपेक्षाकृत काफी कम है और बंदे की मौज है। अतिरिक्त कार्य के बोझ से थका हारा बंदा जब देर शाम कार्यालय से घर लौटता है, तो पत्नी की खोपड़ी में निवास करने वाली मंथरा इस बात की चुगली कर देती है शायद घर की जिम्मेदारियों से बचने के लिए जान-बूझकर देरी से घर लौट रहा है।

बहरहाल सरकारी सेवक के प्रति किसकी क्या राय है? यह तो विमर्श का विषय है, दूसरी ओर सुबह से शाम तक ऑफिस में कम्प्यूटर और फाईलों के बीच उलझा सरकारी सेवक यह सोच-सोच कर तनाव ग्रस्त रहता है कि सरकारी नौकरी के चक्कर में वह अपना चैन, सुकून और मानवीय जीवन का बहुमूल्य समय गंवा रहा है। समाजिक प्रतिष्ठा के शोकाकुल माहौल में जिम्मेदारियों के क़ब्र तले व्यक्तिगत स्वच्छंदता और शौक को दफ़न कर बाजीगर की तरह मुस्कुरा रहा है।

**महेशखूंट बाजार खगड़िया,**
**मो.7765954969**

## इतिहास

4 सितंबर का इतिहास देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और प्रसिद्ध कार्यों से जुड़ा है।

4 सितंबर की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ1781: कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स शहर की स्थापना स्पेनिश बसने वालों के एक समूह द्वारा की गई थी।

1888: जॉर्ज ईस्टमैन को रोल-फिल्म कैमरे का पेटेंट मिला और उन्होंने Eastman Kodak Company की नींव रखी।

1998: इंटरनेट की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक त्रश्र्द्दद्यद्ग की स्थापना लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन ने की थी।

2016: मदर टेरेसा को वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस द्वारा Roman Catholic Church के पावन संत के रूप में घोषित किया गया।

प्रसिद्ध व्यक्तियों के जन्म1825: भारत के प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी और 'ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया' कहे जाने वाले दादाभाई नौरोजी का जन्म हुआ था।

# आदिवासी व सरकारी जमीन फर्जीवाड़ा का फरार आरोपी पटवारी गिरफ्तार

विश्व केसरी

**रायगढ़।** आदिवासी और सरकारी जमीन में किया बड़ा फर्जीवाड़ा, स्नड्ढक्र के बाद से फरार पटवारी जिले की कापू पुलिस ने जमीन फर्जीवाड़े के दो बड़े मामलों में फरार मुख्य आरोपी तत्कालीन पटवारी राकेश साय को गिरफ्तार कर लिया है। 'ऑपरेशन क्लीन हंट' के तहत यह कार्रवाई की गई।

पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी ग्राम गनपतपुर में देखा गया है। टीम ने घेराबंदी कर उसे हिरासत में लिया। कब्जे से फर्जीवाड़े में इस्तेमाल लैपटॉप और प्रिंटर भी जब्त किया गया है। अन्य आरोपी अभी फरार हैं।

**किन मामलों में हुई कार्रवाई**

पण्डो जनजाति की जमीन का फर्जीवाड़ा: ग्राम डुमरनारा की भूमि खसरा नंबर 409 को लेकर जांच में सामने आया कि यह भूमि पूर्व से पण्डो जनजाति के सदस्यों के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज रही है। जांच के दौरान वर्ष 2023-24 के अभिलेखों में बिना सक्षम अधिकारी के आदेश के भूमि को सुखन पिता बजरंग, जाति रावत के नाम दर्ज किया जाना पाया गया। इसके बाद 21 फरवरी 2024 को उक्त भूमि को संतोष देवी गुप्ता, निवासी रायपुर के नाम रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम से विक्रय किया गया।

**फर्जी व्यक्ति को बनाया विक्रेता**

जांच में यह भी सामने आया कि जिस व्यक्ति को विक्रेता के रूप में प्रस्तुत किया गया, उसका वास्तविक नाम सुखन राठिया पिता धनाराम, जाति कंवर है। दस्तावेजों के सत्यापन में फर्जी आधार कार्ड के उपयोग की बात भी सामने आई। तत्कालीन हल्का पटवारी राकेश कुमार साय द्वारा दोनों जमीनों के विक्रय के लिए चौहद्दी प्रदान किए जाने की बात जांच में सामने आई है। 07.07.2026 को उन्मेश पटेल तहसीलदार, तहसील कार्यालय कापू के द्वारा थाना कापू में रिपोर्ट दर्ज कराया गया।

**पटवारी समेत 5 के खिलाफ हुआ एफआईआर**

जांच पर उक्त रजिस्ट्री में संलिप्त विक्रेता सुखन पिता धनाराम, जाति कवंर, निवासी ग्राम बकालो. क्रेता संतोष देवी गुप्ता पति मनोज गुप्ता, निवासी रायपुर, साक्षी संतन राठिया पिता सोन सिंह राठिया, जाति कंवर, निवासी बकालो, जीवन वर्धन पिता भीमो यादव, जाति महकुल, निवासी जबगा के विरुद्ध फर्जी तरीका अपनाये जाने में पूर्ण रूप से दोषीदार एवं तत्कालीन हल्का पटवारी राकेश कुमार साय की भूमिका संदिग्ध पायी गई जिस पर थाना-कापू अपराध क्रमांक 108/2026 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 120 (बी) भा.द.वि. दर्ज किया गया।

शासकीय भूमि में फर्जीवाड़ा: 11.08.2026 को उन्मेश पटेल तहसीलदार, तहसील कार्यालय कापू के द्वारा थाना कापू में रिपोर्ट दर्ज कराया इस मामले में ग्राम पंचायत रायमेर की शासकीय भूमि को फर्जी तरीके से निजी व्यक्तियों के नाम दर्ज कराकर पट्टा तैयार करने और उसके बाद दलालों के माध्यम से फर्जी रजिस्ट्री कराने की शिकायत पर जांच की गई। जांच में खसरा नंबर 467/23, 467/25 एवं 467/36 की शासकीय भूमि को कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर अन्य व्यक्तियों को अवैधानिक रूप से अंतरित किए जाने की जानकारी सामने आई।

**सरकारी भूमि का फर्जी तरीके से बनाया पट्टा**

इस प्रकरण में तत्कालीन पटवारी राकेश साय, मुकारधारी कैलाश कुमार जेठवानी, विक्रेता उजितराम तथा अनुप्रमाणक साक्षियों सहित अन्य व्यक्तियों की भूमिका की जांच की जा रही है। एसडीएम धरमजयगढ़ के निर्देश पर तहसीलदार कापू के जांच प्रतिवेदन के आधार पर थाना कापू में अपराध क्रमांक 131/2026, धारा 420, 467, 468, 471, 120(बी) भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

# हलषष्ठी पर सगरी खोदकर महिलाओं ने की पूजा-अर्चना, बच्चों की दीर्घायु की कामना

विश्व केसरी

**नवापारा-राजिम ( अंशुल मिश्रा )।** सुहागिन महिलाओं ने अपने बच्चों की दीर्घायु एवं उज्जवल भविष्य की कामना के लिए हलषष्ठी पर्व पर व्रत रखकर पारंपरिक पूजा-अर्चना की।

दोपहर के समय महिलाओं ने दमानी कॉलोनी में सगरी खोदकर उसे काशी फूल एवं अन्य सजावटी सामग्री से सजाया और विधि-विधान से पूजा की। पूजा के पश्चात घर लौटकर छह प्रकार की भाजी, पसहर चावल का भात, भैंस के दूध, दही एवं घी से बने व्यंजनों का भोग लगाया गया। परंपरा अनुसार

माताओं ने अपने बच्चों की पीठ पर पोता मारकर आशीर्वाद दिया और परिवार सहित लालभात का प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर दमानी कॉलोनी की पुष्प लता दुबे, नेहा दुबे, पार्वती साहू, प्रियंका साहू, पूर्णिमा सेन, सुनीता उपाध्याय, स्वाति उपाध्याय, भारती यादव, मोनिका यादव, खुशबू साहू, भुवनेश्वरी साहू सहित कॉलोनी की अनेक महिलाएं उपस्थित थीं।

# डॉ. महन्त की अनुशंसा से 80 लाख के सीसी रोड की स्वीकृति : जायसवाल

विश्व केसरी

**सक्ती ( ईश्वर लोधी )।** नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महन्त विधायक विधानसभा क्षेत्र सकती के अनुशंषा से विधानसभा क्षेत्र सकती विकास खण्ड सकती में वितीय वर्ष 2026-27 में अधोसंरचना विकास एवँ पर्यावरण उपकर निधि से राजस्व एवँ आपदा प्रबंधन विभाग छत्तीसगढ़ से विभिन्न ग्रामो में सीसी रोड की स्वीकृति प्रदान की हैं नेता प्रतिपक्ष डॉ चरण दास महन्त के विधानसभा क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों में

दौरे प्रवास के दौरान पोलिंग बूथ मण्डल कमेटी पंचायत प्रतिनिधियों कॉग्रेसजनो ग्रामीणों के मांग पर उक्त कार्य की स्वीकृति प्रदान की गई हैं उक्त सम्बंध में जिला कलेक्टर कार्यालय के प्रतिनिधि गिरधर जायसवाल ने बताया कि डॉ चरण दास महन्त के अनुसंशा पर विकास खण्ड सकती के ग्राम जाजंग सकरेली बा सेंदरी धनपुर किरारी सपनाइपाली डडॉई बोरदा कुरदा सोनगुड़ा सकरेली खुर्द पुटकेला पतेरापाली खुर्द सोंठी एवँ हरेठी ग्राम पंचायत के विभिन्न स्थानों पर प्रत्येक कार्य हेतु पाँच लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान करते हुए जिला कलेक्टर कार्यालय सकती को नवा रायपुर से विभाग से स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है.

# चारगांव-मेटाबोदेली के युवाओं ने कलेक्टर से की मुलाकात

विश्व केसरी

**अंतागढ़ ( डम्पी खान )।** अंतागढ़ के चारगांव मेटाबोदेली माइंस प्रभावित क्षेत्र के युवाओं ने कलेक्टर कुंदन कुमार से किए मुलाकात चारगांव-मेटाबोदेली, माइंस अंतागढ़ प्रभावित क्षेत्र के युवाओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को जिला कलेक्टर कुंदन कुमार से मुलाकात कर क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का जानकारी देते ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्कूलों की जर्जर स्थिति में सुधार व शिक्षकों की नियुक्ति, गांवों को जोड़ने वाली सड़कों का डामरीकरण करना। पेयजल समस्या का स्थायी समाधान किया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करनाष आदि समाहित है। प्रतिनिधि मंडल के युवा कार्तिक

कुलदीप ने बताया कि माइंस क्षेत्र होने के बावजूद गांवों में आज भी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। क्षेत्र के स्कूल जर्जर हैं, सड़कें खराब हैं, पीने के पानी और अस्पताल में डॉक्टर तक नहीं हैं।

युवाओं ने कहा कि माइंस से शासन को करोड़ों का राजस्व मिलता है, लेकिन प्रभावित गांव आज भी विकास से वंचित हैं। डीएमएफ फंड का सही उपयोग गांवों के विकास में किया जाना चाहिए जो बिलकुल भी नही हो रहा है।

प्रतिनिधि मंडल द्वारा क्षेत्र की समस्याओं से अवगत हो कर कांकेर कलेक्टर कुंदन कुमार ने आश्वासन दिया है कि सभी मांगों पर संबंधित विभागों से रिपोर्ट मंगाकर जल्द कार्यवाही की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में कार्तिक कुलदीप के साथ टंकेश्वर देहारी , सावलु राम कुलदीप, राजनाथ पोटाई, मानिक कुलदीप, प्यारेलाल सिक्सोड़िया, चंपालाल यादव, शिवराम गावड़े, बड़ी संख्या में क्षेत्र के युवा उपस्थित रहे।

# राजिम के विकास को नई रफ्तार- नगर पालिका परिषद की बैठक में महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर लगी मुहर

विश्व केसरी

**राजिम/छुरा ( शेखर मिश्रा )।** नगर पालिका परिषद राजिम की महत्वपूर्ण बैठक में नगर के विकास, सौंदर्यीकरण और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। परिषद के इन फैसलों से राजिम के विकास को नई गति मिलने के साथ ही शहर को स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित और आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में ठोस पहल मानी जा रही है।

बैठक में पौनीपसारी में निर्माण होने वाले कॉम्प्लेक्स का नाम संत शिरोमणि रविदास जी के नाम पर रखने का निर्णय लिया गया। वहीं नगरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गैस सिलेंडर की

आपूर्ति ग्रामीण श्रेणी के स्थान पर शहरी श्रेणी के अनुसार किए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

परिषद की बैठक में वर्तमान नगर पालिका भवन के स्थान पर नवीन भवन निर्माण, वार्ड क्रमांक 7 एवं 9 में आकांक्षीय शौचालय निर्माण, पालिका बाजार के विकास, नगर के विभिन्न स्थानों पर फव्वारे लगाने तथा मॉल निर्माण जैसे महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर चौक नामकरण, वार्ड क्रमांक 4 में भारत माता चौक निर्माण तथा शक्ति तालाब क्षेत्र में विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों के प्रस्तावों पर भी सर्वसम्मति से सहमति बनी।

बैठक का एक महत्वपूर्ण निर्णय राजिम के नवीन मेला मैदान को 'श्री राजीव लोचन सामाजिक समरसता मैदान' नाम दिए जाने का रहा। इसके अलावा नगर के पुस्तकालय एवं गौठान परिसर में बाउंड्रीवॉल निर्माण के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की गई।

**हर वार्ड तक पहुंचेगा विकास का लाभ रू महेश यादव**

नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव ने कहा कि राजिम को स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित और आधुनिक नगर के रूप में विकसित करना परिषद की सर्वोच्च प्राथमिकता है। परिषद द्वारा पारित सभी प्रस्ताव नागरिक सुविधाओं के विस्तार, सौंदर्यीकरण और नगर के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि विकास का लाभ नगर के प्रत्येक वार्ड और प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे। राजिम हमारी आस्था, संस्कृति और गौरव की पहचान है। इसलिए विकास कार्यों के साथ-साथ नगर की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को भी सशक्त बनाया जाएगा। सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय राजिम के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम हैं।

# नियमों का हो रहा हैं खुला उल्लंघन : अरुण

विश्व केसरी

**कांकेर ( सीताराम शर्मा )।** जिला के विभिन्न निजी शिक्षण संस्थाओं में नियमों का खुले आम उल्लंघन हो रहा है। यह आरोप आज छत्तीसगढ़ नागरिग निकाय कर्मचारी यूनियन के राज्य कोषाध्यक्ष अरुण वाल्मीक ने आज एक प्रेस बयान जारी कर लगाया।

वाल्मीक ने बताया कि जिला के अधिकतर निजी स्कूलों में कार्य करने वाले शिक्षकों को बहुत ही कम वेतन का भुगतान किया जाता है। उसके साथ ही गैर शिक्षक कर्मचारियों जिसमें सफाई कर्मियों का भी न्यूनतम वेतन भी बहुत कम है। यूनियन नेता ने बताया कि अधिकतर निजी स्कूलों के किसी भी स्टाफ का पीएफ एवं ई एसआई का लाभ नहीं मिलता है। पीएफ और ईएसआई के नियमों के तहत जिन कर्मचारियों को इसका लाभ मिलना चाहिए वो भी उन्हें नहीं मिलता है। उन्होंने जिला प्रशासन से निजी स्कूलों की इस मनमानी के खिलाफ वहां पर कार्यरत शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए उचित कार्यवाही करने की मांग किया है।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में यूनियन जिला कलेक्टर को शिकायत करेगी।

# कलेक्टर कुंदन कुमार ने कलेक्टोरेट परिसर के कार्यालयों का किया आकस्मिक निरीक्षण

विश्व केसरी

**कांकेर ( सीताराम शर्मा )।** कलेक्टर कुंदन कुमार ने आज कलेक्टोरेट परिसर कांकेर स्थित विभिन्न कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण कर विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों की कार्यप्रणाली, साफ-सफाई, कार्यालयीन व्यवस्था तथा कर्मचारियों की उपस्थिति एवं अनुशासन का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कलेक्टोरेट कार्यालय परिसर में विभिन्न कार्यालयों में लगे पर्दों को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालयीन वातावरण को अधिक

पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने पर जोर दिया। कलेक्टर कुंदन कुमार ने भू-अभिलेख शाखा एवं राजस्व निरीक्षक नजूल शाखा का निरीक्षण कर वहां की कार्यप्रणाली का जायजा लिया तथा संबंधित कर्मचारियों को कार्यों का ईमानदारी, गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ संपादन करने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों से जुड़े प्रकरणों के निराकरण में संवेदनशीलता एवं तत्परता बरती जाए। इसके पश्चात कलेक्टर ने जनगणना शाखा का निरीक्षण किया। उन्होंने शाखा में कार्यरत प्लेसमेंट कर्मचारियों की संख्या एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा जनगणना कार्य प्रारंभ होने के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने शाखा में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, कार्यालयीन अभिलेखों एवं सामग्री को आलमारियों में व्यवस्थित ढंग से रखने तथा कुर्सी एवं टेबल सहित अन्य कार्यालयीन व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

# सेवानिवृत्त होने पर चिकित्सक व लिपिक को दी गई विदाई

विश्व केसरी

**कांकेर ( सीताराम शर्मा )।** जिला चिकित्सालय कांकेर में पदस्थ डॉ.हेमलता साहू एवं सत्यनारायण शुक्ला सहायक ग्रेड-2 को सेवानिवृत्त होने पर सोमवार को अस्पताल के स्थानीय कार्यालय में सम्मान कर बिदाई दी गई।

कार्यक्रम में संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कांकेर संबंद्ध कोमलदेव चिकित्सालय कांकेर डॉ. विमल भगत ने दोनों सेवानिवृत्त डॉक्टर व सहायक ग्रेड 2 के कार्यकाल के बारे में बताते हुए कहा कि लंबे समय तक सेवा दिए है। दोनों के कार्यो के सराहना करते हुए कहा कि उनकी कमी

अस्पताल में रहेगीं। कार्यक्रम में डॉ.एल के ठाकुर, डॉ.लोकेश देव,डॉ.अरविंद कोर्राम,डॉ.सरिता कुमेटी,सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारियों ने डॉ.मेडम व लिपिक का जमकर तारिफ किए। उनके कार्यो की सभी ने सराहना किया। कार्यक्रम का संचालन स्टुर्वड टिकेश कटेन्द्र ने किया। कार्यक्रम के अवसर पर, डॉ.अनुप पदमवार, भुपेन्द्र राय, डॉ. व्ही.एल उसेण्डी, डॉ अमित.पांडे, डॉ.शानू खान,लेखापाल हमीद खान, सहायक कार्यालय अधीक्षक ईश्वर कुमार टंडन, मेट्रन पुष्पलता कवाची, नर्सिग सिस्टर सविता सिंग, नंद ठाकुर, स्टाफ नर्स प्रीति शर्मा, पुष्पा मरकाम, योगेश्वरी साहू, विष्णु शोरी, आनंद यादव, दिपेश मंडावी, हेमंत सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

# मां की ममता ने रखा उपवास, संतान की सलामती के लिए गूंजी मंगलकामनाएं

विश्व केसरी

**छुरा ( मानसिंह निषाद )।** मां और संतान के रिश्ते को दुनिया का सबसे पवित्र रिश्ता माना जाता है। इसी ममता, प्रेम और अटूट विश्वास की झलक बुधवार को छुरा क्षेत्र में देखने को मिली, जब संतान की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना को लेकर बड़ी संख्या में महिलाओं ने हलषष्ठी व्रत रखा। सुबह से ही महिलाएं व्रत की तैयारियों में जुटीं और पूजा सामग्री के साथ मानस मंदिर सहित क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में पहुंचकर श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ हलषष्ठी माता की पूजा-अर्चना की।

हलषष्ठी पर्व को लेकर बुधवार को पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल रहा।गादिकोट वार्ड 5 ,6 समेत विभिन्न मंदिरों के प्रांगण में सुबह से ही महिलाओं की आवाजाही शुरू हो गई थी। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में पूजा सामग्री लेकर मंदिर पहुंचीं और सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर अपनी संतान के सुखी एवं सुरक्षित जीवन के लिए प्रार्थना की।

**संतान की लंबी उम्र के लिए दिनभर रखा व्रत** - हलषष्ठी व्रत के अवसर पर महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक व्रत रखा। पूजा-अर्चना के दौरान उन्होंने अपने पुत्र-पुत्रियों के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि, सफलता और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। माताओं ने प्रार्थना की कि उनकी संतान हमेशा स्वस्थ रहे, जीवन में आगे बढ़े और किसी भी प्रकार की विपत्ति से सुरक्षित रहे। पूजन के दौरान महिलाओं ने परंपरानुसार हलषष्ठी

माता का स्मरण किया तथा पूजा सामग्री अर्पित कर विधि-विधान से पूजा संपन्न की। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से हलषष्ठी व्रत की कथा का श्रवण एवं पाठ भी किया। मंदिर परिसर में महिलाओं के सामूहिक पूजन और धार्मिक गतिविधियों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

**मंदिरों में उमड़ी महिलाओं की भीड़, दिखी आस्था की अद्भुत तस्वीर** - हलषष्ठी पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसरों में महिलाएं एकत्रित होती रहीं। किसी के हाथ में पूजा की थाली थी तो कोई व्रत की सामग्री लेकर पहुंची थी। पूजा के दौरान महिलाओं ने एक साथ बैठकर माता हलषष्ठी की आराधना की और अपनी संतान के लिए मंगलकामना की।

मंदिर परिसर में एक साथ पूजा करती महिलाओं की तस्वीर मातृत्व की आस्था और समर्पण को बयां कर रही थी। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान वातावरण में भक्ति और श्रद्धा का भाव नजर आया।

**मां की ममता और आस्था का पर्व है हलषष्ठी** - हलषष्ठी व्रत को संतान के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता के अनुसार माताएं अपनी संतान की दीर्घायु, आरोग्य, सुख-समृद्धि और सुरक्षा के लिए यह व्रत करती हैं। इस पर्व में मां की ममता और संतान के प्रति उसके निस्वार्थ प्रेम की भावना प्रमुख रूप से दिखाई देती है।

छुरा क्षेत्र में भी महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए पूरे श्रद्धाभाव से व्रत एवं पूजन किया। कई महिलाओं ने दिनभर उपवास रखकर संतान के लिए मंगलकामना की और पूजा के दौरान परिवार की सुख-शांति की भी प्रार्थना की।

**भक्तिमय रहा पूरा माहौल** - पूजन के बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को हलषष्ठी पर्व की शुभकामनाएं दीं। मंदिर परिसर में दिनभर धार्मिक वातावरण बना रहा। मां की ममता, आस्था और संतान के प्रति समर्पण से जुड़ा यह पर्व छुरा क्षेत्र में श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया गया।

हलषष्ठी के अवसर पर महिलाओं की उपस्थिति और सामूहिक पूजा-अर्चना ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि संतान की खुशहाली और सलामती के लिए मां की आस्था और ममता से बढ़कर कुछ नहीं।

# कांकेर पुलिस की व्यापक जन-जागरूकता पहल

विश्व केसरी

**कांकेर ( सीताराम शर्मा )।** पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन में कांकेर पुलिस द्वारा जिले में 'साइबर जागृति अभियान' के अंतर्गत निरंतर व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल द्वारा भानुप्रतापदेव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कांकेर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू द्वारा इंदरु केवट कन्या महाविद्यालय में विद्यार्थियों एवं शिक्षकगण को साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल सुरक्षा, साइबर ठगी के नए तरीकों एवं महिला सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। थाना आमाबेड़ा के साप्ताहिक बाजार तथा थाना नरहरपुर क्षेत्र के ग्राम देवगांव में पुलिस टीम द्वारा ग्रामीणों एवं आम नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक किया गया। महिला रक्षा टीम द्वारा विभिन्न दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में कार्यरत बालिकाओं को महिला सुरक्षा एवं उनके अधिकारों की जानकारी देते हुए 'अभिव्यक्ति' ऐप डाउनलोड कराया गया तथा ऐप में उपलब्ध सुरक्षा सुविधाओं के उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई।

# सेंसेक्स 417 अंक फिसला

विश्व केसरी

**मुंबई।** भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 417.49 अंक या 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,152.86 और निफ्टी 41 अंक या 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,873.45 पर था।

हालांकि, बाजार में गिरावट लार्जकैप तक ही सीमित थी। स्मॉलकैप और मिडकैप शेयर में खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 233.60 अंक या 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 63,235.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 238.50 अंक या 1.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,050.75 पर था।

सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी 2.58 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 1.74 प्रतिशत, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.51 प्रतिशत, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.51 प्रतिशत, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.48 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.43 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 0.30 प्रतिशत और निफ्टी सर्विसेज 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ निफ्टी आईटी 0.85 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी 0.62 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 0.52 प्रतिशत, निफ्टी कंजप्शन 0.50 प्रतिशत और निफ्टी हेल्थकेयर 0.46 प्रतिशत कमजोरी के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, बीईएल और टाटा स्टील गेनर्स थे। टाइटन, ट्रेंट, आईटीसी, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टीसीएस, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति सुजुकी और मारुति सुजुकी लूजर्स थे।

जानकारों ने कहा कि बाजार के रिकवरी की कोशिश की रफ्तार धीमी पड़ गई, क्योंकि दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों और एफआईआई के नए निवेश के बावजूद जियोपॉलिटिकल तनाव और ग्लोबल यील्ड में बढ़ोतरी का असर भी देखने को मिला। बैंकिंग और रियल्टी शेयरों ने बाजार को आगे बढ़ाया, जबकि स्मॉल-कैप शेयरों में निवेशकों की दिलचस्पी दिखी, जो देश की ग्रोथ की संभावनाओं पर भरोसे को दिखाता है। कच्चे तेल की लगातार ऊंची कीमतें घरेलू बाजार के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। हालांकि भारत की मजबूत ग्रोथ और हाल ही में सॉवरेन रेटिंग में सुधार जैसे बड़े सकारात्मक पहलू मौजूद हैं, लेकिन बाजार की आने वाले समय की दिशा मुख्य रूप से ग्लोबल मैक्रो और जियोपॉलिटिकल जोखिमों में होने वाले बदलावों पर निर्भर करेगी।

# विंटर शेड्यूल से पहले स्पाइसजेट का 20 नए विमानों के लिए लीज एग्रीमेंट फाइनल

विश्व केसरी

**गुरुग्राम।** विंटर शेड्यूल से पहले स्पाइसजेट ने अपनी उड़ानों का विस्तार करने की तैयारी कर ली है। एयरलाइन ने 20 विमानों को शामिल करने के लिए तीन एयरक्राफ्ट ऑपरेटर्स के साथ लीज एग्रीमेंट फाइनल कर लिया है। इनमें 15 बोइंग और 5 एयरबस विमान शामिल हैं, जिन्हें डैम्प और वेट लीज एग्रीमेंट के तहत लिया जा रहा है।

कंपनी ने बताया कि ये विमान अक्टूबर के मध्य से नवंबर के मध्य के बीच चरणबद्ध तरीके से बेड़े में शामिल होंगे। यह समय दुर्गा पूजा से शुरू होने वाले विंटर ट्रैवल पीक से ठीक पहले का है। इन विमानों के आने से स्पाइसजेट के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क में क्षमता बढ़ेगी और सर्दियों के साथ-साथ अगले साल के पीक समर सीजन में भी अतिरिक्त क्षमता मिलेगी।

इन अतिरिक्त विमानों के साथ, स्पाइसजेट विंटर शेड्यूल के दौरान अपने ऑपरेशन को बढ़ाकर लगभग 200 डेली फ्लाइट्स तक ले जाने की योजना बना रही है। एयरलाइन प्रमुख रूटों पर फ्लाइट्स की फ्रीक्वेंसी बढ़ाएगी और उन बाजारों में कनेक्टिविटी मजबूत करेगी जहां मांग अधिक रहने की उम्मीद है। अतिरिक्त क्षमता से बाजार में अधिक स्थिरता लाने और पीक डिमांड के दौरान हवाई किराए पर दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी।

पांच एयरबस विमानों में ए321 वेरिएंट भी शामिल होगा, जिसमें बैठने की क्षमता अधिक है और इससे स्पाइसजेट को उन रूटों पर अधिक सीटें उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी जहां मांग मजबूत है।

यह बेड़ा विस्तार स्पाइसजेट की क्षमता को बहाल करने और एक बड़े ऑपरेशनल बेड़े के निर्माण की व्यापक योजना का हिस्सा है।

स्पाइसजेट के चीफ बिजनेस ऑफिसर देबोजो महर्षि ने कहा, 'हम सर्दियों के मौसम की तैयारी इस स्पष्ट फोकस के साथ कर रहे हैं कि जहां हमारे यात्रियों को सबसे ज्यादा जरूरत है, वहां क्षमता जोड़ी जाए। हम जो 20 विमान ला रहे हैं, वे हमें अपने नेटवर्क को मजबूत करने, फ्रीक्वेंसी बढ़ाने और पीक सीजन के दौरान अधिक यात्रा विकल्प प्रदान करने में सक्षम बनाएंगे। ये विमान सर्दियों और गर्मियों दोनों के पीक ट्रैवल पीरियड के दौरान हमारे ऑपरेशन को सपोर्ट करेंगे। साथ ही, क्षमता में अधिक स्थिरता लाने और हवाई किराए पर दबाव कम करने में मदद करेंगे।

# भारत का सर्विसेज पीएमआई अगस्त में बढ़कर 54.1 रहा, रोजगार वृद्धि 15 महीनों के उच्च स्तर पर

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** भारत के सर्विसेज सेक्टर में अगस्त में जोरदार वृद्धि देखने को मिली है और एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बढ़कर 54.1 पर पहुंच गया है। इससे रोजगार वृद्धि भी 15 महीनों के उच्च स्तर पर रही है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक निजी सर्वेक्षण में दी गई।

इससे पहले जुलाई में एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई 53.3 पर था।

सर्वेक्षण में सेवा प्रदाताओं ने बढ़त की वजह अच्छी मांग और बाजार पहलों से नए बिजनेस में वृद्धि होने को बताया है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों से मांग भी बनी रही है और नए निर्यात ऑर्डर करीब जुलाई के समान ही बढ़े हैं।

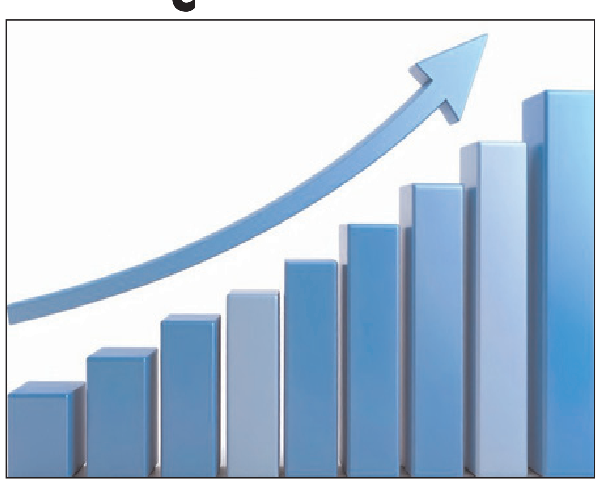

एचएसबीसी के डेटा के मुताबिक, अगस्त में भारतीय सेवा प्रदाताओं को ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, जापान, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका और यूएई से नए निर्यात ऑर्डर मिले थे।

इसके अलावा, भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में रोजगार तेजी से बढ़ा है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 11 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि उनके यहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ी है। साथ ही, पिछले 15 महीनों में नौकरी पैदा होने की दर सबसे ज्यादा रही, क्योंकि कंपनियां अपनी कस्टमर सर्विस, सेल्स और डिजिटल ऑपरेशन को बेहतर बना रही हैं। एचएसबीसी की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि अगस्त में सर्विस सेक्टर की गतिविधियां तेजी से बढ़ीं, जिसमें बेहतर आउटपुट और नए बिजनेस का योगदान रहा।

भंडारी ने कहा, 'रोजगार में तेजी से बढ़ोतरी हुई और नौकरियां पैदा होने का आंकड़ा 15 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया।' उन्होंने यह भी कहा कि कीमतों का दबाव बहुत कम बढ़ा।

इसके अलावा, अगस्त में एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स 54.3 पर रहा, जो जुलाई के बराबर ही है, क्योंकि सर्विस सेक्टर में तेज ग्रोथ ने मैन्युफैक्चरिंग में आई सुस्ती की भरपाई कर दी।

एचएसबीसी के डेटा से यह भी पता चला कि कुल रोजगार में 14 महीनों में सबसे तेजी से बढ़ोतरी हुई। सर्विस सेक्टर में जबरदस्त हायरिंग ने मैन्युफैक्चरिंग में रोजगार की कमी की भरपाई से कहीं ज्यादा असर दिखाया है। कुल नए ऑर्डर की मात्रा में भी तेजी से बढ़ोतरी हुई, जबकि कम्पोजिट इनपुट लागत महंगाई सात महीने के निचले स्तर पर आ गई है।

# एनएसई का शेयर मौजूदा नियमों के तहत अपने प्लेटफॉर्म पर नहीं हो सकता लिस्ट : बीएसई सीईओ

विश्व केसरी

**मुंबई।** बीएसई के प्रबंध निदेशक और सीईओ सुंदररमन राममूर्ति ने कहा कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का शेयर मौजूदा नियमों के तहत अपने प्लेटफॉर्म पर नहीं लिस्ट हो सकता है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

सीएनबीसी-टीवी18 की एक रिपोर्ट के अनुसार, रामामूर्ति ने कहा कि एनएसई ने पुष्टि की है कि वह सेल्फ-ट्रेडिंग की मंजूरी के लिए अपने ऑफर डॉक्यूमेंट में कोई अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल नहीं करने जा रहा है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'रामामूर्ति ने बताया कि बीएसई की कंप्लायंस टीम ने एनएसई से पता किया था कि क्या वे ऐसी इजाजत लेने और अपने ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में कोई अतिरिक्त दस्तावेज फाइल करने की योजना बना रहे हैं।'

इसमें आगे कहा गया, 'उनके अनुसार, एनएसई ने जवाब दिया कि मीडिया रिपोर्टें अटकलों पर आधारित और बेबुनियाद थीं और वह इस मामले में कोई नया अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल नहीं करेगा।'

राममूर्ति ने बताया कि बीएसई ने भी 2017 में अपने ही एक्सचेंज पर ट्रेड करने की अनुमति मांगी थी, लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं मिली थी।

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय पर आया है, जब कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि बीएसई पर लिस्ट होने के बाद एनएसई अपने ही एक्सचेंज पर ट्रेड कर सकता है।

इसके अलावा, हाल ही में शुरू किए गए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) पर रामामूर्ति ने कहा कि सीएएस सिस्टम के लिए लिक्विडिटी एक जरूरी चीज है। सीएएस में लिक्विडिटी की कमी के कारण भागीदारी कम रही है। इंडेक्स वॉल्यूम में गिरावट आई है।

वहीं दूसरी ओर, रिपोर्ट से पता चलता है कि अगस्त में एनएसई का मंथली इक्विटी डेरिवेटिव्स टर्नओवर गिरकर 34.48 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो नवंबर 2023 के बाद सबसे कम है। जबकि अगस्त में बीएसई का टर्नओवर 32.2 लाख करोड़ रुपए रहा, जो जून 2025 के बाद सबसे कम है।

# जीडीपी के आंकड़ों में गड़बड़ी के दावों को 15वें वित्त आयोग के प्रमुख ने बताया 'आधारहीन'

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** 15वें वित्त आयोग के चेयरमैन और अर्थशास्त्री एनके सिंह ने गुरुवार को उन सभी दावों को 'आधारहीन' बताया, जिनमें दावा किया गया था कि सरकार ने जीडीपी ग्रोथ को अधिक दिखाने के लिए आंकड़ों में बदलाव किया है।

जीडीपी के कैलकुलेशन को लेकर पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग की चिंताओं पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि बेस ईयर (आधार वर्ष) बदलना और तरीका अपडेट करना एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसे देश इसलिए अपनाते हैं ताकि आर्थिक डेटा से उभरते ट्रेंड और विकास की जानकारी मिल सके।

सिंह ने कहा, 'जहां तक मुझे पता है, सरकार पर लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।'

उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे नया डेटा मिलता है और आर्थिक गतिविधियों के नए रूप सामने आते हैं और इस कारण देश समय-समय पर जीडीपी की कैलकुलेशन के लिए आधार वर्ष बदलते रहते हैं।

उन्होंने कहा, 'इस तरह के बदलावों का मकसद अर्थव्यवस्था के ढांचे और कामकाज में आए बदलावों को ज्यादा सही ढंग से समझना है।'

सिंह के मुताबिक, सरकार की ओर से किए गए हालिया बदलावों को आर्थिक डेटा में हेर-फेर करने की कोशिश के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। इसके बजाय, उन्होंने इस प्रक्रिया को जीडीपी के अनुमानों को ज्यादा मजबूत और व्यापक बनाने की कोशिश बताया।

उन्होंने कहा कि जीडीपी की बदली हुई कार्यप्रणाली ज्यादा डेटा और आर्थिक क्षेत्रों की एक बड़ी रेंज को शामिल करती है, जिससे अर्थव्यवस्था में हो रहे बदलावों को बेहतर ढंग से दिखाया जा सकता है।

सिंह ने जीडीपी ग्रोथ के ताजा आंकड़ों को भारत की बेहतर सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग से भी जोड़ा।

उन्होंने बताया कि भारत ने 38 साल के अंतराल के बाद 'ए' क्रेडिट रेटिंग फिर से हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत 1988 में 'ए'-रेटेड देश था, लेकिन 1991 में यह रेटिंग खो दी थी और इस कैटेगरी में वापस आने के लिए 2026 तक इंतजार करना पड़ा।

सिंह ने कहा कि यह खास तौर पर अहम है कि क्रेडिट रेटिंग में सुधार और जीडीपी के ताजा अनुमान एक ही समय पर आए। नए कैलकुलेशन के तरीके के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है।

उन्होंने भारत की क्रेडिट रेटिंग में सुधार और मजबूत जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को एक साथ होने को 'खुशी का संयोग' बताया और कहा कि ये दोनों घटनाएं भारतीय अर्थव्यवस्था की अंदरूनी मजबूती और मुश्किलों से उबरने की क्षमता को दिखाती हैं।

# वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027 के मुंबई रोड शो में दिग्गज उद्योगपतियों से मिले मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल

विश्व केसरी

**मुंबई।** वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027 के रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने देश के दिग्गज उद्योगपतियों से मुलाकात की। इनमें महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा, एएम/एनएस इंडिया के सीईओ अमित हरलालका और हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के एमडी सतीश पाई का नाम शामिल था।

आनंद महिंद्रा से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि 11वें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027 के लिए मुंबई रोडशो में महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा के साथ एक दिलचस्प और सार्थक बातचीत हुई।

गुजरात में महिंद्रा ग्रुप की मौजूदगी बढ़ाने पर चर्चा हुई, जिसमें खास तौर पर इलेक्ट्रिक व्हीकल इकोसिस्टम और भविष्य के मोबिलिटी सॉल्यूशंस में बड़े पैमाने पर मौकों और गिफ्ट सिटी में मौजूदगी बनाने पर विचार किया गया। उन्होंने आगे कहा कि बैठक में चर्चा की गई कि कैसे गुजरात का वर्ल्ड-क्लास पोर्ट-बेस्ड लॉजिस्टिक्स, भरोसेमंद इंफ्रास्ट्रक्चर और भविष्य को ध्यान में रखकर बनाई गई इंडस्ट्रियल पॉलिसीज, अगली पीढ़ी की मैन्युफैक्चरिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज के लिए एक बेहतरीन आधार प्रदान करती हैं। वहीं, एएम/एनएस इंडिया के सीईओ अमित हरलालका से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि एएम/एनएस इंडिया ने गुजरात में दुनिया का सबसे बड़ा स्टील मैन्युफैक्चरिंग प्लांट बनाने का एक विजन साझा किया, जिसकी कुल क्षमता 25 मिलियन टन होगी। जून तक पूरे होने वाले 80,000 करोड़ रुपए के बड़े कैपिटल इन्वेस्टमेंट में हुई प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही, हजीरा में बड़े रिन्यूएबल एनर्जी और बैटरी स्टोरेज सिस्टम के लिए 10,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश की प्रतिबद्धता पर भी चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के एमडी सतीश पाई से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि हमने गुजरात के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में हिंडाल्को की मौजूदगी को मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें कॉपर रीसाइक्लिंग, ई-वेस्ट मैनेजमेंट और सर्कुलर इकॉनमी से जुड़ी पहलों पर खास फोकस किया गया।

# खाद्यान्न उत्पादन 376.5 मिलियन टन रहने का अनुमान, मजबूत विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण ढांचे से मिल रहा सपोर्ट

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** वित्त वर्ष 2025-26 के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन 376.563 मिलियन टन रहने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष के 357.732 मिलियन टन उत्पादन की तुलना में करीब 18.8 मिलियन टन यानी 5.3 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी एक आधिकारिक फैक्टशीट में गुरुवार को दी गई।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के भारत दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक को संचालित करता है, जिसके दायरे में करीब 80 करोड़ लोग आते हैं।० फैक्टशीट में कहा गया, 'भारत में कृषि उत्पादन और खाद्य सुरक्षा प्रयासों के विस्तार के साथ देशभर में विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण ढांचे का महत्व बढ़ गया है। सहकारी क्षेत्र में 2023 में शुरू की गई विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण योजना ने प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के माध्यम से भंडारण, प्रसंस्करण, खरीद और वितरण प्रणालियों को बेहतर बनाने में मदद की है।'

इस योजना को संस्थागत समन्वय और वित्तीय सहायता तंत्र के माध्यम से समर्थन दिया जा रहा है। 9,750 मिलियन टन भंडारण क्षमता वाले 11 राज्यों में पायलट परियोजनाओं से शुरू हुई यह पहल लगातार विस्तार कर रही है। फैक्टशीट के अनुसार, जुलाई 2026 तक देशभर में 313 पीएसीएस में गोदामों का निर्माण पूरा हो चुका था, जिससे 1.80 लाख टन (एलएमटी) से अधिक की भंडारण क्षमता तैयार हुई है। इस ढांचे में गुणवत्ता मानकों, पारदर्शिता और संचालन की व्यवहार्यता पर भी जोर दिया गया है। सहकारी क्षेत्र में विकेंद्रीकृत अनाज भंडारण योजना का उद्देश्य खाद्यान्न की बर्बादी को कम करना और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करना, किसानों को संकट में बिक्री से बचने और बेहतर कीमत प्राप्त करने के लिए अधिक लचीलापन देना,खरीद केंद्रों, गोदामों और उचित मूल्य दुकानों के बीच परिवहन लागत कम करना और कृषि गतिविधियों में विविधता लाकर प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) की भूमिका का विस्तार करना है।

# भारत में खतरनाक बनती जा रही है इंफेक्शन वाली बीमारी, ढीठ बैक्टीरिया पर दवाओं का नहीं हो रहा असर, ICMR ने दी चेतावनी

दवाएं इसलिए बनती है ताकि यह बीमारी को खत्म करें. एंटीबायोटिक दवा भी इसीलिए बनी थी ताकि यह शरीर में घुसे जहरीले बैक्टीरिया को मार सके लेकिन आजकल बैक्टीरिया इतने ढीठ हो गए हैं कि ये एंटीबायोटिक दवाओं को मूली-गाजर की तरह समझने लगे है. एंटीबायोटिक का इस पर कोई असर नहीं हो रहा है. भारत में दवाओं के असर पर निगरानी करने वाली संस्था इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ढ्ढष्टरूक्र ने इसके लिए चेतावनी जारी की है.

जब भी हमें सर्दी, जुकाम, बुखार आदि लगता है हम केमिस्ट की दुकान से सीधे दवा खरीद लेते हैं. इन दवाओं में अधिकांश एंटीबायोटिक होता है. लेकिन डॉक्टरों का कहना है कि ये परेशानियां अक्सर वायरस के कारण होती है हम एंटीबायोटिक खा लेते हैं. एंटीबायोटिक दवा बैक्टीरिया को मारने के लिए होती है. ऐसे में अगर एंटीबायोटिक दवा लेते हैं तो धीरे-धीरे ये बैक्टीरिया ढीठ होने लगता है और दवाओं के खिलाफ अपना प्रतिरोध बढ़ा लेता है जिससे दवाओं का असर इस पर नहीं होता है. अब आईसीएमआर ने इसके खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है. आईसीएमआर ने अपने एक अध्ययन में पाया है कि ग्राम निगेटिव बैक्टीरिया वाला इंफेक्शन से मौत का खतरा कई गुना बढ़ गया जो पूरे देश के लिए चिंता की बात है. ग्राम निगेटिव बैक्टीरिया वह होता है जो दवाओं के खिलाफ अपने शरीर में प्रतिरोध पैदा कर लेता है जिसके कारण अगर कोई व्यक्ति एंटीबायोटिक दवा खाता है तो बैक्टीरिया पर इसका असर नहीं होता है.

हाई एंटीबायोटिक भी हो जाती है बेअसर

ग्राम निगेटिव बैक्टीरिया बेहद खतरनाक इंफेक्शन फैलाते हैं. ये आमतौर पर लंग्स, पेशाब की नली, घाव और खून को संक्रमित करता है. मुख्य तौर पर ई. कोलाई, क्लेबसिएला न्यूमोनिया, एकिनेटोबैक्टर बॉमनाइ और स्यूडोमोनास एरुगिनोसा बैक्टीरिया ग्राम बैक्टीरिया के उदाहरण है. इन सबसे गंभीर इंफेक्शन होता है और इसके लिए हाई एंटीबायोटिक दवा का इस्तेमाल डॉक्टर करते हैं. इसके लिए हाई एंटीबायोटिक कार्बापेनम का इस्तेमाल किया जाता है. लेकिन जब ये बैक्टीरिया कार्बापेनम के प्रति भी प्रतिरोधी हो जाते हैं, तो डॉक्टरों के पास मरीजों का इलाज करने के लिए बहुत कम असरदार दवाएं बचती हैं. आईसीएमआर के वैज्ञानिकों ने अस्पतालों में भर्ती इन बैक्टीरिया से पीड़ित मरीजों पर अध्ययन किया और पाया कि इन मरीजों पर हाई एंटीबायोटिक भी फेल हो रहा है. अध्ययन में 1. 60 लाख भर्ती मरीजों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया. इनमें से 26,213 मरीजों में ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरियल संक्रमण की पुष्टि हुई थी. इनमें 61.1% ऐसे मरीज थे जिनप कार्बापेनम एंटीबायोटिक दवा भी असर नहीं कर रही थी. इतना ही नहीं, इन मरीजों पर इलाज का खर्चा दो गुना से भी ज्यादा बढ़ जाता है.

क्यों एंटीबायोटिक हो जाती हैं बेअसर

सी के बिड़ला अस्पताल, गुरुग्राम में इंटरनल मेडिसीन के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. तुषार तायल बताते हैं कि आमतौर पर लोग जिन कारणों से एंटीबायोटिक दवाएं लेते हैं उनमें से 90 प्रतिशत में एंटीबायोटिक दवा लेने की जरूरत ही नहीं होती. ये बीमारियां वायरस, फंगल, पैरासाइटिक आदि होते हैं. इन बीमारियों का निश्चित जीवनकाल होता है. यानी दो-तीन, चार या इससे ज्यादा दिनों के जीवनकाल को शरीर में पूरा कर लेते हैं और कुछ अपने आप मर जाते हैं तो कुछ को हमारे शरीर में मौजूद इम्यून सिस्टम मार देता है. इसलिए इन बीमारियों में एंटीबायोटिक लेने की जरूरत नहीं होती है. ऐसे में जब हम इन बीमारियों में एंटीबायोटिक ले लेते हैं. इससे बीमारी पर तो कोई असर नहीं होता लेकिन बैक्टीरिया इन दवाओं के खिलाफ धीरे-धीरे ढीठ होने लगते हैं. ये एंटीबायोटिक हमारे पेट में हमेशा मौजूद रहने वाले अरबों बैक्टीरिया में से एक-दो बैक्टीरिया के डीएनए में अचानक बदलाव करने में मदद करता है।

जब बैक्टीरिया का शरीर बदल जाता है तो यह उस एंटीबायोटिक के खिलाफ प्रतिरोध पैदा कर लेता है. धीरे-धीरे ये बैक्टीरिया हेल्दी बैक्टीरिया को मारने लगता है और अपनी आबादी बढ़ाने लगता है. ये बैक्टीरिया अपने प्रतिरोधी जीन को आसपास के अन्य बैक्टीरिया में ट्रांसफर कर देते हैं. इसका नतीजा यह होता है कि जब बीमारी वाले बैक्टीरिया हमारे शरीर में घुसता है तो यह भी एंटीबायोटिक के खिलाफ प्रतिरोधी जीन को ग्रहण कर लेता है और दवा के असर को बेअसर कर देता है।

# ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि, स्टेम सेल से तैयार किया हृदय वाल्व टिशू

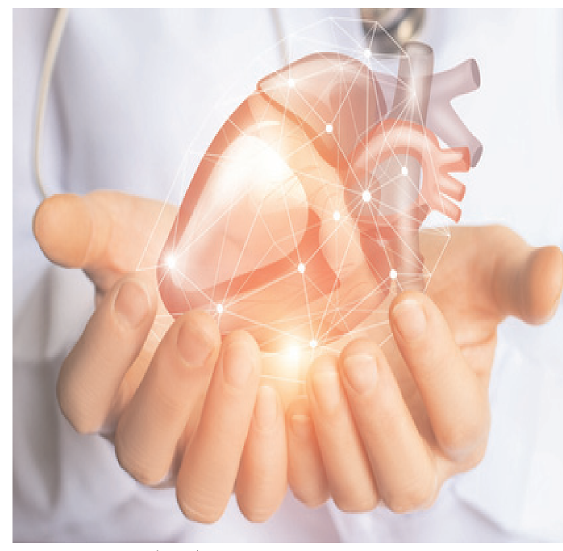

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। टीम ने स्टेम सेल से इंसानी हृदय के वाल्व जैसा ऊतक (टिशू) तैयार किया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में खासकर बच्चों में हृदय वाल्व से जुड़ी गंभीर बीमारियों के इलाज का नया रास्ता खोल सकती है।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, मर्डोक चिल्ड्रन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट (एमसीआरआई) के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में प्रयोगशाला में तैयार किए गए हृदय वाल्व के ऊतक, मानव शरीर में मौजूद वाल्व की तरह बढ़ते और व्यवहार करते नजर आए। यह शोध 'सेल स्टेम सेल' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस तकनीक से अब यह समझना आसान होगा कि इंसानी हृदय के वाल्व जन्म से लेकर वयस्क होने तक कैसे विकसित होते हैं और बीमारी या संक्रमण की वजह से उनमें किस तरह का बदलाव आता है।

एमसीआरआई की हार्ट रीजेनरेशन ग्रुप की टीम लीडर हॉली वोगेस ने कहा कि यह सफलता क्षतिग्रस्त हृदय वाल्व की मरम्मत के लिए ऐसे उपचार विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिनमें शरीर की अपनी कोशिकाओं का इस्तेमाल किया जा सके।

दुनिया भर में करीब 2.8 करोड़ लोग हृदय वाल्व की बीमारी से पीड़ित हैं। इसके पीछे जन्मजात समस्याएं, संक्रमण और उम्र के साथ वाल्व का कमजोर होना जैसे कई कारण हो सकते हैं। मौजूदा समय में क्षतिग्रस्त वाल्व को दोबारा स्वस्थ करने का कोई ऐसा उपचार नहीं है, जो बीमार को एकदम तंदुरुस्त कर दे। ऐसे में कई मरीजों को वाल्व बदलने की सर्जरी का सहारा लेना पड़ता है।

इस शोध की खास बात यह है कि वैज्ञानिकों ने तैयार किए गए ऊतक का इस्तेमाल रूमेटिक हार्ट डिजीज (आरएचडी) को समझने के लिए भी किया। जब शोधकर्ताओं ने आरएचडी से जुड़े सूजनकारी प्रोटीन इन ऊतकों के संपर्क में लाए, तो ऊतक कठोर हो गए और उनमें ऐसे जैविक संकेतक दिखाई दिए, जो रोगग्रस्त मानव हृदय वाल्व में पाए जाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में आरएचडी का असर वहां की स्वदेशी आबादी पर अपेक्षाकृत अधिक है। वैज्ञानिकों का कहना है कि नया प्रयोगशाला मॉडल इस बीमारी को समझने और भविष्य में इसके बेहतर उपचार विकसित करने में मदद कर सकता है।

एमसीआरआई के प्रोफेसर एंजो पोरेल्लो ने कहा कि भविष्य में इसी तकनीक से ऐसे हृदय वाल्व बनाए जा सकते हैं, जो मरीज के शरीर के साथ बढ़ें और बदलती जरूरतों के अनुसार खुद को ढाल सकें।

अगर यह तकनीक आगे के परीक्षणों में सफल रहती है, तो बच्चों के लिए इसका महत्व और भी बढ़ सकता है। वर्तमान वाल्व प्रत्यारोपण की एक बड़ी चुनौती यह है कि बच्चे के बढ़ने के साथ वाल्व को भी बदलने की जरूरत पड़ सकती है।

## बागेश्वर के गोलना में चूल्हे पर तैयार मच्छी-भात का जादू, पिंडारी ट्रैक के मुश्किल सफर में पर्यटकों को खूब भा रहा पहाड़ी स्वाद

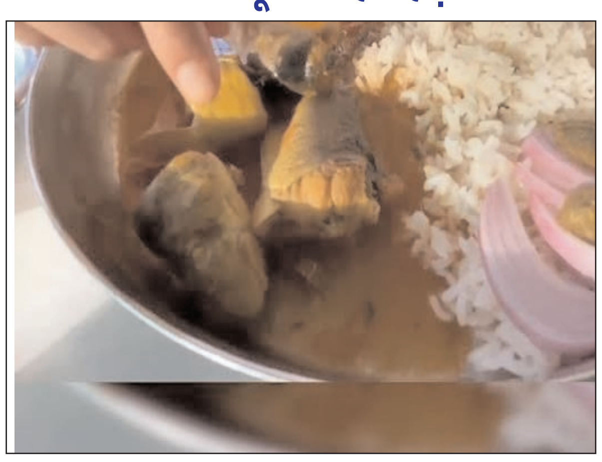

ऊंचे बर्फीले पहाड़, कलकल बहती नदियां और रहस्यमयी ग्लेशियर... उत्तराखंड के बागेश्वर का सम्मोहन सिर्फ इन नजारों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की आबोहवा में रचे-बसे पारंपरिक जायके भी मुसाफिरों की रूह को तृप्त कर देते हैं. पिंडारी ग्लेशियर के दुर्गम रास्तों पर थकान से चूर कदमों को जब गोलना गांव में चूल्हे पर पके ठेठ पहाड़ी 'मच्छी-भात' की सोंधी खुशबू मिलती है, तो सफर सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि देवभूमि की ग्रामीण संस्कृति का जीवंत उत्सव बन जाता है.

उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में पर्यटन केवल ऊंचे पहाड़ों, नदियों और ग्लेशियरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां का पारंपरिक खानपान भी बाहर से आने वाले लोगों को अपनी ओर खींचता है. पिंडारी ग्लेशियर की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित गोलना गांव में स्थानीय स्वाद और पहाड़ी संस्कृति का ऐसा ही अनूठा मेल देखने को मिलता है. यहां मिलने वाला पारंपरिक मच्छी-भात यात्रियों और पर्यटकों के बीच खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है.

ढाबों से आती सोंधी खुशबू

गोलना पहुंचते ही सड़क किनारे बने छोटे ढाबों और स्थानीय भोजनालयों से आती पहाड़ी व्यंजनों की खुशबू यात्रियों का ध्यान खींचती है. पहाड़ी अंदाज में तैयार की गई ताजी मछली और गर्मागर्म चावल की थाली को स्थानीय लोग सादगी भरे भोजन की पहचान मानते हैं. पहाड़ की यात्रा के दौरान थकान मिटाने के लिए पर्यटक कुछ देर यहां रुकते हैं।

# कल की बची दाल-सब्जी को ऐसे दें नया ट्विस्ट, घर में कोई पहचान भी नहीं पाएगा

बची हुई दाल और सब्जी को दोबारा गर्म करने के बजाय चीला, रोल या कटलेट जैसे नए स्नैक्स में बदला जा सकता है. इससे खाने की बर्बादी कम होती है और परिवार को एक ही भोजन का नया स्वाद मिलता है.

कल की बची दाल या सब्जी देखकर अक्सर मन में पहला ख्याल आता है कि इसे फिर से गर्म करके खा लिया जाए, लेकिन रोज-रोज एक ही स्वाद सामने हो तो खाने में दिलचस्पी कम हो जाती है. ऐसे में थोड़ी सी समझदारी से बची हुई दाल-सब्जी को एक नई डिश में बदला जा सकता है. खास बात यह है कि इसके लिए बहुत ज्यादा सामान या मेहनत की जरूरत नहीं पड़ती. बची हुई दाल-सब्जी को फेंकने की बजाय अपनाएं स्ढ्ढद्बल्श1द्गह्र स्ढ्ढ्रद्ग्श1द्गह्र भारतीय घरों में खाना थोड़ा बच जाना आम बात है. कभी दाल ज्यादा बन जाती है तो कभी सब्जी की मात्रा अनुमान से अधिक हो जाती है.

अगले दिन वही खाना फ्रिज से निकलता है और कई बार परिवार के लोग उसे खाने में आनाकानी करने लगते हैं. यहीं से शुरू होता है स्ढ्ढद्बल्श1द्गह्र स्ढ्ढ्रद्ग्श1द्गह्र का आसान तरीका. बची हुई दाल को सिर्फ दोबारा गर्म करने के बजाय उसका इस्तेमाल पराठे, चीला या कटलेट बनाने में किया जा सकता है. इसी तरह सूखी सब्जी से सैंडविच, रोल या स्टफ्ड पराठा तैयार हो सकता है. स्वाद भी बदल जाता है और खाना बेकार जाने से बच जाता है.

**बची दाल से बनाएं कुरकुरा चीला**

अगर रात की दाल बच गई है तो उसे सुबह के नाश्ते में इस्तेमाल किया जा सकता है. दाल को एक कटोरे में निकालकर अच्छी तरह मैश करें. इसमें थोड़ा बेसन या सूजी, बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, धनिया और स्वाद के हिसाब से नमक डालें. जरूरत के मुताबिक थोड़ा पानी डालकर घोल तैयार करें. तवे पर हल्का तेल लगाकर इस मिश्रण को चीले की तरह फैलाएं. दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेंकें. दही या हरी चटनी के साथ परोसने पर किसी को आसानी से अंदाजा नहीं होगा कि इसकी शुरुआत बची हुई दाल से हुई है.

सूखी आलू, गोभी, मटर या मिक्स वेजिटेबल की सब्जी बची है तो उसे एकदम नए अंदाज में परोसा जा सकता है. सब्जी को थोड़ा मैश करके उसमें बारीक प्याज, धनिया और चाट मसाला मिलाएं, अगर सब्जी में ग्रेवी ज्यादा है तो उसे कुछ देर पैन में पकाकर थोड़ा सूखा लें. अब रोटी या पराठे पर हरी चटनी लगाएं और बीच में तैयार सब्जी रखें. ऊपर से प्याज और थोड़ा नींबू डालकर रोल बना लें. बच्चों के टिफिन के लिए भी यह तरीका काम आ सकता है. कई बार जो बच्चा बची सब्जी नहीं खाता, वही रोल देखकर उसे आराम से खा लेता है.

**बचे खाने से बन सकते हैं स्वादिष्ट कटलेट**

दाल और सब्जी दोनों थोड़ी-थोड़ी बची हैं तो उन्हें मिलाकर कटलेट भी बनाए जा सकते हैं. मिश्रण में उबला आलू, थोड़ा ब्रेड क्रम्ब्स या सूजी डालने से बाइंडिंग अच्छी हो जाती है. मसाले अपनी पसंद के अनुसार रख सकते हैं।

# केला खाने का सही समय कौन सा? सुबह, खाली पेट या रात, जानिए क्या कहता है विज्ञान

बहुत से लोग केले को नाश्ते, वर्कआउट से पहले या बाद में और कभी-कभी रात की हल्की भूख के समय भी खा लेते हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया में कई तरह की धारणाएं मौजूद हैं। कोई इसे सुबह खाली पेट खाने की सलाह देता है तो कोई रात में केला खाने को नुकसानदायक बताता है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो केले को खाने का कोई एक समय नहीं है। केला एक आम फल है, जो कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटैशियम और विटामिन बी6 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। इसे आप अपनी सहूलियत और शरीर की जरूरत के हिसाब से खा सकते हैं।

अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के अनुसार , एक केले में करीब 422 मिलीग्राम पोटैशियम और 0.4 मिलीग्राम विटामिन बी6 होता है। पोटैशियम नसों और मांसपेशियों के काम और शरीर में पानी के संतुलन के लिए जरूरी है, जबकि विटामिन बी6 प्रोटीन के इस्तेमाल और कई एंजाइम संबंधी प्रक्रियाओं में मदद करता है। केले में कार्बोहाइड्रेट भी अच्छी मात्रा में होता है। इसी वजह से जिम जाने वाले और खिलाड़ी इसे स्नैक के तौर पर खाना पसंद करते हैं। इससे तुरंत ऊर्जा मिलती है, लेकिन सिर्फ केला खाने से शरीर की सभी पोषक जरूरतें पूरी नहीं होंगी। इसे संतुलित भोजन का एक हिस्सा मानना बेहतर है।

अगर खाली पेट केला खाना सही है या गलत, तो अगर किसी को सुबह केला खाने से कोई परेशानी नहीं होती, तो इसे नाश्ते में शामिल किया जा सकता है।

# होटल के बाथरूम में फिसला शख्स, गलती पर मिले 32,899 रुपये; क्या आपको पता हैं अपने ये 5 अधिकार?

अक्सर लोग सोचते हैं कि होटल के कमरे में होने वाले हादसों की पूरी जिम्मेदारी हमारी खुद की है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है.अगर होटल की लापरवाही या रख-रखाव में कमी के कारण मेहमान को चोट या नुकसान होता है, तो परिस्थितियों के आधार पर इसे Consumer Protection Act के तहत 'सेवा में कमी' माना जा सकता है. क्या आप जानते हैं कि ऐसी स्थिति में कानून आपको कौन-कौन से अधिकार देता है? आइए जानते हैं उन 5 जरूरी कानूनी अधिकारों के बारे में, जिन्हें हर यात्री को होटल में ठहरने से पहले जरूर पता होना चाहिए।

जब भी हम किसी होटल में ठहरते हैं, तो हमारा मकसद आराम और सुकून होता है. लेकिन अगर होटल की लापरवाही के कारण वहां कोई हादसा हो जाए तो क्या आपको मुआवजा मिल सकता है? हाल ही में सामने आए एक मामले ने इस सवाल को फिर चर्चा में ला दिया है.

मामला एक 70 वर्षीय होटल गेस्ट से जुड़ा है, जो दिल्ली के एक होटल के बाथरूम में फिसलकर घायल हो गए थे. इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया. मामले की सुनवाई चंडीगढ़ जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में हुई. आयोग ने होटल और संबंधित सर्विस कंपनी को कुल 32,899 रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया. रिपोर्ट के मुताबिक, इसमें मेडिकल खर्च और मानसिक परेशानी व मुकदमेबाजी से जुड़ी राशि शामिल थी.

यह मामला एक जरूरी बात समझाता है. होटल में ठहरने के बाद आप सिर्फ एक कमरे के लिए पैसे नहीं देते, बल्कि होटल से उचित और सुरक्षित सेवा की उम्मीद भी करते हैं. अगर होटल की लापरवाही या रख-रखाव की कमी के कारण आपको नुकसान होता है, तो परिस्थितियों के आधार पर यह 'सेवा में कमी' (Deficiency in Service) का मामला बन सकता है.

**1. सुरक्षित सेवा पाने का अधिकार**

Consumer Protection Act के तहत उपभोक्ताओं को ऐसी सेवाओं से सुरक्षा पाने का अधिकार है जो उनके जीवन और संपत्ति के लिए खतरनाक हो सकती हैं. होटल में भी इसका मतलब यह है कि होटल से ली गई सेवा में उचित सुरक्षा का ध्यान रखा जाना चाहिए.

मसलन, अगर बाथरूम का फर्श लगातार गीला है, कोई लीकेज है, टाइल टूटी हुई है या रख-रखाव में ऐसी कमी है जिससे हादसे का खतरा पैदा होता है और होटल को इसकी जानकारी होने के बावजूद उचित कदम नहीं उठाए जाते, तो मामला गंभीर हो सकता है.

हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि हर होटल हादसा अपने आप होटल की लापरवाही साबित नहीं करता. मामले की परिस्थितियां और उपलब्ध सबूत काफी मायने रखते हैं.

**2. सेवा में कमी होने पर मुआवजा मांगने का अधिकार**

अगर होटल की सेवा में कमी के कारण आपको आर्थिक नुकसान, चोट या मानसिक परेशानी होती है, तो आप उचित मुआवजे की मांग कर सकते हैं.

मसलन, हादसे के बाद हुए इलाज का खर्च, दवाइयों के बिल और परिस्थितियों के आधार पर मानसिक परेशानी के लिए भी राहत मांगी जा सकती है. हालांकि मुआवजा मिलेगा या कितना मिलेगा, इसका फैसला मामले के तथ्यों और सबूतों को देखकर संबंधित उपभोक्ता आयोग करता है.

चंडीगढ़ के इस मामले में भी आयोग ने होटल से जुड़ी सेवा में कमी को ध्यान में रखते हुए 32,899 रुपये देने का आदेश दिया.

**3. शिकायत और समाधान मांगने का अधिकार**

होटल में रहने के दौरान अगर आपको कोई समस्या दिखाई देती है तो उसे नजरअंदाज न करें. बाथरूम में पानी जमा है, फर्श बहुत फिसलन भरा है, गीजर या बिजली का उपकरण खराब है या कमरे में कोई ऐसी कमी है जिससे सुरक्षा को खतरा हो सकता है, तो तुरंत होटल के फ्रंट डेस्क या मैनेजर को इसकी जानकारी दें.

जहां संभव हो, शिकायत लिखित में करें या ईमेल/मैसेज के जरिए जानकारी दें. इससे आपके पास शिकायत का रिकॉर्ड रहेगा. बाद में विवाद होने पर यह रिकॉर्ड आपके लिए उपयोगी हो सकता है.

**4. अनुचित शर्तों के खिलाफ संरक्षण**

होटल बुक करते समय हम उसकी Terms and Conditions को अक्सर पढ़े बिना स्वीकार कर लेते हैं. लेकिन किसी होटल की शर्तें उपभोक्ता के कानूनी अधिकारों को खत्म नहीं कर देतीं।

अगर कोई शर्त कानून के तहत अनुचित मानी जाती है, तो उपभोक्ता उचित मंच पर उसके खिलाफ शिकायत कर सकता है. इसी तरह होटल द्वारा विज्ञापन या बुकिंग के समय जिन सुविधाओं का वादा किया गया है, उनमें गंभीर कमी होने पर भी उपभोक्ता अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकता है. इसलिए होटल की बुकिंग रसीद, बिल और बुकिंग के समय किए गए वादों के स्क्रीनशॉट संभालकर रखना अच्छी आदत है.

**5. उपभोक्ता आयोग में शिकायत करने का अधिकार**

अगर होटल आपकी शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं करता या लापरवाही के कारण हुए नुकसान के लिए राहत देने से इनकार करता है, तो आप उपभोक्ता आयोग का रुख कर सकते हैं.

शिकायत के साथ आपके पास जितने ज्यादा ठोस सबूत होंगे, उतना बेहतर होगा. उदाहरण के लिए होटल के कमरे या बाथरूम की तस्वीरें, वीडियो, मेडिकल रिपोर्ट, डॉक्टर की पर्ची, दवाइयों के बिल, होटल की बुकिंग रसीद और होटल प्रबंधन को भेजी गई शिकायत काफी उपयोगी हो सकती है।

# मनोचिकित्सक का नंबर भेज दूं, विशाल सिंह के तंज पर असीम रियाज बोले- मेरा नाम जपना बंद कर

मुंबई। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर असीम रियाज पिछले काफी दिनों से टेलीविजन इंडस्ट्री के कलाकार और बिग बॉस एक्स कंटेस्टेंट को निशाना बना रहे थे, जिसे देखते हुए गुरूवार को अभिनेता विशाल सिंह ने असीम रियाज को आड़े हाथ लिया।

## विशाल सिंह ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया नोट

अभिनेता विशाल सिंह ने इंस्टाग्राम पर नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने असीम रियाज को समझाते हुए उन्हें शांत रहने की हिदायत दी। विशाल सिंह ने लिखा, "आपकी पहचान बस पूर्व बिग बॉस प्रतियोगी की हैं और यही बनकर रह जाएंगे तो असीम भाई, प्लीज शांत रहें और बोलो 'जय श्री राम'।'

> उन्होंने आगे लिखा, "मनोचिकित्सक का नंबर याद से भेज दूं। मैं आपको सुरेश वाडकर म्यूजिक स्कूल का नंबर भेजता हुं और एक जिम का कूपन भी उसके साथ होगा।"
>
> उन्होंने आगे नोट में इंजेक्शन का इमोजी लगाते हुए लिखा, "भाई इससे सिर्फ बॉडी बनती है, दिमाग के लिए भी कुछ देखो।"
>
> उन्होंने आखिरी में लिखा, "आर्ट 0% और बकवास का टैलेंट 100%।"

## विशाल सिंह के पोस्ट करने के बाद असीम रियाज ने दिया जवाब

अभिनेता विशाल सिंह ने इंस्टाग्राम पर नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने असीम रियाज को समझाते हुए उन्हें शांत रहने की हिदायत दी। विशाल सिंह ने लिखा, 'आपकी पहचान बस पूर्व बिग बॉस प्रतियोगी की हैं और यही बनकर रह जाएंगे तो असीम भाई, प्लीज शांत रहें और बोलो 'जय श्री राम'।'
उन्होंने आगे लिखा, 'मनोचिकित्सक का नंबर याद से भेज दूं। मैं आपको सुरेश वाडकर म्यूजिक स्कूल का नंबर भेजता हूं और एक जिम का कूपन भी उसके साथ होगा।'
उन्होंने आगे नोट में इंजेक्शन का इमोजी लगाते हुए लिखा, 'भाई इससे सिर्फ बॉडी बनती है, दिमाग के लिए भी कुछ देखो।'
उन्होंने आखिरी में लिखा, 'आर्ट 0% और बकवास का टैलेंट 100%।'
विशाल सिंह के पोस्ट करने के बाद असीम रियाज ने उन्हें एक्स पर जवाब दिया।
असीम रियाज ने पलटवार करते हुए लिखा, 'विशाल, नेशनल टीवी पर अपनी एक्स गर्लफ्रेंड के हाथों बेलन से पिटने के बाद तुझे कुछ परमानेंट डैमेज हो गया है। हर जगह मेरा नाम जपना बंद कर। अगर तुझे मेरा ध्यान चाहिए तो पॉडकास्ट और मीडिया में स्कैम बैग बनने के बजाय मुझे डीएम कर। टेंशन मत ले, मैं तेरे लिए एक मनोचिकित्सक ढूंढने की पूरी कोशिश करूंगा।'
असीम हाल ही में पॉडकास्ट और मीडिया में उनके बारे में की गई टिप्पणियों को लेकर भी मुखर रहे हैं।
रुबीना दिलैक और हिना खान वाले पॉडकास्ट में जब रियलिटी शो में टीआरपी लाने वाले उनके दावों पर चर्चा हुई, तो उन्होंने 'टीवी इंडस्ट्री की आंटियों और अंकल्स' पर तंज कसा था। असीम ने लिखा था, 'मैंने पॉडकास्ट की एक और क्लिप देखी, जहां टीवी इंडस्ट्री के ये आंटी-अंकल इस बारे में बात कर रहे थे कि मैं हर रियलिटी शो में टीआरपी लाता हूं तो इसका जवाब है हां, मैं लाता हूं।

# 'अनुपमा' एक्ट्रेस अद्रिजा रॉय ऐसे मनाएंगी जन्माष्टमी, कृष्ण की इस सीख को जिंदगी में उतारने की करती हैं कोशिश

विश्व केसरी

**मुंबई।** टीवी शो 'अनुपमा' में नजर आ रही एक्ट्रेस अद्रिजा रॉय इस साल जन्माष्टमी को लेकर काफी उत्साहित हैं। उनके लिए जन्माष्टमी सिर्फ एक त्योहार नहीं है बल्कि परिवार के साथ समय बिताने, पूजा-पाठ करने और भगवान कृष्ण की शिक्षाओं को अपनी जिंदगी से जोड़ने का भी मौका है। उन्होंने बताया कि वह इस खास दिन को अपने परिवार के साथ मनाना पसंद करती हैं। वह त्योहार का आनंद लेने के साथ-साथ कुछ समय प्रार्थना में बिताती हैं और कोशिश करती हैं कि कृष्ण की कही बातों के असली मतलब को अपनी जिंदगी में भी उतार सकें।

मीडिया को दिए खास इंटरव्यू में अद्रिजा ने जन्माष्टमी मनाने के अपने तरीके के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''मुझे परिवार के साथ यह त्योहार मनाना अच्छा लगता है। मैं किसी बहुत मुश्किल या लंबे रीति-रिवाज का पालन नहीं करतीं लेकिन जन्माष्टमी के लिए समय जरूर निकालती हूं। मेरे लिए इस दिन का माहौल, प्रार्थना और परिवार के साथ रहना ही सबसे खास बात है। त्योहार को मनाने के साथ-साथ उससे जुड़े अर्थ को समझना भी जरूरी है।''

भगवान कृष्ण के उपदेशों में से जिस बात को अद्रिजा अपनी जिंदगी में सबसे ज्यादा अपनाने की कोशिश करती हैं, वह है बिना नतीजे की चिंता किए अपना सर्वश्रेष्ठ देना। उन्होंने कहा, ''इंसान हर चीज को अपने हिसाब से कंट्रोल नहीं कर सकता लेकिन वह अपनी मेहनत और कोशिश को जरूर कंट्रोल कर सकता है। इसलिए मैं अपने काम पर ध्यान देने और पूरी मेहनत करने की कोशिश करती हूं। अगर नतीजा अच्छा आता है तो मुझे खुशी होती है लेकिन अगर चीजें मेरी मुताबिक नहीं होतीं तो मैं उससे सीख लेकर आगे बढ़ने की कोशिश करती हूं।''

अद्रिजा ने कहा, ''मेरी जिंदगी में भी ऐसे मौके आए हैं, जब मुझे आसान और सही रास्ते में से किसी एक को चुनना पड़ा। कई बार आसान विकल्प आकर्षक लगता है लेकिन अगर आपका दिल कह रहा है कि कुछ सही नहीं है, तो आपको उसकी आवाज सुननी चाहिए। भले ही उस समय सही फैसला लेना मुश्किल लगे लेकिन बाद में इंसान अपने फैसले को लेकर खुद के बारे में बेहतर महसूस करता है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि कृष्ण की कहानी की सबसे खूबसूरत बातों में से एक यह है कि जिंदगी में मुश्किल दौर हमेशा नहीं रहता।

# 'आवारापन 2' में इमरान और दिशा की आवाज के पीछे है इस शख्स का हाथ

**मुंबई।** इमरान हाशमी फिल्म 'आवारपन-2' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। गुरुवार को वॉयस-ओवर कलाकार विजय विक्रम सिंह ने बताया कि उन्होंने फिल्म के कलाकार इमरान हाशमी और दिशा पाटनी की आवाज में परिवर्तन के लिए काम किया था।

विजय विक्रम सिंह ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिसमें इमरान हाशमी अभिनेत्री दिशा पाटनी के साथ नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने बताया कि दोनों कलाकारों की आवाज में परिवर्तन लाने के लिए कई तरह की तकनीक और एक्सरसाइज पर काम किया गया था।

उन्होंने लिखा, ''आवारपन-2' जबरदस्त हिट रही है और मुझे खुशी है कि मैं भी अपने छोटे से तरीके से इसमें योगदान दे पाया। हाल ही में मुझे फिल्म 'आवारापन-2' के लिए दिशा पाटनी और इमरान हाशमी को वॉयस की ट्रेनिंग देने का मौका मिला। दोनों के किरदारों में एक गंभीर और इंटेंस पर्सनैलिटी है और सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि उनकी आवाज इमोशनल दुनिया को सूट करे।'

उन्होंने लिखा, 'उनकी आवाज थोड़ी भारी, गहरी और कंट्रोल, बिना बनावटी लगे। हमने सांसों पर कंट्रोल, ब्रीदिंग टेक्निक और ऐसी एक्सरसाइज पर काम किया जिससे उन्हें अपने लोअर नोट्स तक पहुंचने और उसे बनाए रखने में मदद मिली। मैंने वर्बलाइजेशन तकनीक का भी इस्तेमाल किया ताकि वे अपनी आवाज को किरदार की अंदरूनी भावनाओं से जोड़ सकें ताकि गहराई सिर्फ सुनाई ही न दे बल्कि महसूस भी हो।'

उन्होंने बताया कि आवाज एक एक्टर का सबसे बड़ा हथियार होती है, जो बिना चेहरा दिखाए किरदार पहचान सकती है।

# जैकी श्रॉफ ने प्यारेलाल और शक्ति कपूर को दी जन्मदिन की बधाई, सोशल मीडिया पर खास अंदाज में किया याद

विश्व केसरी

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने दिग्गज संगीतकार प्यारेलाल और जाने-माने अभिनेता शक्ति कपूर को उनके जन्मदिन पर खास अंदाज में शुभकामनाएं दीं। जैकी ने सोशल मीडिया पर दोनों कलाकारों की तस्वीरें शेयर करते हुए उनके लिए बेहद प्यारा मैसेज लिखा। उन्होंने संगीतकार प्यारे लाल के लिए जहां सम्मान जताया, वहीं शक्ति कपूर के लिए खुशियों से भरी जिंदगी की कामना की।

जैकी श्रॉफ ने सबसे पहले मशहूर संगीतकार प्यारे लाल को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने प्यारे लाल की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह वायलिन बजाते हुए नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ जैकी ने लता मंगेशकर और मुकेश की आवाज में फिल्म 'शोर' का मशहूर गाना 'एक प्यार का नगमा है' भी जोड़ा। यह गाना लक्ष्मीकांत-प्यारे लाल की जोड़ी के सबसे यादगार गानों में शामिल है। तस्वीर के साथ जैकी ने लिखा, 'मेरे मन में प्यारेलाल के लिए हमेशा सम्मान रहेगा। प्यारेलाल का जन्म 3 सितंबर 1940 को हुआ था। वह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे मशहूर संगीतकारों में गिने जाते हैं। उनका नाम खास तौर पर लक्ष्मीकांत-प्यारे लाल की जोड़ी की वजह से जाना जाता है। प्यारे लाल ने लक्ष्मीकांत शांताराम कुदलकर के साथ मिलकर इस जोड़ी को बनाया था। दोनों ने लंबे समय तक साथ काम किया और हिंदी सिनेमा को एक से बढ़कर एक यादगार गाने दिए।

लक्ष्मीकांत-प्यारे लाल की जोड़ी ने कई बड़ी फिल्मों के लिए संगीत दिया। 'शोर' का 'एक प्यार का नगमा है', 'सरगम' का 'ढपली वाले ढपली बजा', 'सत्यम शिवम सुंदरम' का टाइटल सॉन्ग, 'कर्ज' का 'ओम शांति ओम' और 'अमर अकबर एंथनी' का 'पर्दा है पर्दा' आज भी लोगों की जुबान पर हैं। इसके अलावा 'क्रांति' का 'जिंदगी की ना टूटे लड़ी', 'एक दूजे के लिए' का 'तेरे मेरे बीच में', 'राम लखन' का 'माय नेम इज लखन' और 'तेजाब' का 'सो गया ये जहां' भी इस जोड़ी के बेहद लोकप्रिय गानों में शामिल हैं।

प्यारे लाल के योगदान को देखते हुए उन्हें साल 2024 में देश के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया। संगीत की दुनिया में उनके लंबे योगदान को देखते हुए यह सम्मान उनके लिए बेहद खास रहा।

इसके बाद जैकी श्रॉफ ने अभिनेता शक्ति कपूर को भी जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने शक्ति कपूर की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह ब्लैक सूट में काफी स्टाइलिश नजर आ रहे हैं। जैकी ने तस्वीर के साथ लिखा, 'आपकी जिंदगी में हमेशा खुशियां बनी रहें।'

# प्रियंका चोपड़ा को याद आया 2017 का समर, बताया कब दिया था निक जोनस को अपना नंबर

विश्व केसरी

**मुंबई।** अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने अपने निजी जिंदगी के बारे में दिलचस्प बात शेयर की है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उस समर को याद किया, जब उन्होंने पति निक जोनस को अपना नंबर दिया था।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक मोंटाज वीडियो पोस्ट किया, जिसमें पति निक जोनस के शुरुआती दिन, यात्राएं और पारिवारिक यादें शामिल हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 'ओह हां! मुझे याद है वो गर्मी, जब मैंने तुम्हें अपना नंबर दिया था... लगभग: गर्मी 2017 साउंड ऑन न्यू सॉन्ग आउट नाउ 7 '

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के वीडियो में गोवा में फैमिली हॉलिडे की एक तस्वीर भी शामिल थी, जिसमें अभिनेत्री की छोटी बहन और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और परिवार के दूसरे सदस्य एक साथ पोज दे रहे हैं। परिणीति ने वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'वाह, वह गोवा ट्रिप बहुत ही खास थी।'

प्रियंका और निक की लव स्टोरी की बात करें तो, कपल की पहली मुलाकात फरवरी 2017 में वैनिटी फेयर ऑस्कर की आफ्टर पार्टी में हुई थी, लेकिन निक महीनों पहले ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डीएम पर मैसेज किया था।

दोनों न्यूयॉर्क में ड्रिंक्स के लिए मिले और बाद में राल्फ लॉरेन ने उन्हें 2017 मेट गाला में साथ आने के लिए इनवाइट किया था।

निक जोनस ने 19 जुलाई 2018 को प्रियंका चोपड़ा को प्रपोज किया था। इसके लिए उन्होंने लंदन में टिफनी एंड कंपनी का पूरा स्टोर बंद कराकर उनके लिए परफेक्ट इंगेजमेंट रिंग चुनी थी। इसके बाद दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया और दिसंबर 2018 में जोधपुर में कई दिनों तक चले भव्य समारोह में शादी रचाई। उनकी शादी ईसाई और हिंदू रीति-रिवाजों से संपन्न हुई थी।

जनवरी 2022 में प्रियंका और निक ने सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस का स्वागत किया। हाल ही में प्रियंका 'द जोनस ब्रदर्स पॉडकास्ट' में नजर आई थीं।

इस दौरान उन्होंने अपने रिश्ते को लेकर कई प्यारी बातें साझा कीं।

# रुबीना दिलैक और हिना खान पर भड़के असीम रियाज, बोले-कठपुतली बनकर रोल निभाते रहो

विश्व केसरी

**मुंबई।** टेलीविजन अभिनेत्री रुबीना दिलैक और हिना खान ने हालिया पॉडकास्ट में सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर असीम रियाज को 'न्यूसेंस वैल्यू' कहा था। अब असीम रियाज ने दोनों अभिनेत्रियों का पलटवार करते हुए एक पोस्ट शेयर किया।

असीम रियाज ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक नोट शेयर कर इन टीवी सितारों पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, 'मैंने पॉडकास्ट की एक क्लिप देखी, जिसमें टीवी इंडस्ट्री के आंटी-अंकल बात कर रहे थे कि मैं हर रियलिटी शो में टीआरपी लाता हूं। तो हां, लाता हूं। अपने करियर के लिए गुड लक और इंडस्ट्री में कठपुतली बनकर अपने रोल निभाते रहो।'

दरअसल, इस पॉडकास्ट में टेलीविजन अभिनेत्रियों रुबीना दिलैक और हिना खान दोनों के पति भी शामिल थे। रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला 'द4पीओवी' नाम से एक पॉडकास्ट चलाते हैं, जिसमें वह हिना खान और उनके पति रॉकी के साथ पब्लिसिटी, कॉन्ट्रोवर्सी और रियलिटी शोज को पॉपुलर बनाने में कंटेस्टेंट की भूमिका पर बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने असीम रियाज के उस दावे पर भी चर्चा की, जिसमें उन्होंने रियलिटी शोज की सफलता और टीआरपी में अपने योगदान की बात कही थी।

हिना खान ने एक इंटरव्यू का जिक्र भी किया था, जिसमें असीम रियाज ने बिग-बॉस, खतरों के खिलाड़ी और बैटलग्राउंड जैसे शोज पर अपने असर के बारे में बात की थी। इस चर्चा के दौरान हिना खान ने कहा कि असीम ऐसा दिखा रहे थे कि उनकी वजह से ही इन शोज को पॉपुलैरिटी मिली।

रूबीना दिलैक असीम रियाज के साथ 'बैटलग्राउंड' और 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे शो कर चुकी हैं। अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने आरोप लगाया कि रियलिटी शो 'बैटलग्राउंड' की शूटिंग के दौरान असीम रियाज क्रू और क्रिएटिव टीम के सदस्यों से बेहद अभद्र भाषा में बात करते थे और उन्हें गालियां देते थे।

# बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने राजघाट पर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** भारत की यात्रा पर आए बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बापू के आदर्शों और शांति, अहिंसा व मानवीय गरिमा के उनके सदाबहार संदेशों को अपनाने का आह्वान किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए पोस्ट में जानकारी साझा करते बताया कि बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने महात्मा गांधी के शांति, अहिंसा और मानव गरिमा के स्थायी संदेश को सम्मान देते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। यह श्रद्धांजलि भारत और बेल्जियम के बीच मौजूद घनिष्ठ मित्रता की उन साझा मूल्यों को भी दर्शाती है, जो दोनों देशों के संबंधों की मजबूत नींव हैं।

महात्मा गांधी का जीवन, उनके आदर्श और उनकी विरासत आज भी दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करते हैं।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर गुरुवार को तीन दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे। पिछले साल फरवरी में पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। बेल्जियम के रक्षा मंत्री थियो फ्रेंकेन भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं।

दिल्ली पहुंचने पर विदेश मंत्रालय ने उनका स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर लिखा, भारत में आपका स्वागत है। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर का आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचने पर बहुत गर्मजोशी से स्वागत। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने उनकी अगवानी की। यह यात्रा घनिष्ठ और बहुआयामी भारत-बेल्जियम साझेदारी को और मजबूत करने का अवसर देती है।

आज दिन में बेल्जियम के पीएम डी वेवर की प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। इस दौरान दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं के साथ-साथ आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। बेल्जियम के पीएम डी वेवर भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के संदर्भ में कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के एक बिजनेस कार्यक्रम में मुख्य भाषण भी देंगे।

# किम जोंग-उन ने शिक्षा को बताया सरकारी जिम्मेदारी, शिक्षकों को बताया 'देशभक्त'

विश्व केसरी

**सोल।** उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने बुधवार को शिक्षकों के सम्मेलन में शामिल हुए। शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनकी भूमिका अगली पीढ़ी के निर्माण में बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षकों को देश के भविष्य को तैयार करने की पहली पंक्ति में खड़े 'देशभक्त' बताया।

योनहाप ने उत्तर कोरिया की न्यूज एजेंसी केसीएनए के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग में 15वें राष्ट्रीय शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया है। किम जोंग-उन ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उत्तर कोरिया में शिक्षक सम्मेलन फरवरी 2019 के बाद पहली बार आयोजित हुआ।

किम ने कहा कि शिक्षा ऐसी सबसे महत्वपूर्ण सरकारी जिम्मेदारी है, जिसे किसी भी अन्य क्षेत्र के काम से पीछे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों को समाज में अधिक सम्मान दिए जाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर कोरिया की शिक्षा व्यवस्था, पाठ्यक्रम और शैक्षणिक वातावरण में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। किम ने इन बदलावों को शिक्षा के क्षेत्र में एक तरह की 'क्रांति' करार दिया।

सम्मेलन में उत्तर कोरिया के प्रधानमंत्री पाक थाए-सोंग ने पिछले सात वर्षों के दौरान शिक्षा क्षेत्र में हुई प्रगति और कमियों की समीक्षा की। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में मौजूद खामियों को दूर करने और शहरी तथा ग्रामीण इलाकों के बीच शिक्षा के अंतर को कम करने पर जोर दिया। यह लक्ष्य फरवरी में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया की नौवीं कांग्रेस में भी प्रमुखता से सामने आया था। उत्तर कोरिया के सरकारी अखबार रोडोंग सिनमुन के अनुसार, पिछले शिक्षक सम्मेलन के बाद से देश में करीब 4,320 स्कूलों और किंडरगार्टनों का पुनर्निर्माण या निर्माण किया गया है।

इसके अलावा, किम इल-सुंग विश्वविद्यालय समेत प्रमुख विश्वविद्यालयों में क्रेडिट आधारित शिक्षा व्यवस्था लागू की गई है।

## संक्षिप्त खबर

### पाकिस्तान : बलूचिस्तान में बलूची लोक गायिका की गोली मारकर हत्या

विश्व केसरी

**क्वेटा।** पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के डेरा बुगती इलाके में बुगती जनजाति की एक बलूच लोक गायिका की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, मृतक महिला की पहचान माई सुभाई बुगती के रूप में हुई है। माई सुभाई बुगती को बुगती जनजाति की पहली महिला लोक गायिकाओं में से एक माना जाता था। पुलिस के अनुसार, मोटरसाइकिल पर सवार कुछ अज्ञात हमलावरों ने डेरा बुगती के बाहरी इलाके में माई सुभाई बुगती पर फायरिंग की और फिर मौके से फरार हो गए। गोली लगने से उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और शव को कानूनी प्रक्रिया के लिए अस्पताल भेजा गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि डेरा बुगती में किसी महिला गायिका को निशाना बनाए जाने की यह पहली घटना है। उन्होंने कहा कि हत्या की वजह अभी साफ नहीं है और मामले की जांच जारी है। यह घटना पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा को एक बार फिर सामने लाती है। पिछले महीने, पाकिस्तान के टैक्सिला शहर में 28 वर्षीय कंटेंट क्रिएटर शम्सु बीबी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

### बांग्लादेश में अवामी लीग के नेता की हिरासत में मौत

विश्व केसरी

**ढाका।** बांग्लादेश में अवामी लीग के सदस्यों की हिरासत में मौत का सिलसिला जारी है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चट्टोग्राम सेंट्रल जेल में एक और पार्टी नेता की जेल में तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। मृतक की पहचान 55 वर्षीय नूर इस्लाम के रूप में हुई है, जो मीरसराय नगर पालिका अवामी लीग इकाई के महासचिव थे। उनकी बुधवार दोपहर मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें पहले जेल अस्पताल ले जाया गया। बाद में उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें चट्टोग्राम मेडिकल कॉलेज अस्पताल (सीएमसीएच) भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चट्टोग्राम सेंट्रल जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक इकबाल हुसैन ने बांग्लादेश के प्रमुख अखबार 'द डेली स्टार' को बताया कि नूर इस्लाम को हाल ही में आतंकवाद विरोधी कानून, 2009 के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। उन्होंने कहा कि बुधवार दोपहर उनकी तबीयत खराब हुई और सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें जेल अस्पताल ले जाया गया। इकबाल हुसैन के अनुसार, 'जब उनकी हालत और बिगड़ गई, तो उन्हें चट्टोग्राम मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।' बांग्लादेशी अखबार 'प्रोथोम आलो' से बात करते हुए नूर इस्लाम की पत्नी रोकेया अख्तर ने कहा कि मीरसराय पुलिस ने हाल ही में उनके पति को एक राजनीतिक मामले में गिरफ्तार किया था और अदालत के आदेश पर जेल भेज दिया था।

# सूडान में राहत सामग्री लेकर जा रहे संयुक्त राष्ट्र के ट्रकों पर हवाई हमला

विश्व केसरी

**संयुक्त राष्ट्र।** संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने बताया कि रविवार को दक्षिणी सूडान के दक्षिण कोर्डोफान राज्य में डिलिंग के बाहर उसके दो ट्रकों पर हवाई हमला किया गया। ये ट्रक कडुगली शहर के लिए खाद्य सहायता लेकर जा रहे थे।

डब्ल्यूएफपी ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) जारी एक बयान में कहा कि इस हमले में 50 मीट्रिक टन से अधिक खाद्य सामग्री नष्ट हो गई। यह इतनी मात्रा थी कि इससे लगभग 5,800 लोगों को एक महीने तक जीवनरक्षक खाद्य सहायता उपलब्ध कराई जा सकती थी।

डब्ल्यूएफपी ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ट्रकों पर साफ तौर पर डब्ल्यूएफपी के बैनर और झंडे लगे हुए थे, जिससे उनकी पहचान आसानी से की जा सकती थी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, संस्था ने कहा कि यह हमला सूडान में मानवीय सहायता एजेंसियों के सामने मौजूद कठिन हालात का एक और उदाहरण है।

डब्ल्यूएफपी के अनुसार, इस वर्ष की शुरुआत से अब तक उसके परिसरों और अभियानों पर आठ हवाई हमले हो चुके हैं, जिनसे उसके कामकाज को नुकसान पहुंचा है और राहत कार्य प्रभावित हुए हैं। डब्ल्यूएफपी ने संघर्ष में शामिल सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करने और आम नागरिकों, राहतकर्मियों तथा मानवीय सहायता संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

संस्था ने जोर देकर कहा कि राहतकर्मियों और मानवीय सहायता अभियानों पर हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं और इन्हें तुरंत बंद किया जाना चाहिए। कडुगली में डब्ल्यूएफपी उन लगभग 58,000 लोगों की सहायता कर रहा है जो गंभीर खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं। इन लोगों को खाद्य सामग्री सीधे उपलब्ध कराई जा रही है। स्वयंसेवी मानवाधिकार संगठन इमरजेंसी लॉयर्स'ने भी इस हमले की निंदा की।

# फूजियान प्रांत से तीन बार टकराया 'साउडेल' टाइफून

विश्व केसरी

**बीजिंग।** चीन में इस वर्ष का 18वां तूफान 'साउडेल' गुरुवार सुबह पूर्वी चीन के फुजियान प्रांत के तट पर तीसरी बार टकराया। प्रांतीय मौसम विज्ञान वेधशाला के अनुसार, तूफान के केंद्र के निकट अधिकतम निरंतर हवा की गति 23 मीटर प्रति सेकंड दर्ज की गई।

तूफान गुरुवार सुबह करीब 6:30 बजे फुजियान के झांगझोउ शहर के झांगपु काउंटी के तट से टकराया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 28 अगस्त को साउडेल ने पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत के तट पर दो बार दस्तक दी थी। मौसम विभाग के मुताबिक, पहली बार यह सुबह करीब 8:05 बजे तट से टकराया था, तब इसके केंद्र के पास हवा की अधिकतम रफ्तार 35 मीटर प्रति सेकंड थी।

इसके कुछ ही देर बाद सुबह करीब 9:10 बजे, तूफान ने झेजियांग के वेनझोउ शहर के तट पर दूसरी बार लैंडफॉल किया। उस समय हवा की अधिकतम रफ्तार 33 मीटर प्रति सेकंड थी। झेजियांग प्रांत ने 27

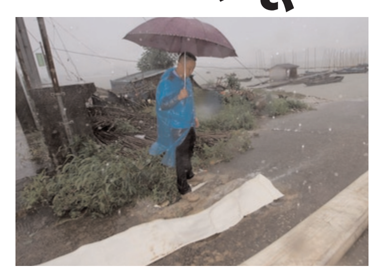

अगस्त को तूफान को देखते हुए आपातकालीन प्रतिक्रिया स्तर को बढ़ाकर लेवल-1 कर दिया था, जो सबसे उच्च स्तर होता है। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए थे कि समुद्र में कोई व्यक्ति, जहाज या अन्य गतिविधि न रहे। फुजियान प्रांत के बाढ़ नियंत्रण और सूखा राहत मुख्यालय के अनुसार, 28 अगस्त सुबह 7 बजे तक लगभग 2,47,700 लोगों को जोखिम वाले इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया था।

इसके अलावा, 80 हजार से अधिक आपातकालीन कर्मी और 80 हजार से ज्यादा उपकरण किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रखे गए थे।

# एआई डेटा सेंटरों का विरोध करने वाले गंवा देंगे एक बड़ा आर्थिक अवसर : हॉवर्ड लटनिक

विश्व केसरी

**चैपल हिल (नॉर्थ कैरोलिना)।** अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक ने कहा कि? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेटा सेंटरों को लेकर कई गलत धारणाएं फैलाई जा रही हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई समुदाय या क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े डेटा सेंटर बनाने का विरोध करता है, तो वह निवेश, रोजगार और कर (टैक्स) से मिलने वाले राजस्व जैसे बड़े आर्थिक अवसर खो सकता है। उनका कहना है कि डेटा सेंटरों को लेकर कई गलत धारणाएं फैलाई जा रही हैं।

नॉर्थ कैरोलिना के चैपल हिल में आयोजित जी20 इनोवेशन मिनिस्टीरियल के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में लटनिक ने एआई बुनियादी ढांचे के तेजी से विस्तार का समर्थन किया। यह टिप्पणी तब आई जब

एक पत्रकार ने बताया कि ऑरेंज काउंटी ने बड़े डेटा सेंटरों के निर्माण पर एक साल की रोक लगा दी है।

लटनिक ने कहा, 'मुझे लगता है कि आपने सही मुद्दा उठाया। असल समस्या गलत जानकारी की है। अगर आप डेटा सेंटरों पर रोक लगाते हैं, तो अगला बड़ा अवसर आपके पास नहीं आएगा।' उन्होंने कहा कि अमेरिका के कई अन्य क्षेत्र ऐसे प्रोजेक्ट्स का स्वागत करने के लिए तैयार हैं और वही निवेश और आर्थिक लाभ प्राप्त करेंगे।

उन्होंने कहा, 'अगर आप इन परियोजनाओं का स्वागत करेंगे, तो आप जीतेंगे। और अगर नहीं करेंगे, तो ये अवसर कहीं और चले जाएंगे।' लटनिक के अनुसार, डेटा सेंटरों में भविष्य के उन्नत एआई मॉडल काम करेंगे और यह स्थानीय समुदायों के लिए ज्ञान, नवाचार और नए आर्थिक अवसर लेकर आएंगे।

# भारतीयों के लिए जल्द बंद हो सकते हैं ईबी-1 ग्रीन कार्ड, अमेरिका ने दी चेतावनी

विश्व केसरी

**वॉशिंगटन।** अमेरिका ने चेतावनी दी है कि भारतीयों के लिए रोजगार आधारित प्रथम श्रेणी (ईबी-1) ग्रीन कार्ड की उपलब्धता आने वाले कुछ हफ्तों में खत्म हो सकती है। इसकी वजह इस श्रेणी में बहुत अधिक आवेदन और बढ़ती मांग बताई गई है। इस कारण पहले से ही लंबे इंतजार का सामना कर रहे भारतीय आवेदकों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने सितंबर वीजा बुलेटिन में कहा कि भारत से जुड़े ईबी-1 आवेदनों की संख्या इतनी अधिक है कि वित्तीय वर्ष 30 सितंबर को खत्म होने से पहले इस श्रेणी के लिए निर्धारित वीजा संख्या पूरी तरह इस्तेमाल हो सकती है।

विदेश विभाग ने कहा, ईबी-1 श्रेणी में भारत के लिए उपलब्ध वीजा संख्या इसी वित्तीय वर्ष समाप्त होने

से पहले पूरी हो सकती है। यदि ऐसा होता है तो आने वाले हफ्तों में इस श्रेणी को अस्थायी रूप से 'अनुपलब्ध' घोषित करना पड़ सकता है। साथ ही विभाग ने कहा कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर उचित बदलाव किए जाएंगे।

ईबी-1 रोजगार आधारित पहली प्राथमिकता वाली कैटेगरी है, जिसमें असाधारण क्षमता वाले लोग, बेहतरीन प्रोफेसर और रिसर्चर, और कुछ मल्टीनेशनल एग्जीक्यूटिव और मैनेजर जैसे प्राथमिकता वाले वर्कर शामिल हैं।

यह चेतावनी भारतीयों के लिए खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड की अन्य प्रमुख श्रेणियों में पहले से ही भारी बैकलॉग है। सितंबर के लिए ईबी-1 इंडिया की फाइनल एक्शन डेट 15 अक्टूबर 2022 निर्धारित की गई है। इसका मतलब है कि सामान्य तौर पर केवल उन्हीं भारतीय आवेदकों के मामलों पर अंतिम कार्रवाई हो सकती है ।

# ईरान की मदद करने वाले देशों को अमेरिका की चेतावनी

विश्व केसरी

**चैपल हिल (नॉर्थ कैरोलिना)।** अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अगर कोई देश ईरान को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने में मदद करता है, तो उसे भी अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही उन्होंने उन अटकलों को खारिज किया कि भारत और ईरान किसी नए व्यापार समझौते की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

द ब्रायन किल्मीड शो को दिए एक इंटरव्यू के दौरान जब रुबियो से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईरानी राष्ट्रपति और अन्य अधिकारियों के साथ हुई मुलाकातों तथा भारत-ईरान व्यापार समझौते की खबरों के बारे में

पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच कोई व्यापार समझौता हो रहा है।

रुबियो ने माना कि दुनिया के कई देश ईरान के साथ संपर्क बनाए रखते हैं और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के तहत फैसले लेते हैं। उन्होंने कहा, हर देश अपनी विदेश नीति खुद बनाता है और दुनिया के कई देश ईरानी सरकार से बातचीत करते हैं। हमने भी कुछ चर्चाओं के दौरान ईरानी सरकार के प्रतिनिधियों से संपर्क किया है।

रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि किसी भी देश को ईरान को प्रतिबंधों से बचने या उसके लिए राजस्व जुटाने के रास्ते बनाने में मदद नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी देश ईरान को प्रतिबंधों से बचने में मदद न करे। कोई भी देश ऐसे तंत्र बनाने में मदद न करे जिनसे ईरान पैसा कमा सके, जिसका इस्तेमाल वह आतंकवाद को समर्थन देने और परमाणु हथियार बनाने की कोशिशों में कर सके।

# जी20 सम्मेलनः आरबीआई गवर्नर ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व और आईएमएफ अधिकारियों से की मुलाकात

विश्व केसरी

**एशविले (उत्तरी कैरोलिना)।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नॉर्थ कैरोलिना में आयोजित जी20 बैठक के दौरान अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वार्श और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात की। इसकी जानकारी आरबीआई ने दी।

मल्होत्रा ने जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में हिस्सा लिया, जिसमें दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के वरिष्ठ

आर्थिक नीति निर्माता शामिल हुए। बैठक के दौरान गवर्नर मल्होत्रा ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने अंतरराष्ट्रीय समकक्षों के साथ चर्चा की।

हालांकि आरबीआई ने इन बैठकों में हुई बातचीत का विस्तृत ब्योरा या उठाए गए विशेष मुद्दों की जानकारी साझा नहीं की। बैठक से इतर संजय मल्होत्रा ने अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख केविन वार्श से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब दुनिया के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक गवर्नर वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय व्यवस्था के सामने मौजूद प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा कर रहे थे। मल्होत्रा ने आईएमएफ के फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर डैन कैट्ज से भी मुलाकात की। इन बैठकों के जरिए भारत के केंद्रीय बैंक के प्रमुख का संपर्क उन दो प्रमुख वैश्विक संस्थानों से हुआ, जिनका अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक और वित्तीय नीतियों पर बड़ा प्रभाव माना जाता है।

फेडरल रिजर्व के फैसलों का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। वहीं, आईएमएफ वैश्विक अर्थव्यवस्था की निगरानी और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

# यूथ कांग्रेस चुनाव में 'बाहरी गैंग' की एंट्री?

## एमपी से आए 11 युवाओं पर फर्जी वोटिंग का आरोप

विश्व केसरी

**मुंगेली।** छत्तीसगढ़ यूथ कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव में बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। मुंगेली जिले में मतदान के दौरान बाहरी वोटरों को लाने का आरोप लगा है। स्थानीय प्रत्याशियों ने सिटी कोतवाली में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए दावा किया है कि मध्य प्रदेश से 11 युवाओं को बुलाकर फर्जी मतदान कराया गया।

प्रत्याशियों के मुताबिक, एमपी से आए इन युवाओं में 9 युवक और 2 युवतियां शामिल हैं। सभी मुंगेली के सर्किट हाउस में रुके थे। आरोप है कि इन्हें सोची-समझी रणनीति के तहत मुंगेली लाया गया और यूथ कांग्रेस के संगठन चुनाव की मतदान प्रक्रिया में शामिल कराया गया।

शिकायत में सवाल उठाया गया है कि इन बाहरी युवाओं के ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था किसने की? उनका मतदाता के रूप में पंजीकरण वैध है या नहीं? और मतदान केंद्र पर उन्हें एंट्री कैसे मिली?

### पुलिस जांच में जुटी

शिकायत मिलने के बाद मुंगेली सिटी कोतवाली पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस सर्किट हाउस के रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज और मतदान केंद्र की उपस्थिति शीट की जांच कर रही है। यह भी देखा जा रहा है कि इन 11 लोगों ने किस आईडी पर वोट डाला।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राज्य युवा कांग्रेस का संगठन चुनाव 30 अगस्त से शुरू हुआ है जो 29 सितंबर तक चलेगा। ऐसे में इस विवाद ने चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर दिए

# अब योग से गांव-गांव पहुंच रहा स्वस्थ जीवन का संदेश

## भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय ने ज्ञान गुड़ी केंद्र में योग प्रशिक्षार्थियों से किया संवाद

विश्व केसरी

**बीजापुर (के. संतोष)।** लंबे समय तक नक्सलवाद की चुनौती से जूझने वाला बस्तर अब शांति और विकास की नई राह पर आगे बढ़ रहा है। सुरक्षा का वातावरण मजबूत होने के साथ ही गांव-गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं को पहुंचाने की दिशा में प्रयास तेज हुए हैं। इसी बदलाव के बीच लोगों को स्वस्थ और बेहतर जीवनशैली से जोड़ने के लिए योग को भी महत्वपूर्ण माध्यम बनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में बीजापुर में पुरुष प्रशिक्षार्थियों तथा दंतेवाड़ा में महिला प्रशिक्षार्थियों के लिए योग प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं योगाभ्यास के साथ योग को दैनिक जीवन में अपनाने की जानकारी दी जा रही है।

इसी क्रम में बुधवार को प्रदेश भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय बीजापुर के ज्ञान गुड़ी केंद्र स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डायट पहुंचे। उन्होंने योग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षार्थियों से संवाद किया और योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन जीने की कला के बारे में जानकारी दी।साथ ही योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है, बल्कि यह शरीर, मन और विचारों में संतुलन स्थापित करने का माध्यम है। नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को स्वस्थ रखने के साथ जीवन में सकारात्मक सोच, अनुशासन और आत्मविश्वास बढ़ाने में भी सहायक होता है। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को योग के संदेश को समाज के अंतिम व्यक्ति और बस्तर के दूरस्थ गांवों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। योग प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षित लोगों के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में योग और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रतिभागी अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित करेंगे।

बस्तर में शांति का वातावरण बनने के बाद अब विकास की गतिविधियां गांवों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। शिक्षा से बच्चों का भविष्य संवारने, स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने और योग के माध्यम से स्वस्थ समाज बनाने की पहल बस्तर के बदलते स्वरूप को सामने ला रही है। जहां कभी बस्तर की पहचान नक्सल हिंसा के कारण होती थी, वहीं अब शांति, शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास और स्वस्थ जीवनशैली की नई तस्वीर उभर रही है। योग प्रशिक्षण इसी बदलते बस्तर में स्वस्थ और सशक्त समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

# सेवा संकल्प अभियान को सफल बनाने भाजपा ने बनाई रणनीति, पवन साय ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

विश्व केसरी

**बीजापुर (के. संतोष)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर बीजापुर में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। अटल सदन स्थित भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा, आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यशाला में भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर अभियान के उद्देश्यों की जानकारी दी।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने का आह्वान किया।पवन साय ने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता, आपसी समन्वय और निरंतर संवाद से संभव है। कार्यकर्ता सेवा कार्यों और पार्टी की गतिविधियों को बूथ स्तर तक पहुंचाते हुए आमजन से निरंतर संपर्क बनाए रखें। उन्होंने 'सेवा संकल्प अभियान' को प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया। कार्यशाला में बस्तर संभाग सह प्रभारी संगठन हरपाल सिंह भामरा, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेंकट, प्रदेश प्रवक्ता टिकेश्वर जैन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीनिवास मुदलियार, जिला प्रभारी दीपेश अरोरा, जिला अध्यक्ष घासीराम नाग, जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, महामंत्री फूलचंद गागड़ा, संजय लुक्कड़ सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# कांकेर के किसान प्रवीण देहरी को मिला आईसीएआर का 'इनोवेटिव फार्मर अवार्ड 2025-26'

विश्व केसरी

**कांकेर (सीताराम शर्मा)।** उत्तर बस्तर कांकेर जिले के राजापारा निवासी प्रगतिशील किसान प्रवीण देहरी को कृषि क्षेत्र में नवाचार और उद्यमिता के लिए प्रतिष्ठित 'इनोवेटिव फार्मर अवार्ड 2025-26' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद के स्वर्ण जयंती समारोह एवं 51वें स्थापना दिवस के अवसर पर डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन सभागार में प्रदान किया गया। प्रवीण देहरी को इस पुरस्कार के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर के निदेशक ने नामांकित किया था।

पुरस्कार समारोह में ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज के अध्यक्ष एवं कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के पूर्व सचिव तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक पद्म भूषण डॉ. आर. एस. परोदा, समारोह के अध्यक्ष कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. यशपाल सिंह मलिक, कृषि शिक्षा प्रभाग की सहायक महानिदेशक (मानव संसाधन विकास) डॉ. सीमा जग्गी तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी, हैदराबाद के निदेशक डॉ. रमन मीनाक्षी सुंदरम सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रवीण देहरी ने कड़कनाथ सहित विभिन्न मुर्गी नस्लों के लिए कम लागत और ऊर्जा-कुशल अंडा इनक्यूबेटर-सह-हैचिंग मशीन विकसित की है और उसका सफल व्यावसायीकरण भी किया है। स्थानीय स्तर पर निर्मित इस मशीन में एक बैच में 800 अंडों को रखने की क्षमता है तथा इसकी औसत हैचिंग क्षमता करीब 85 प्रतिशत है। मशीन में अंडों को स्वचालित रूप से घुमाने के साथ तापमान और आर्द्रता नियंत्रण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। ग्रामीण परिस्थितियों को ध्यान में रखकर विकसित यह मशीन पोर्टेबल, सरल और उपयोग में सुविधाजनक है।

# नीलमडगु के जंगल में नक्सलियों का हथियार-गोला-बारूद बरामद

विश्व केसरी

**बीजापुर (के. संतोष)।** नक्सल विरोधी अभियान के तहत बीजापुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। भोपालपटनम थाना क्षेत्र के ग्राम नीलमडगु के जंगल में नदी किनारे पुलिस ने लावारिस हालत में छिपाकर रखा हथियार और गोला-बारूद का डंप बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 1 सितंबर को थाना भोपालपटनम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नीलमडगु के जंगल में नदी किनारे संदिग्ध सामग्री छिपाकर रखी गई है। सूचना पर संयुक्त सुरक्षा दल को मौके के लिए रवाना किया गया। सर्चिंग के दौरान एक कटे हुए पेड़ के खोखर के भीतर छिपाकर रखे हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए।

बरामद सामग्री में 12 बोर देशी कट्टा, टूटी हुई BGL राइफल, 8 BGL सेल, 12 बोर के 10 जिंदा राउंड, 3 देशी कट्टा सेल कैप, एक पेंचिस और एक पिट्ठू बैग शामिल हैं। पुलिस ने सभी सामग्री को विधिवत जब्त कर सुरक्षित कब्जे में लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बीजापुर उमेश प्रसाद गुप्ता के मार्गदर्शन में SDOP भोपालपटनम घनश्याम कामड़े, थाना प्रभारी भोपालपटनम मुकेश पटेल, DRG बीजापुर, BDS टीम और थाना भोपालपटनम के जवानों द्वारा की गई।

# पैराडाइज स्कूल में हर्षोल्लास से मनाई गई जन्माष्टमी, चित्रकला, राधा-कृष्ण फैंसी ड्रेस, नृत्य एवं मटकी फोड़ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

विश्व केसरी

**कांकेर (सीताराम शर्मा)।** भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर पैराडाइज हायर सेकेण्डरी स्कूल में विद्यार्थियों के लिए विविध सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जन्माष्टमी के पूर्व दिवस पर इन कार्यक्रमों में प्री-प्राइमरी से लेकर हायर सेकेण्डरी स्तर तक के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके आदर्शों को अपने कार्यक्रमों के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए एकता, शांति, प्रेम, न्याय एवं सदभावना का संदेश दिया।

प्री. प्राइमरी तथा प्राइमरी कक्षाओं के नन्हें-मुन्ने छात्रों के लिये चित्रकला एवं मटकी सजाओं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

जिसमें अभिनव खरे, शिवांशी सलाम, चाहत साहू, अवनी केशरवानी, शुभ सोनी, अर्पिता, दिव्यांका सिंग, मयंक मरकाम, यथार्थ रजक, अपूर्वा, युग सिन्हा, आयुषी मधु, तक्ष जैन पुलकित ठाकुर, जिशा मेहरा, गुजंल साहू, रेयांश, हरलीन, कशिश, जिन्नत, पाखी साहू, दिव्यांशु आदि छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने कलात्मक प्रतिभा का परिचय देते हुए श्रीकृष्ण तथा जन्माष्टमी के महत्व के बारे में समझा। जन्माष्टमी के अवसर पर नृत्य गायन, मटकी सजावट, राधाकृष्ण फैंसी ड्रेस का भी आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में नविशा, श्रव्या जैन, देवांशी, अमय, गरिमा, नवीन, कनक, विहान, हार्दिक वर्मा निरल नाग, नित्यांश, लुभयांश, सहित अनेक छात्र-छात्राओं ने विभिन्न आकर्षक वेशभूषा में राधा-कृष्ण का रूप धारण कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने अपने अभिनय एवं प्रस्तुति के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की सुंदर झलक एवं मनमोहक नृत्य की प्रस्तुतियां दी। मिडिल, हाई तथा हायर सेकेण्डरी स्कूल के छात्रों के लिए विशेष रूप से मटकी फोड़ प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया जिसमें नीरज सलाम, झरना सिन्हा, पायल दिवाकर, डिकेश साहू, मनन कावड़े, अनोखी पवार, कशिश सोरी, प्राजंल नेताम अनिकेत देवांगन, लक्ष्मण कुमार, सोहन साहू, पाखी, वासनी साहू, अनुकल्प झा, अनमोल रजक, दानेश्वर, कोमेश कुंजाम, प्रेरणा यादव सहित अन्य विद्यार्थियों ने पूरे जोश, उत्साह और साहस के साथ भाग लिया।

# जिले में 890.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज

**सक्ती।** सक्ती जिले में 1 जून 2026 से 3 सितम्बर 2026 तक 890.5 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। बीते 24 घंटे में जिले में 13.3 मिली मीटर औसत वर्षा हुई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 से अब तक जिले के सक्ती तहसील में 807.5, मिली मीटर, जैजैपुर में 706.7, मालखरौदा में 1029.7, डभरा में 949.4, नया बाराद्वार में 988.5, अड़भार में 845.1, हसौद में 803.2, चंद्रपुर में 996.3, एवं भोथिया में 888.1 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार आज की स्थिति मे तहसील सक्ती में 25.6, मिली मीटर, जैजैपुर में 15.4, मालखरौदा में 8.5, डभरा में 5.4, नया बाराद्वार में 13.9, अड़भार में 6.1, हसौद में 12.5, चंद्रपुर में 7.1, एवं भोथिया में 25.0 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

# महिलाओं ने बच्चो की दीर्घायु एवं उज्जवल भविष्य के लिए रखा निर्जला व्रत

विश्व केसरी

**अंतागढ़ (डम्पी खान)।** भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि के अवसर पर बुधवार को अंतागढ़ नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में कमरछठ का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कमरछठ को हल षष्ठी, हरछठ और हल छठ के नाम से भी जाना जाता है। इस अवसर पर महिलाओं ने अपनी संतान की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर व्रत रखा और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

पर्व को लेकर सुबह से ही महिलाओं में उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने पारंपरिक रूप से पूजा स्थल तैयार कर हल षष्ठी माता की पूजा की। पूजा में महुआ,

ज्वार की धानी, भुना चना, पेसर चावल, सात प्रकार के अनाज सहित अन्य पूजन सामग्री का उपयोग किया। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा विधि-विधान एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना की गई।इसके बाद महिलाओं ने सामूहिक रूप से कमरछठ की कथा सुनी और संतान के सुखी एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

इस दौरान अंतागढ़ नयापारा में , सावित्री साहू , पुनीता वैदे,सरोज रामटेके,सविता कोरेटी,भावना खापर्डे,मोनिका पटेल,ललिता पटेल लता देहारी धीरज रामटेके गोदावरी ठाकुर, सबीना रामटेके, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं पूजा-अर्चना में शामिल हुईं। महिलाओं ने एक-दूसरे को कमरछठ पर्व की शुभकामनाएं दीं और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पर्व मनाया।

धार्मिक मान्यता के अनुसार कमरछठ भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई भगवान बलराम से जुड़ा पर्व है। भगवान बलराम का प्रमुख अस्त्र हल माना जाता है, इसलिए इसे हल षष्ठी कहा जाता है। यह पर्व विशेष रूप से माताओं द्वारा अपनी संतान के कल्याण और दीर्घायु की कामना के लिए रखा जाता है। अंतागढ़ में पर्व के दौरान पूरे दिन धार्मिक एवं पारंपरिक माहौल बना रहा। महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा कर परिवार की खुशहाली और

# श्वेतांबर जैन मंदिर परिसर में रोपा गया कल्पवृक्ष

विश्व केसरी

**नवापारा-राजिम (अंशुल मिश्रा)।** श्वेतांबर जैन मंदिर गांधी चौक नवापारा राजिम में 1 सितंबर को प्रवचन के पश्चात एक विशेष पर्यावरणीय एवं धार्मिक आयोजन के तहत कल्पवृक्ष का वृक्षारोपण किया गया। अनुकूल विजय जी भंडारी के विशेष प्रयासों से मंगवाए गए कल्पवृक्ष को मंदिर जी के बागवान एरिया में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रोपा गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में नवापारा (राजिम) के ट्रस्ट मंडल के ट्रस्टी शिखर जी बाफना, राजकुमार जी बोथरा एवं अभिषेक जी दुग्गड़ सहित चातुर्मासिक अध्यक्ष संजय जी बंगानी उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य ऋषभ चंद जी बोथरा, संतोष जी बोथरा, संतोष जी पारख, विजय जी भंडारी, हेमराज जी पारख, संपत जी दुग्गड़, अनुकूल जी भंडारी, अंकित जी भंडारी एवं आरना जी भंडारी ने भी वृक्षारोपण में सहभागिता निभाई।

# ईवी की बैटरी होगी ज्यादा टिकाऊ, शोधकर्ताओं ने बनाया स्मार्ट पावर सिस्टम

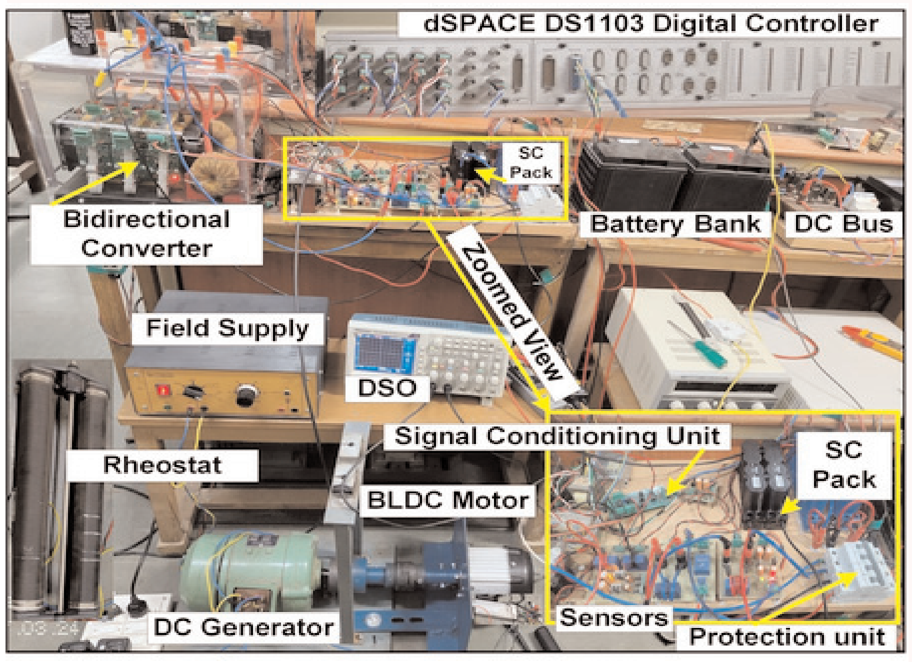


विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता के बीच उनकी सबसे बड़ी चुनौती बैटरी की उम्र है। अब बैटरी की उम्र बढ़ाने की दिशा में भारतीय शोधकर्ताओं ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी राउरकेला के शोधकर्ताओं ने ऐसी हाइब्रिड ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित की है, जो अचानक ब्रेक लगाने, तेज गति से वाहन चलाने और गति कम-ज्यादा करने के दौरान बैटरी पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव को कम कर सकती है।

इस तकनीक का पेटेंट भी हासिल कर लिया गया है। इस शोध को उच्च शिक्षण संस्थान एनआईटी राउरकेला की प्रो. मोनालिसा पटनायक, डॉ. प्रद्युम्न कुमार बेहरा और करण गुप्ता ने अंजाम दिया है। शोधकर्ताओं के मुताबिक नई प्रणाली का डिजाइन कम से कम घटकों पर आधारित है। इससे सिस्टम की जटिलता कम होती है और बैटरी को अचानक बढ़ने वाली बिजली की मांग से सुरक्षा मिलती है। दरअसल शहरों में इलेक्ट्रिक वाहनों को बार-बार रुकना और चलना पड़ता है।

इसके अलावा अचानक एक्सीलरेशन, डिसेलरेशन और ब्रेक लगाने जैसी स्थितियों में बैटरी से बहुत तेजी से करंट लिया या वापस भेजा जाता है। इससे बैटरी सेल्स पर थर्मल और विद्युत दबाव बढ़ता है और समय के साथ उनकी क्षमता तथा उम्र प्रभावित हो सकती है। इसी समस्या का समाधान निकालने के लिए शोधकर्ताओं ने बैटरी के साथ सुपरकैपेसिटर को जोड़ा है। सुपरकैपेसिटर बहुत तेजी से चार्ज और डिस्चार्ज हो सकता है और अचानक पैदा होने वाली बिजली की मांग को संभाल सकता है। इससे बैटरी को तेज करंट के झटकों से राहत मिलती है और उसकी उम्र बढ़ाने में मदद मिलती है।

नई प्रणाली की खासियत इसका सरल डिजाइन है। प्रो. मोनालिसा पटनायक के मुताबिक इसमें तीन प्रमुख घटक हैं। एक घटक कन्वर्टर, एक इंडक्टर और एक सिंगल कंट्रोल सिस्टम है। एक ही कन्वर्टर बैटरी और सुपरकैपेसिटर दोनों को वाहन की विद्युत प्रणाली से जोड़ता है। इससे अतिरिक्त स्विच और नियंत्रण उपकरणों की जरूरत कम हो जाती है। वहीं इंडक्टर करंट में अचानक होने वाले उछाल को नियंत्रित करता है। सिंगल कंट्रोल सिस्टम वाहन के तेज गति पकड़ने और गति कम करने, दोनों परिस्थितियों में बिजली के प्रवाह को नियंत्रित करता है।

शोधकर्ताओं ने अचानक ब्रेक लगाने, तेज तेज और मंद गति जैसी परिस्थितियों में इस प्रणाली का परीक्षण किया। परीक्षण के दौरान सिस्टम ने 48 वोल्ट का स्थिर वोल्टेज बनाए रखा और बैटरी करंट में अचानक बदलाव को नियंत्रित करने में सफलता हासिल की। सुपरकैपेसिटर ने भी अचानक पैदा होने वाली बिजली की जरूरत को प्रभावी ढंग से संभाला। प्रो. पटनायक के अनुसार यह प्रणाली 24 से 60 वोल्ट डीसी वाले कम-वोल्टेज इलेक्ट्रिक वाहन प्लेटफॉर्म के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। इसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक स्कूटर, इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल, ई-रिक्शा, कार्गो ट्राइसाइकिल और कैंपस या औद्योगिक उपयोगिता वाहनों में किया जा सकता है।

इसके अलावा तकनीक का इस्तेमाल स्वचालित निर्देशित वाहनों, वेयरहाउस कार्ट, डीसी माइक्रोग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा चार्जिंग स्टेशनों में भी किया जा सकता है। संस्थान के मुताबिक पेटेंट मिलने के बाद यह तकनीक अब ईवी निर्माताओं, पावरट्रेन सिस्टम इंटीग्रेटर्स, फ्लीट ऑपरेटरों और ईवी रेट्रोफिट स्टार्ट-अप्स के साथ सहयोग के लिए तैयार है।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। ऐसे में बैटरी की उम्र बढ़ाने वाली यह तकनीक न केवल वाहनों की विश्वसनीयता बढ़ा सकती है।

# 'गुजरात सबसे गतिशील राज्यों में से एक', वीजीजीएस 2027 रोड शो में बोले कॉरपोरेट लीडर्स

विश्व केसरी

**मुंबई।** गुजरात सरकार द्वारा वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट (वीजीजीएस) 2027 से पहले देश की आर्थिक राजधानी में आयोजित रोडशो में गुरुवार को शीर्ष कॉरपोरेट लीडर्स ने गुजरात को देश के सबसे गतिशील राज्यों में से एक बताया और राज्य में अपनी मौजूदगी का विस्तार करने में रुचि व्यक्त की।

कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में महिंद्रा एंड महिंद्रा के सीईओ और प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने कहा कि गुजरात देश के सबसे गतिशील राज्यों में से एक है और समूह की राज्य में कई उद्योगों में मौजूदगी है।

शाह ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा, 'गुजरात सरकार के साथ साझेदारी में हमारी ट्रैक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट गुजरात में है।

गुजरात में क्लब महिंद्रा के हमारे पांच रिसॉर्ट हैं, वहां हमारा बड़ा रिन्यूएबल बिजनेस है और हमारे लाइफस्पेसेज बिजनेस का एक औद्योगिक पार्क भी वहां है।'

उन्होंने कहा कि रोडशो में बड़े औद्योगिक पार्कों, गिफ्ट सिटी, मैन्युफैक्चरिंग, रिसॉर्ट्स और गुजरात की संस्कृति को बढ़ावा देने से जुड़े अवसरों पर चर्चा हुई।

इस बीच, स्वान एनर्जी के प्रबंध निदेशक निखिल वी. मर्चेंट ने कहा कि कंपनी गुजरात में मौजूदगी को लेकर बेहद संतुष्ट है और उन्होंने राज्य सरकार की सक्रिय नीतियों की सराहना की।

स्वान एनर्जी के गुजरात में तीन कारोबार हैं, जिसमें एक एलएनजी टर्मिनल, पिपावाव शिपयार्ड, जिसे अब स्वान डिफेंस एंड हेवी इंडस्ट्रीज के नाम से जाना जाता है, और नारोल में उसकी टेक्सटाइल मिल है।

मर्चेंट ने पत्रकारों से कहा, 'तीनों कारोबार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार के समर्थन तथा सक्रिय नीतियों के साथ मुझे लगता है कि हम अच्छी स्थिति में रहेंगे।'

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने याद किया कि पहला वाइब्रेंट गुजरात रोडशो, जो तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में आयोजित हुआ था, इसी स्थान पर हुआ था।

उन्होंने कहा कि उन्हें इस स्थान पर दोबारा लौटकर गुजरात के वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने पहले रोडशो के बाद से गुजरात द्वारा तय की गई विकास यात्रा का भी जिक्र किया।

आज का कार्यक्रम वीजीजीएस 2027 के लिए नई दिल्ली में आयोजित कर्टेन रेजर कार्यक्रम के बाद हुआ है। गुजरात अपने प्रमुख निवेश शिखर सम्मेलन के अगले संस्करण की तैयारियों को तेज कर रहा है।

# बार-बार शरीर में होती है अकड़न? डाइट में शामिल करें ये चीजें, बढ़ेगा लचीलापन

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** शरीर का लचीलापन सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितनी देर तक स्ट्रेचिंग करते हैं। आपके खाने का भी इसमें बड़ा योगदान हो सकता है। अगर शरीर को रोजाना सही मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और जरूरी तत्व नहीं मिल रहे हैं तो मांसपेशियों की ताकत और उनकी काम करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

वहीं संतुलित खाना शरीर को व्यायाम के बाद खुद को ठीक करने और मजबूत बनाने में मदद करता है। हालांकि यह बात साफ है कि कोई एक फल, सब्जी या दूसरा खाद्य पदार्थ खाने से शरीर अचानक लचीला नहीं हो जाता। इसके लिए सही खान-पान के साथ नियमित व्यायाम और स्ट्रेचिंग भी जरूरी है।

सबसे पहले बात प्रोटीन वाले खाने की तो अंडा, दूध, दही, पनीर, सोया, चना, राजमा और चिकन इसके अच्छे स्रोत हैं। प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को बनाने और उनकी मरम्मत करने में मदद करता

है। जब हम कसरत करते हैं तो मांसपेशियों पर थोड़ा दबाव पड़ता है। इसके बाद शरीर को उनकी मरम्मत के लिए अमीनो एसिड की जरूरत होती है, जो प्रोटीन से मिलते हैं। मजबूत और स्वस्थ मांसपेशियां शरीर के अंगों को बेहतर तरीके से हिलाने-डुलाने में मदद करती हैं। प्रोटीन सीधे तौर पर शरीर को लचीला नहीं बनाता, लेकिन लचीलेपन के लिए जरूरी मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। विटामिन सी भी इस मामले में काफी काम का है। आंवला, अमरूद, नींबू, संतरा, कीवी, टमाटर और शिमला मिर्च जैसे खाद्य पदार्थों में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। शरीर में विटामिन सी का एक महत्वपूर्ण काम कोलेजन बनाने में मदद करना है। कोलेजन एक तरह का प्रोटीन है, जो त्वचा के अलावा हड्डियों, जोड़ों और मांसपेशियों को जोड़कर रखने वाले हिस्सों को मजबूती देने में मदद करता है। शरीर में कोलेजन बनाने के लिए विटामिन सी की जरूरत होती है। यही वजह है कि विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां शरीर के इन हिस्सों की सामान्य सेहत बनाए रखने में मदद करती हैं।

अब बात मैग्नीशियम की। बादाम, काजू, तिल, कद्दू के बीज, साबुत अनाज, पालक और दूसरी हरी सब्जियां मैग्नीशियम के अच्छे स्रोत हैं। यह तत्व हमारी मांसपेशियों और नसों के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी होता है। जब हम हाथ-पैर हिलाते हैं तो मांसपेशियां कभी सिकुड़ती हैं ।

# महाराष्ट्र एफडीए की बड़ी कार्रवाई, खाद्य सुरक्षा उल्लंघन पर ईटक्लब के आउटलेट का लाइसेंस निलंबित

विश्व केसरी

**मुंबई।** महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता और संचालन संबंधी कई गंभीर खामियां पाए जाने के बाद मुंबई स्थित ईटक्लब ब्रांड्स के एक आउटलेट का खाद्य लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

एफडीए ने बताया कि यह कार्रवाई 2 सितंबर से प्रभावी है और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 तथा उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार की गई है। संबंधित ईटक्लब आउटलेट गोरेगांव पूर्व स्थित रॉयल पाम्स, आरे मिल्क कॉलोनी में है।

यह कार्रवाई केवल इसी प्रतिष्ठान पर लागू होगी और कंपनी के अन्य आउटलेट इससे प्रभावित नहीं होंगे। ईटक्लब के अंतर्गत बॉक्स8 और मोजो पिज्जा समेत कई लोकप्रिय फूड ब्रांड संचालित होते हैं।

एफडीए द्वारा जारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निरीक्षण के दौरान आउटलेट में खाद्य पदार्थों, पैकेजिंग सामग्री और रसायनों के भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था नहीं पाई गई। इसके अलावा परिसर में खराब स्वच्छता, हाथ धोने की अपर्याप्त सुविधाएं, पर्याप्त रोशनी और वेंटिलेशन की कमी तथा कीट नियंत्रण व्यवस्था में खामियां भी सामने आईं।

निरीक्षण टीम ने पाया कि पीछे के दरवाजे से कीटों और चूहों के प्रवेश को रोकने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। साथ ही खाद्य तैयारी में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की खाद्य सुरक्षा खतरों के लिए ठीक से जांच और सफाई भी नहीं की जा रही थी।

एफडीए के अनुसार, खाद्य पदार्थ तैयार करने वाले कर्मचारियों के पास आवश्यक सुरक्षा उपकरण जैसे एप्रन, दस्ताने, हेडगियर और शू-कवर उपलब्ध नहीं थे। कर्मचारियों के प्रशिक्षण और मेडिकल जांच से जुड़े रिकॉर्ड भी अधूरे पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि उपभोक्ताओं की शिकायतों के निपटारे के लिए उचित व्यवस्था नहीं थी और निरीक्षण के समय आवश्यक तकनीकी कर्मचारी भी मौजूद नहीं थे। एक अन्य उल्लंघन में पाया गया कि प्रतिष्ठान में आइसक्रीम और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों की बिक्री की जा रही थी, जबकि इन उत्पादों का उल्लेख उनके खाद्य लाइसेंस में नहीं था। उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एफडीए ने आउटलेट का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया।

इस बीच एफडीए ने कुर्ला पश्चिम के जरीमारी स्थित 'रानी डाइट्स कंसल्टेंट एंड सर्विस प्रोवाइडर्स' का खाद्य लाइसेंस भी निलंबित कर दिया है।

रानी डाइट्स के परिसर के निरीक्षण में चूहों और अन्य कीटों का सक्रिय प्रकोप पाया गया। इसके अलावा भोजन तैयार करने और भंडारण वाले क्षेत्रों में गंदगी, चिकनाई, खाद्य अवशेष और रुका हुआ पानी मिला।

# बांग्लादेश में डेंगू के प्रकोप से पांच और लोगों की मौत, मरने वालों की संख्या बढ़कर 107

विश्व केसरी

**ढाका।** बांग्लादेश में बुधवार को डेंगू के प्रकोप से कम से कम पांच और लोगों की मौत हो गई, जिससे इस साल मच्छर जनित बीमारी से मरने वालों की संख्या 107 हो गई है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, बुधवार सुबह से पहले के 24 घंटों में मौतों की सूचना मिली, जबकि इसी अवधि के दौरान देशभर में 1,110 नए मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बांग्लादेशी दैनिक यूएनबी की रिपोर्ट के अनुसार, डीजीएचएस ने बताया कि नवीनतम मौतें ढाका नॉर्थ सिटी कॉर्पोरेशन (डीएनसीसी), मयमनसिंह और बरिशाल डिवीजनों में दर्ज की गईं।

स्वास्थ्य संकट के बढ़ते प्रकोप के बीच, बांग्लादेश में इस साल अगस्त में डेंगू संक्रमण में तेजी से वृद्धि देखी गई, जो 2000 में देश में पहले बड़े प्रकोप के बाद से मामलों और मौतों की तीसरी सबसे बड़ी मासिक संख्या दर्ज की गई, क्योंकि बीमारी में लगातार वृद्धि जारी है।

बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले महीने डेंगू से संबंधित 43 मौतें और 20,536 अस्पताल में भर्ती होने के मामले दर्ज किए गए, जिससे यह पिछले 26 वर्षों में मामलों और मौतों दोनों के मामले में तीसरा सबसे अधिक प्रभावित महीना बन गया है। डेंगू बांग्लादेश में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभरा है। यह मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी मच्छर से फैलता है। जहांगीरनगर विश्वविद्यालय में प्राणीशास्त्र के प्रोफेसर कबीरुल बशर ने कहा कि अक्टूबर तक मामलों की संख्या में वृद्धि जारी रह सकती है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे मोहल्ले के स्तर पर प्रभावित क्षेत्रों की पहचान करें और मच्छर नियंत्रण को तेज करने, सामुदायिक लामबंदी और जागरूकता अभियानों के माध्यम से त्वरित कार्रवाई करें। ढाका स्थित राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के कीटविज्ञानी जीएम सैफुर रहमान ने कहा कि देश भर में अपर्याप्त मच्छर-विरोधी अभियान अगले दो महीनों में मामलों में और वृद्धि के जोखिम में योगदान दे रहे हैं।

# मौसम में नमी बढ़ने से बढ़ीं बीमारियां, गौतमबुद्ध नगर में स्वाइन फ्लू के 12 और डेंगू के 3 नए मरीज

विश्व केसरी

**नोएडा।** मानसून के अंतिम दौर में लगातार बने हुए नम मौसम और वातावरण में बढ़ी नमी का असर अब लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। गौतमबुद्ध नगर जिले में मौसमी और संक्रामक बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। जिले में स्वाइन फ्लू के 12 और डेंगू के तीन नए मरीज सामने आए हैं। नए मामलों के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। विभाग की ओर से अस्पतालों को अलर्ट रहने और मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जिले में अब तक 232 लोगों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हो चुकी है। वहीं डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है। इसके अलावा जिले में 44 लोगों में मलेरिया की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग लगातार इन बीमारियों से जुड़े मामलों की निगरानी कर रहा है और अस्पतालों से मरीजों की स्थिति की जानकारी भी ली जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, बारिश के बाद वातावरण में बढ़ी नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण वायरल और संक्रमण से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

स्वाइन फ्लू के मामलों में बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द और कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। वहीं डेंगू और मलेरिया का खतरा मच्छरों के बढ़ने के साथ बढ़ जाता है। ऐसे में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को निर्देश दिए हैं कि स्वाइन फ्लू, डेंगू और मलेरिया से संबंधित मरीजों के इलाज में किसी तरह की लापरवाही न हो। अस्पतालों में पर्याप्त बेड, आवश्यक दवाएं, जांच की सुविधा और मरीजों की निगरानी की व्यवस्था रखने को कहा गया है।

गंभीर मरीजों के लिए भी जरूरी चिकित्सा संसाधन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग की ओर से लोगों से भी अपील की गई है कि मौसम में बदलाव के दौरान स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें।

# रीढ़ की हड्डी से लेकर पाचन तक हर समस्या का समाधान है वृश्चिकासन

विश्व केसरी

**नई दिल्ली।** शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए योग एक कारगर पद्धति है। यह सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है, जो व्यक्ति को अंदर से शांत, मजबूत और एकाग्र बनाती है। योग के विभिन्न आसनों में वृश्चिकासन खास स्थान रखता है, जिसके अभ्यास से मानसिक संतुलन और शरीर पर नियंत्रण बेहतर करता है।

इसका नाम 'वृश्चिक' यानी बिच्छू से लिया गया है, क्योंकि इस आसन के दौरान शरीर की स्थिति बिच्छू के समान होती है। इसके अभ्यास से शारीरिक मजबूती, लचीलापन और मानसिक शांति मिलती है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने वृश्चिकासन को एक उन्नत स्तर का योग आसन बताया है। इसके नियमित रूप से करने से शरीर में शक्ति, संतुलन और लचीलेपन का अद्भुत संयोजन है। इस आसन में शरीर की आकृति डंक उठाए हुए बिच्छू की तरह हो जाती है।

वृश्चिकासन या स्कॉर्पियन पोज एक इनवर्टेड बैकबेंड आसन है, जिसमें कोहनियों पर संतुलन बनाते हुए पैरों को सिर की ओर झुकाया जाता है। यह आसन कंधों, बाजुओं, पीठ और कोर मांसपेशियों को मजबूत बनाता है।

एक्सपर्ट बताते हैं कि इससे रीढ़ की हड्डी का लचीलापन बढ़ता है।

# चाइना मास्टर्सः सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल का टिकट, क्रिस्टो-टोमा पोपोव की जोड़ी को दी मात

विश्व केसरी ■

**शेनझेन।** भारतीय स्टार बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 22-24, 21-9 से हराया।

चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने दूसरा गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी की और निर्णायक गेम में दबदबा बनाते हुए फ्रांस भाइयों पर आसान जीत हासिल की। सात्विक और चिराग ने मैच में कुल 64 अंक हासिल किए, जबकि पोपोव भाइयों को 50 अंक मिले। भारतीय जोड़ी ने 9 गेम प्वाइंट भी जीते, जबकि क्रिस्टो-टोमा की जोड़ी केवल दो ही प्वाइंट जीत सकी।

शुरुआती गेम में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन सात्विक और चिराग ने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण बना लिया और अंत में संयम बनाए रखते हुए 21-17 से जीत हासिल की। पोपोव भाइयों ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की। फ्रांस की जोड़ी ने सात्विक-चिराग को कड़ी टक्कर दी और मुकाबला रोमांचक बना दिया। उन्होंने दबाव का सामना करते हुए बढ़त बनाई और 24-22 से जीत हासिल कर मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।

स्कोर 1-1 से बराबर होने के बाद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने अपना खेल और बेहतर किया। भारतीय जोड़ी ने तीसरे गेम में तेजी से बढ़त बनाई और एक बड़ी लीड हासिल कर ली। सात्विक और चिराग के लगातार दबाव बनाने के कारण पोपोव भाइयों को भारतीयों की गति और आक्रामक खेल का सामना करने में संघर्ष करना पड़ा।

चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने निर्णायक गेम 21-9 से जीतकर मुकाबले को अपने नाम कर लिया। सात्विक और चिराग ने राउंड ऑफ 32 में मलेशिया के जुनैदी आरिफ और कांग खाई जिंग के खिलाफ सीधे गेम में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी। चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने कोर्ट 1 पर 40 मिनट में 21-11, 21-16 से जीत हासिल की थी।

# वडोदरा को महिला चैंपियंस ट्रॉफी 2027 की मेजबानी मिलने पर स्नेहल पारिख ने जताई खुशी, बोले- हम भाग्यशाली हैं

एजेंसी ■

**नई दिल्ली।** बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के सीईओ स्नेहल पारिख ने कहा कि 2027 में होने वाली पहली आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों के लिए वडोदरा को वेन्यू के तौर पर चुनना पूरी तरह सही है, क्योंकि हाल के समय में यहां कई बड़े घरेलू और इंटरनेशनल मैच सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं।

उन्होंने यह बात तब कही जब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने अगले साल 14 से 28 फरवरी तक होने वाले छह टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम और मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम को संयुक्त मेजबान घोषित किया है। गुरुवार को 'आईएएनएस' के साथ बात करते हुए पारिख ने कहा, 'हम कह सकते हैं कि हम भाग्यशाली हैं। हालांकि, हम हमेशा यह भी कह सकते हैं कि यह पूरी तरह सही है, क्योंकि हम बहुत सारे मैच और टूर्नामेंट आयोजित करते रहे हैं और मुझे लगता है कि लोगों की प्रतिक्रिया अच्छा रही है। लोगों ने और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी इसकी सराहना की है। कई अधिकारियों, भारतीय खिलाड़ियों और सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा जैसे इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के खिलाड़ियों ने यहां के मैदान, सुविधाओं, विकेट और आउटफील्ड की प्रशंसा की है।'

श्रीलंका के बोर्ड के कामकाज में सरकारी दखल के कारण उनसे मेजबानी के अधिकार छीन लिए गए थे।

इसके बाद आईसीसी ने भारत, बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका की बोलियों का आकलन किया और टूर्नामेंट को भारत में कराने का फैसला किया। इस प्रतियोगिता में 6 जुलाई तक की टॉप छह महिला टी20 इंटरनेशल टीमें - ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका हिस्सा लेंगी।

वडोदरा से लगभग 30 किलोमीटर दूर, हारोड-हलोल-वडोदरा हाईवे के पास स्थित इस स्टेडियम (जिसे कोटांबी इंटरनेशनल स्टेडियम के नाम से भी जाना जाता है) में दिसंबर 2024 में भारत-वेस्टइंडीज महिला वनडे सीरीज के दौरान पहला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेला गया था।

# 7 से 12 दिसंबर के बीच मिस्र में खेला जाएगा एफआईएच यूथ हॉकी 5एस वर्ल्ड कप

विश्व केसरी ■

**लॉजेन (स्विट्जरलैंड)।** इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) ने एफआईएच यूथ हॉकी 5एस वर्ल्ड कप शुरू करने की घोषणा की है। इसका पहला टूर्नामेंट 7 से 12 दिसंबर 2026 तक मिस्र के इस्माइलिया में आयोजित होगा।

यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों को हॉकी के छोटे फॉर्मेट में खेलने का मौका देने के लिए शुरू किया गया है, क्योंकि इसे यूथ ओलंपिक गेम्स से हटा दिया गया था।

खेल की ग्लोबल गवर्निंग बॉडी ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'कोविड-19 महामारी के कारण 2022 में यूथ ओलंपिक गेम्स के टलने और उसके बाद डकार 2026 यूथ ओलंपिक गेम्स में हॉकी को बिना मेडल वाले 'एंगेजमेंट स्पोर्ट' के तौर पर शामिल करने के फैसले के बाद, एफआईएच ने एक नया ग्लोबल इवेंट बनाया है। इसका मकसद यह पक्का करना है कि दुनिया के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का अच्छा मौका मिलता रहे।

मिस्र में पहले टूर्नामेंट की मेजबानी करना दुनिया भर में हॉकी को आगे बढ़ाने के एफआईएच के संकल्प को भी मजबूत करता है। यह इवेंट वर्ल्ड-क्लास स्पोर्ट्स इवेंट्स की मेजबानी में अफ्रीका की काबिलियत को दिखाएगा।

# सीपीएल 2026: हसन नवाज का अर्धशतक, एंटिगुआ ने त्रिनबागो को 8 रन से हराया

विश्व केसरी ■

**त्रिनिदाद और टोबैगो।** कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 24वें मैच में एंटिगुआ एंड बारबुडा फॉल्कंस ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को एक रोमांचक मुकाबले में 8 रन से हरा दिया। एंटिगुआ की जीत में हसन नवाज की अर्धशतकीय पारी की अहम भूमिका रही।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए एंटिगुआ एंड बारबुडा फॉल्कंस ने हसन नवाज की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 4 विकेट पर 183 रन बनाए थे। नवाज ने 48 गेंदों पर 3 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 76 रन बनाए। कप्तान मोईन अली ने 24 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौकों की मदद से नाबाद 32 रन बनाए। इविन लुईस ने 24 और रखिम कॉर्नवाल ने 20 रन बनाए।

त्रिनबागो की तरफ से अकील हुसैन, लाहिरू कुमारा, उस्मान तारिक और जस्टिन ग्रीव्स ने 1-1 विकेट लिए।

184 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी त्रिनबागो की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 40 के स्कोर पर अपने 3 और 57 के स्कोर पर शुरुआती 4 विकेट खो दिए। रन रेट बेहतर होने के बावजूद लगातार गिरते विकेटों की वजह से त्रिनबागों पर दबाव बढ़ता गया।

मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने शुरुआती नुकसान से उबारते हुए टीम को जीत दिलाने की भरसक कोशिश की, लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली। कप्तान निकेलस पूरन (10 गेंदों पर 22 रन), किरोन पोलार्ड (36 गेंदों पर 41 रन) और जोशुआ डी सिल्वा के 31 गेंदों पर 5 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 54 रन की पारी की बदौलत त्रिनबागो 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 तक पहुंच सकी और 8 रन से मैच हार गई।

एंटिगुआ के लिए रखिम कॉर्नवाल ने 3 ओवर में 17 रन देकर 3 विकेट लिए। जोशुआ जेम्स ने 2 और शमार स्प्रिंगर ने 1 विकेट लिए।

इस जीत के साथ एंटिगुआ अंक तालिका में पहले स्थान पर चली गई है। एंटिगुआ के 9 मैचों में 5 जीत के साथ 11 अंक हो गए हैं। त्रिनबागो इस हार के बाद छठे नंबर पर है। त्रिनबागो 8 मैचों में सिर्फ 2 जीत हासिल कर सकी है।

# मध्य प्रदेश ने पहली पारी में बनाए 290 रन

विश्व केसरी ■

**रायपुर (संवाददाता)।** मध्य प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी 93.4 ओवरों में 9 विकेट पर 290 रन बनाकर घोषित कर दी। मध्य प्रदेश की ओर से शुभम शर्मा ने 105 रन तथा यश दुबें ने 69 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त कुमार कार्तिकेय ने 24 रन बनाये।

छत्तीसगढ़ की ओर से मयंक यादव तथा संदीप वारीयर ने 3-3 विकेट प्राप्त किये। उनके अतिरिक्त जयंत यादव ने 2 विकेट तथा वासुदेव बरेथ ने 1विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने अपनी पहली पारी में 109.2 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर 310 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से अनुज तिवारी ने 83 रन तथा सानिध्य हुरकत ने 55 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त विकल्प तिवारी ने 46 रन तथा जयंत यादव ने नाबाद 42 रनों का योगदान दिया। मध्य प्रदेश की ओर से कुमार कार्तिकेय तथा रवि किरण ने 3-3 विकेट प्राप्त किये। तिसरे दिन की समाप्ति तक मध्य प्रदेश ने अपनी दूसरी पारी में 51 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 150 रन बना लिये है। मध्य प्रदेश की ओर से हिमांशु मंत्री ने नाबाद 67 रन तथा वेंकटेश अययर ने 29 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर से अजय मंडल तथा संदीप वारीयर ने 2-2 विकेट प्राप्त किये।

# यूएस ओपनः लिंडा नोस्कोवा ने लैनलाना तारारुडी को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

**न्यूयॉर्क।** विंबलडन चैंपियन और नंबर 6 सीड लिंडा नोस्कोवा ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में थाईलैंड की लैनलाना तारारुडी को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के तीसरे राउंड में जगह बना ली।

लिंडा नोस्कोवा इस बार तीसरे राउंड से आगे बढ़ने की कोशिश करेंगी। पिछले साल तीसरे राउंड में उन्हें कैरोलिना मुचोवा ने हराया था।

दोनों खिलाड़ियों ने मैच की शुरुआत सर्विस पर जोरदार तरीके से की, लेकिन नोस्कोवा तारारुडी पर तब तक दबाव बनाती रहीं जब तक वह चेक खिलाड़ी की बेसलाइन से आ रहे हमलों को झेल नहीं पाईं। आखिर में, नोस्कोवा ने सातवें गेम में टारारुडी की सर्विस तोड़ी और पहला सेट जीता। नोस्कोवा ने 15 में से 12 नेट पॉइंट जीते। पहले सेट में शुरुआती

मुश्किलों के बाद नोस्कोवा ने मैच पर पूरा नियंत्रण स्थापित कर लिया। दूसरे सेट में भी खेल उनके नियंत्रण में रहा। लिंडा नोस्कोवा ने लैनलाना तारारुडी को 6-4, 6-2 से हराया।

यह 2026 में नोस्कोवा की 11वीं ग्रैंड स्लैम मैच जीत थी, जो एक कैलेंडर साल में उनकी सबसे ज्यादा जीत है। उनका पिछला बेस्ट 2024 में छह ग्रैंड स्लैम मेन-ड्रॉ मैच जीतना था। अपने विंबलडन टाइटल के अलावा, वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में तीसरे राउंड में पहुंचीं। रोलैंड गैरोस में पहले राउंड में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

तारारुडी के लिए, जो यूएस ओपन मेन-ड्रॉ में डेब्यू कर रही थीं, यह हार टॉप-10 विपक्षियों के खिलाफ इतने ही मैचों में उनकी दूसरी हार थी। टाररुडी के करियर का सबसे अहम पल यूएस ओपन और विंबलडन दोनों में दूसरे राउंड में पहुंचना और दो डब्ल्यूटीए 125 खिताब जीतना शामिल है।

नोस्कोवा का तीसरे राउंड में मुकाबला नंबर 29 सीड वाली अमेरिकन एन ली से होगा। ली ने डोना वेकिक को 5-7, 7-6, 6-4 से हराया था। यह मैच 2 घंटे और 44 मिनट चला था।

# एएफसी विमेंस चैंपियंस लीगः ईस्ट बंगाल को मिली ग्रुप बी में जगह

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** कुआलालंपुर में गुरुवार को हुए ड्रॉ के बाद ईस्ट बंगाल एफसी को एएफसी महिला चैंपियंस लीग 2026-27 के ग्रुप बी में जगह मिली है। टीम अपने अभियान का आगाज हो ची मिन्ह सिटी के खिलाफ 1 नवंबर को करेगी।

इस ग्रुप में ईस्ट बंगाल का मुकाबला दक्षिण कोरिया की ह्वाचेओन केएसपीओ डब्ल्यूएफसी (कोरिया गणराज्य), वियतनाम की हो ची मिन्ह सिटी डब्ल्यूएफसी और उत्तर कोरिया की 4.25 एससी टीम से होगा। अब ईस्ट बंगाल को अगले दौर में पहुंचने के लिए इन मजबूत एशियाई टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करना होगा। टीम इस बड़े टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। कोलकाता 1 से 7 नवंबर तक ग्रुप बी के मैचों

की मेजबानी करेगा। यह पहला मौका है जब भारत में एएफसी विमेंस चैंपियंस लीग खेली जा रही है।

इस भारतीय क्लब ने लगातार दूसरे साल ग्रुप स्टेज में अपनी जगह बनाई है। उन्होंने मलेशिया के कोटा किनाबालु में हुए प्रीलिमिनरी स्टेज के ग्रुप ए में सबाह एफए (मलेशिया), रोवर्स एफसी (गुआम) और राजशाही स्टार्स एफसी (बांग्लादेश) से आगे रहते हुए पहला स्थान हासिल किया था। एएफसी विमेंस चैंपियंस लीग के तीसरे एडिशन में 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है और ये सभी मैच सेंट्रलाइज्ड लीग फॉर्मेट में खेले जाएंगे।

इंडियन विमेंस लीग की चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी पहली बार क्वार्टर-फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेगी। उनके प्रतिद्वंद्वीह्वाचेओन केएसपीओ डब्ल्यूएफसी लीग चैंपियन हैं, जबकि हो ची मिन्ह सिटी डब्ल्यूएफसी वियतनामी विमेंस लीग चैंपियन हैं और 4.25 एससी डीपीआर कोरिया विमेंस प्रीमियर लीग चैंपियन हैं।

ग्रुप स्टेज खत्म होने के बाद कुल 8 टीमें नॉकआउट दौर में पहुंचेंगी। इनमें तीनों ग्रुप की विजेता टीमें, तीनों ग्रुप की रनर-अप टीमें और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें शामिल होंगी।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादकः रामप्रसाद दुबे ( पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा ) मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251